THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 40 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.10 2082 बुधवार, 7 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सबरीमाला मंदिर जाएंगी द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 19 मई को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा के दर्शन और पूजा-अर्चना करेंगीं। देश के इतिहास में वह पहली राष्ट्रपति होंगी जो सबरीमाला मंदिर जाएंगीं। मंदिर प्रबंधन संस्था त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) ने राष्ट्रपति की यात्रा की पुष्टि की। साथ ही इसे देश के इतिहास में गर्व का पल करार दिया। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर एसपीजी और मंदिर प्रबंधन ने तैयारी शुरू कर दी है। बताया जाता है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 और 19 मई को केरल की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगीं। 18 मई को वह केरल के कोट्टायम जिले में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेंगीं। इसके बाद अगली सुबह 19 मई को सबरीमाला मंदिर के पास बने निलक्कल हेलीपैड पर जाएंगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया रणनीतिक साझेदारी पर सहमत

> पीएम मोदी ने एंथनी अल्बानीज से की फोन पर बात

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से टेलीफोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए इसकी जानकारी दी। साथ ही उन्हें ऑस्ट्रेलिया के 32वें प्रधानमंत्री के रूप में ऐतिहासिक पुनर्निर्वाचन पर बधाई दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एंथनी अल्बानीज को टैग करते हुए लिखा, अपने मित्र एंथनी अल्बानीज से बात की और उन्हें उनकी पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी। हम भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने के लिए नए जोश के साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं।

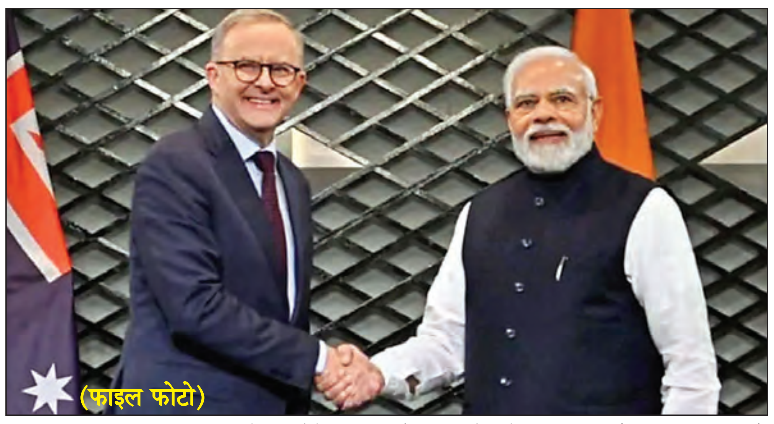
(फाइल फोटो)

इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि अपने पांच वर्षों में सीएसपी ने विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत सहयोग विकसित होते देखा है। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय मूल के प्रवासियों की भूमिका पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और एक स्वतंत्र, खुले, स्थिर, नियम-आधारित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री अल्बानीज को वार्षिक शिखर सम्मेलन और इस वर्ष के अंत में भारत में आयोजित होने वाले क्वॉड शिखर सम्मेलन सहित यहां आने का निमंत्रण दिया। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। इससे पहले पीएम मोदी ने एंथनी अल्बानीज को ऑस्ट्रेलिया का प्रधानमंत्री निर्वाचित होने पर बधाई दी थी।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा था, एंथनी अल्बानीज ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री के रूप में आपकी शानदार जीत और पुनः निर्वाचित होने पर बधाई। यह जोरदार जनादेश आपके नेतृत्व में ऑस्ट्रेलियाई लोगों के स्थायी विश्वास को दर्शाता है। मैं भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हूं।

पाकिस्तान सीमा के पास आज हवाई अभ्यास करेगी भारतीय वायु सेना

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना कल 7 मई से भारत-पाकिस्तान सीमा पर रेगिस्तानी क्षेत्र और आस-पास के इलाकों में अभ्यास करेगी। इस अभ्यास में राफेल, मिराज 2000 और सुखोई-30 सहित सभी अग्रणी विमान भाग लेंगे। इसे लेकर भारत की ओर नोटम जारी किया गया है।

केंद्र के गृह मंत्रालय ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पत्र भेजा। जिसमें कहा गया कि वे 7 मई को मॉक ड्रिल (अभ्यास) करें, ताकि किसी भी दुश्मन देश के हमले की स्थिति में तैयारी पूरी रहे। यह कदम पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव को देखते हुए उठाया गया है।

जयशंकर ने दुनिया को दिखाई भारत की ताकत

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने मंगलवार को दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एक्सेस टू टैलेंट फ्रॉम इंडिया (जीएटीआई) कार्यक्रम में भारत की मानव संसाधन क्षमताओं और वैश्विक स्तर पर उसकी बढ़ती भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि भारत अब स्थायी टैलेंट निर्माण के दौर में है। जहां दुनिया के हर क्षेत्र में कुशल भारतीय की जरूरत है। साथ ही जयशंकर ने भारतीय प्रतिभाओं को दुनियाभर से जोड़ने में विदेश मंत्रालय की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि विदेश मंत्रालय की जिम्मेदारी केवल राजनयिक संबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया और भारतीय टैलेंट को आपस में जोड़ना भी है।

भारतीय टैलेंट को निखारने की कही बात :

जयशंकर ने आगे कहा कि आज भारत के पास सिर्फ टैलेंट नहीं है, बल्कि उसे पूरी दुनिया में भेजने की क्षमता और जरूरत दोनों है। भारतीय डायस्पोरा (प्रवासी भारतीय) का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि आज अमेरिका में भारतीय टेक प्रोफेशनल्स और उद्यमी हैं, यूरोप व नॉर्थ अमेरिका में ब्लू कॉलर वर्कर्स और स्वरोजगार करने वाले लोग हैं, तो दुनिया के कई देशों में भारतीय वैज्ञानिक और शोधकर्ता भी योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्री ने बताया कि हाल ही में जापान की संसद के स्पीकर भारत आए थे और उन्होंने भारत से कुशल श्रमिकों की एक तयशुदा और स्थायी व्यवस्था की बात की। उन्होंने इस्राइल, मॉरीशस, मलेशिया, सिंगापुर और जर्मनी जैसे देशों का उदाहरण देते हुए बताया कि ये सभी भारतीय प्रतिभा को आकर्षित करना चाहते हैं।

जातिगत जनगणना पर मल्लिकार्जुन खड़गे की मोदी को चिट्ठी

सर्वे में तेलंगाना मॉडल को अपनाने की मांग, तीन सुझाव दिए

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 30 अप्रैल को जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिख जाति जनगणना की मांग को दोहराया। उन्होंने सर्वे करवाने के लिए तीन सुझाव भी दिए हैं। अपने पत्र में, खड़गे ने 16 अप्रैल 2023 में उनके पहले के पत्रों का जवाब नहीं देने के लिए सरकार की आलोचना की। खड़गे ने कहा- मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। उसके बाद, आज, आप खुद स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग सामाजिक हित में है। खड़गे ने पीएम मोदी को सभी राजनीतिक पार्टियों से बात करने की भी सलाह दी।

खड़गे ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए खड़गे की मांग का समर्थन किया है।

मल्लिकार्जुन खड़गे के मोदी को तीन सुझाव

सर्वे के सवालों का डिजाइन महत्वपूर्ण है। खड़गे ने प्रश्नों को तैयार करने के लिए तेलंगाना मॉडल को अपनाने की मांग की। सरकार से एससी, एसआी और ओबीसी के लिए मनमाने ढंग से लगाई गई 50 प्रतिशत की आरक्षण सीमा को हटाने का आग्रह किया। उन्होंने दूसरे राज्यों के कानूनों को भी संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने को कहा। (संविधान की नौवीं अनुसूची उन केंद्रीय और राज्य कानूनों की एक सूची है जिन्हें अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती)। संविधान के अनुच्छेद 15 (5) को एग्जिक्यूट करने को कहा, जिसे 20 जनवरी, 2006 को प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण देने के लिए पेश किया गया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जाति जनगणना होगी। केंद्रीय कैबिनेट ने 30 अप्रैल को जाति जनगणना को मंजूरी दी थी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसे मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा।

पूर्व मंत्री जनार्दन रेड्डी समेत तीन को सात साल की सजा

बंगलूरू, 6 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री गली जनार्दन रेड्डी और तीन अन्य लोगों को एक विशेष अदालत ने सात साल की सजा सुनाई है। यह सजा उन्हें ओबुलापुरम अवैध खनन केस में दी गई है। वहीं कोर्ट का फैसला आते ही सीबीआई की टीम ने जनार्दन रेड्डी और बाकी दोषियों को अपनी हिरासत में ले लिया। यह मामला सालों पुराना है, जिसमें जनार्दन रेड्डी और उनके साथियों पर आरोप था कि उन्होंने नियमों का उल्लंघन कर के गैरकानूनी तरीके से खनन किया और करोड़ों रुपये का नुकसान सरकार को पहुंचाया।

इस केस में जांच एजेंसियों ने बताया कि जनार्दन रेड्डी की कंपनी ने सीमा के बाहर जाकर भी खनन किया और इसके लिए जरूरी अनुमति नहीं ली थी। इससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान हुआ। अब कोर्ट ने माना कि पूर्व मंत्री और उनके साथियों ने कानून तोड़ा और इसलिए

सीबीआई ने हिरासत में लिया

उन्हें सात साल की कैद और जुर्माना भी भरना होगा। पूर्व मंत्री रेड्डी पर भारत में घोटाला कर उन पैसों का कई देशों में निवेश करने का आरोप है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पांच सितंबर 2011 को रेड्डी और उनके रिश्तेदार बी.वी श्रीनिवास रेड्डी को बेल्लारी से गिरफ्तार किया था। श्रीनिवास रेड्डी ओबलापुरम माइनिंग कंपनी (ओएमसी) के प्रबंध निदेशक थे। इस कंपनी पर खनन पट्टे के सीमांकन को बदलने और बेल्लारी आरक्षित वन क्षेत्र में अवैध खनन करने का आरोप है।

बता दें कि, मामले में बी.वी. श्रीनिवास रेड्डी, गली जनार्दन रेड्डी, ओबुलापुरम माइनिंग कंपनी, पूर्व मंत्री के निजी सहायक मेफाज अली खान, खान विभाग के तत्कालीन निदेशक वी.डी. राजगोपाल, पूर्व आईएएस कृपानंदम और तत्कालीन मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत और कुछ अन्य पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। वहीं इस मामले में 2022 में उच्च न्यायालय ने आईएएस अधिकारी श्रीलक्ष्मी को मामले से मुक्त कर दिया।

छत्तीसगढ़ के 14 माओवादियों का तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण

ऑपरेशन च्युता से मिलेगा नया जीवन

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छत्तीसगढ़ के प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 14 सदस्यों ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। पुलिस के अनुसार इन 14 माओवादियों में दो एरिया कमेटी के सदस्य (एसीएम) सदस्य भी शामिल हैं। उन्होंने भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू के समक्ष में आत्मसमर्पण किया है।

ऑपरेशन च्युता अभियान से मिलेगा लाभ :

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को ऑपरेशन च्युता के तहत योजनाओं का लाभ मिलेगा। ऑपरेशन च्युता पुलिस प्रशासन की तरफ से शुरू की गई एक पहल है जो तेलंगाना में माओवादी कार्यकर्ताओं को आत्मसमर्पण करने और समाज में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है। बता दें कि यह कार्यक्रम जनजातीय समुदायों के लिए कल्याणकारी और विकास योजनाओं पर केंद्रित है और माओवादियों को इन योजनाओं से लाभ उठाने का अवसर मिलता है। पुलिस ने अन्य माओवादी सदस्यों से अपील की है कि यदि वे आत्मसमर्पण करके सामान्य जीवन में लौटना चाहते हैं, तो पास के पुलिस स्टेशन या जिला अधिकारियों से संपर्क करें।

गौरतलब है कि सुरक्षाबल ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर बड़ा नक्सल मुक्त अभियान चला रहे हैं। इस ऑपरेशन में करीब 24,000 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। हेलीकॉप्टरों और ड्रोनों की सहायता से घने जंगलों में निरीक्षण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर स्थित पहाड़ियों में नक्सलियों के खिलाफ 21 अप्रैल को 'मिशन संकल्प' अभियान शुरू किया गया है। कारण है कि सरकार ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि नक्सलियों के साथ कोई शांति वार्ता नहीं की जाएगी। यदि नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे, आत्मसमर्पण नीति के तहत उनका पुनर्वास किया जाएगा।

भारत पर पाक के आरोप यूएनएससी में खारिज

> पूछा-क्या पहलगाम हमले में लश्कर शामिल था > यूएन चीफ ने कहा-कोई गलती न करें

वॉशिंगटन, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम अटैक और भारत-पाकिस्तान तनाव पर सोमवार रात यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल (यूएनएससी) की मीटिंग में पाकिस्तान से सवाल हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान से पूछा गया कि क्या पहलगाम अटैक में लश्कर-ए-तैयबा शामिल था।

बैठक में यूएनएससी मेंबर्स ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और इसकी जवाबदेही की जरूरत पर भी जोर दिया। इस दौरान यूएनएससी मेंबर्स ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया। मेंबर्स ने पाकिस्तान की ओर से 3 दिन में 2 मिसाइल परीक्षण किए जाने पर भी चिंता जाहिर की। यूएनएससी के अस्थाई सदस्य पाकिस्तान ने भारत-पाकिस्तान तनाव पर मीटिंग की अपील की थी। साथ ही यह भी कहा था कि यह मीटिंग बंद कमरे में हो। मीटिंग पर यूएनएससी ने अभी कोई स्टेटमेंट जारी नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक मेंबर्स ने पाकिस्तान के भारत पर लगाए आरोपों को स्वीकार नहीं किया। हालांकि, बैठक से पहले यूएन चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से अपील की कि कोई गलती न करें, मिलिट्री ऑपरेशन समाधान नहीं है।

यूएनएससी बैठक से जुड़ी 4 अहम बातें...

- पाकिस्तान के उस झूठे दावे को खारिज कर दिया गया, जिसमें उसने कहा था कि भारत ने पहलगाम में खुद आतंकी हमला कराया।
- मामले को ग्लोबल बनाने से इनकार। पाक को भारत के साथ द्विपक्षीय रूप से मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई।
- पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की गई और इसकी जवाबदेही ठहराने की मांग की गई।
- पाकिस्तान ने भारत के सिंधु जल समझौता स्थगित करने की आलोचना की। कहा कि पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान की अपील पर कंसल्टेशन रूम में मीटिंग :

यह बैठक सिक्योरिटी काउंसिल के मुख्य कक्ष में नहीं बल्कि 'कंसल्टेशन रूम' में हुई थी। इस कमरे में गोपनीय बातचीत होती है। बैठक में 15 देशों के प्रतिनिधि शामिल थे। बातचीत लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक के बाद सिक्योरिटी काउंसिल ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

पाकिस्तान बोला-भारत के भड़काऊ बयान से तनाव बढ़ा :

बैठक के बाद यूएन में पाकिस्तानी राजदूत इफ्तिखार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मीटिंग का अनुरोध किया था, ताकि दक्षिण एशिया में पैदा हो रहे तनाव को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि उनका जो मकसद था वो पूरा हुआ।

इफ्तिखार ने कहा कि सुरक्षा परिषद के कई सदस्य इस बात पर सहमत थे कि तमाम मुद्दों को शांति से हल किया जाना चाहिए। इसमें कश्मीर का मुद्दा भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इलाके में शांति सिर्फ बातचीत और अंतर्राष्ट्रीय कानून की पाबंदी से ही मुमकिन है। इफ्तिखार ने आरोप लगाया कि भारत ने 23 अप्रैल को 'एकतरफा और गैरकानूनी' कदम उठाए। इसके साथ ही सैन्य जमावड़ा और भड़काऊ बयान दिए। इससे तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। इफ्तिखार ने कहा कि पाकिस्तान टकराव नहीं चाहता, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हिफाजत के लिए पूरी तरह तैयार है।

पहलगाम में हाथ होने से पाकिस्तान का इनकार :

इफ्तिखार ने भारत के उस आरोप को नकार दिया जिसमें पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जिम्मेदार ठहराया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और सुरक्षा परिषद के सभी सदस्य इस हमले की निंदा कर चुके हैं। इफ्तिखार ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को एकतरफा निलंबित करने के फैसले को भी बैठक में गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि यह संधि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुई थी और 3 जंग के दौरान बरकरार रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने जजों की संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक किया

21 की जानकारी देख सकेंगे, जजों को कैसे चुना-वह नियुक्ति प्रक्रिया भी अपलोड की

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजों की संपत्ति का ब्यौरा अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया कि ज्युडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। हालांकि वेबसाइट पर 33 में से केवल 21 जजों की जानकारी ही देखी जा सकती है। बाकी जजों ने ब्योरा केवल सुप्रीम कोर्ट को सौंपा है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक रिलीज में कहा, सुप्रीम कोर्ट की फुल कोर्ट ने 1 अप्रैल 2025 को निर्णय लिया है कि कोर्ट के जजों की संपत्ति का ब्योरा वेबसाइट पर अपलोड करके सार्वजनिक किया जाएगा। कोर्ट को पहले से मिली जजों की डीटेल्स अपलोड की जा रही है। बाकी जजों की जानकारी मिलने पर अपलोड की जाएगी। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे।

नेवी लेफ्टिनेंट के घर पहुंचे राहुल गांधी

करनाल, 6 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को हरियाणा के करनाल में नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार से 1 घंटा 35 मिनट तक मुलाकात की। वह दोपहर 2:15 बजे लेफ्टिनेंट के घर से रवाना हुए। इस दौरान सुरक्षा टाइट रही।

मुलाकात के बारे में परिवार के सदस्य ने कहा कि राहुल गांधी ने हमारी फैमिली से दुख साझा किया। उन्होंने विनय के बचपन और पढ़ाई के बारे में पूछा। इसके साथ विनय की स्कूल की मार्कशीट और बचपन की फोटो भी देखीं। उन्होंने सुरक्षा में चूक की भी बात कही, जिसके चलते इतनी बड़ी घटना हुई। परिवार के सदस्य ने कहा कि शहीद का दर्जा को लेकर कोई बात नहीं हुई।

सुप्रीम कोर्ट का महाराष्ट्र चुनाव आयोग को आदेश

चार हफ्ते में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी कर 4 महीने में चुनाव कराएं

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र निकाय चुनाव को लेकर फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह चार सप्ताह के भीतर राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी करे। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र चुनाव आयोग चार महीने के भीतर निकाय चुनाव संपन्न कराने का प्रयास करे।

जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने आदेश में कहा- हमारे विचार से, स्थानीय निकायों के समय-समय पर चुनावों के जरिए लोकतंत्र के संवैधानिक जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए और इसे सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ओबीसी आरक्षण पर फंसा था पेंच :

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव पिछले कई वर्षों से नहीं हुए हैं। इसका मुख्य कारण ओबीसी आरक्षण से जुड़ी कई लंबित कानूनी प्रक्रियाएं रही हैं। कोर्ट ने इस देरी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए सही नहीं माना है और समय पर चुनाव करने के निर्देश दिए।

शीर्ष अदालत ने बनठिया आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। इस रिपोर्ट में ओबीसी पर सटीक आंकड़े तय करने के लिए जनगणना और महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में इस वर्ग के लिए 27 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने की सिफारिश की गई थी। पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिकाओं के निर्णयों के अधीन होंगे।

गौरतलब है कि वर्ष 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए आरक्षण की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी, जब तक कि सरकार शीर्ष अदालत के 2010 के आदेश में निर्धारित ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं करती। कोर्ट ने आदेश दिया था कि जब तक ट्रिपल टेस्ट मानदंड पूरा नहीं हो जाता, तब तक ओबीसी सीटों को सामान्य श्रेणी की सीटों के रूप में फिर से अधिसूचित किया जाएगा। वर्ष 2017 के बीएमसी चुनावों में (अविभाजित) शिवसेना ने 84 सीट पर, जबकि बीजेपी ने 82 सीट पर जीत हासिल की थी।

अब 2027 में लॉन्च किया जाएगा गगनयान मिशन

पहले व्योममित्र को भेजेंगे अंतरिक्ष : इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' अब 2027 की पहली तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन पहले 2022 में होना था, लेकिन अब इसमें करीब पांच साल की देरी हो गई है। इस जटिल मिशन को शुरू करने के लिए अभी कई तकनीकी चुनौतियां का सामना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि इस साल के अंत तक पहला मानव रहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद 2026 में दो और मानव रहित मिशन किए जाएंगे। इसरो प्रमुख ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, पहला मानव मिशन अब 2027 की पहली तिमाही में होगा। उन्होंने आगे कहा, इसरो अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने से पहले मानवरहित मिशन के हिस्से के रूप में एक अर्ध-मानव रोबोट 'व्योममित्र' को अंतरिक्ष में भेजेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2018 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में गगनयान मिशन की घोषणा की थी। उन्होंने भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए 2022 का लक्ष्य तय किया था। लेकिन कोरोना महामारी ने अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण में बाधा डाली। मिशन से जुड़ी तकनीकों को तैयार करने में भी अधिक समय लग रहा है। गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर भेजा जाएगा और कुछ दिनों बाद उन्हें सुरक्षित वापस लाया जाएगा। इसके लिए इसरो ने पर्यावरण नियंत्रण और जीवन समर्थन प्रणाली (ईसीएलएसएस) नाम की प्रणाली तैयार की है, जो अंतरिक्ष यान के अंदर का तापमान, हवा की गुणवत्ता, दबाव और नमी नियंत्रित करेगी।

क्यों यूएन सिक्योरिटी काउंसिल में पाक की आलोचना वाला प्रस्ताव पारित होना मुश्किल? शशि थरूर ने बताई वजह

तिरुअनंतपुरम, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में खटास और सीमा पर तनाव ने युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। लोग दहशत में हैं, क्योंकि पाकिस्तान की ओर से बिना किसी उकसावे के लगातार गोलाबारी हो रही है। जवाब में भारतीय सेना मुंहतोड़ कार्रवाई कर रही है। लेकिन इस बार मामला सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं है, राजनयिक स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में अहम बैठक हुई :

इसी कड़ी में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बंद कमरे में एक अहम बैठक हुई, जिसमें कश्मीर मुद्दे पर चर्चा हुई। इस बैठक को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान खासा अहम और बेहद तथ्यात्मक है। उन्होंने दो टूक कहा कि इस बैठक से भारत या पाकिस्तान को कोई खास फायदा नहीं मिलने वाला। थरूर के अनुसार, यूएनएससी पाकिस्तान की आलोचना नहीं करेगा क्योंकि चीन वीटो लगा देगा। वहीं, भारत की आलोचना वाला कोई प्रस्ताव भी पारित नहीं हो पाएगा, क्योंकि कई देश इसका विरोध करेंगे और शायद वीटो भी कर देंगे। नतीजा यही होगा कि बैठक शांति और आतंकवाद को लेकर एक सामान्य चिंता व्यक्त करके खत्म हो जाएगी।

1965 का युद्ध : जब भारतीय सेना ने तीन ओर से घेर लिया था लाहौर, पाकिस्तान रह गया था सन्न

थरूर ने स्पष्ट किया कि यूएन में ऐसे मामलों का नतीजा हमेशा कूटनीतिक भाषा और औपचारिकताओं में दब जाता है। उनका यह बयान यह दर्शाता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों से ज्यादा उम्मीदें पालना व्यावहारिक नहीं है। सीमा पर जारी गोलीबारी के बीच यह साफ है कि असली जंग राजनीतिक और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर लड़ी जा रही है और उसमें 'वीटो' सबसे बड़ा हथियार बनकर सामने आ रहा है। उधर, गृह मंत्रालय ने कहा है कि मौजूदा वैश्विक और क्षेत्रीय हालात को देखते हुए भारत को नए और जटिल सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

तलाक से दुखी युवक ने लगा ली फांसी, तीन माह पहले प्रेम विवाह किया था

इंदौर, 6 मई (एजेंसियां)। इंदौर के तुकोगंज क्षेत्र में एक युवक ने तलाक से दुखी होकर फांसी लगा ली। युवक ने जिस युवती से कुछ माह पहले प्रेम विवाह किया था, उससे विवाद शुरू हो गए। दोनों ने अलग होने का फैसला लिया, लेकिन इस बार से युवक राजकुमार पिता गुलशन पाटिल इतना तनाव में आ गया है कि उसने अपनी जिंदगी खत्म कर ली। उसने दो बार पहले भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी। राजकुमार एक दफ्तर में काम करता था। वहां उसकी पहचान मुस्कान नामक युवती से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और शादी करने का फैसला लिया। बताते है कि मुस्कान को गंभीर बीमारी थी, इस कारण राजकुमार के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। राजकुमार ने परिवार वालों को बताए बगैर प्रेम विवाह कर लिया, लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद ही दोनों के बीच विवाद होने लगे।

जज को अनुसूचित जाति का बेटे होने की वजह से बर्खास्त होना पड़ा था

जातिवाद पर चोट करने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मायने समझें

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। न्यायपालिका में जातिगत भेदभाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। ये पूरा मामला एक वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी से जुड़ा था। अधिकारी को एक अनुसूचित जाति का बेटा होने की वजह से निशाना बनाया गया। साथ ही, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के प्रशासनिक विभाग ने उन्हें बर्खास्त तक कर दिया। इसके बाद ये मामला पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां उच्च न्यायालय ने अधिकारी को नौकरी में दोबारा से बहाल करने का आदेश दिया।

पर मामला यहीं नहीं थमा। सुप्रीम कोर्ट तक इसके खिलाफ अर्जी लगी। अब सर्वोच्च अदालत ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बहाल कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के जज सूर्यकांत के सामने ये मामला था। वे खुद भी पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से आते हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि पंजाब की न्यायपालिका में चल रही इस जातिगत समस्या से वे वाकिफ हैं। और चूंकि अधिकारी एक पिछड़ी जाति से ताल्लुक रखता था, उसे निशाना बनाया गया। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आखिर ये सब कब तक चलेगा। जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह इस मामले को सुन रहे थे। आइये यह भी जानें कि किस तरह एक जिला अदालत का विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।

करीब 3 साल बाद आया फैसला

जिस अधिकारी को लेकर पूरा विवाद रहा – उनका नाम प्रेम कुमार है। 2014 में उनकी पंजाब में अतिरिक्त जिला और सत्र जज के तौर पर बहाली हुई। प्रेम कुमार के बारे में उनके वरिष्ठ जजों की राय पहले तो काफी अच्छी रही। पर फिर बदलती चली गई। उनका मूल्यांकन काफी उतार-चढ़ाव से भरा रहा। आखिरकार, अप्रैल 2022 में प्रेम कुमार की कार्यशैली को आधार बनाते हुए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के प्रशासनिक विभाग ने उनको बर्खास्त कर दिया। अपनी गरिमा की हिफाजत में कुमार ने इस बर्खास्तगी को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। इसी साल जनवरी के महीने में हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार किया और प्रशासनिक विभाग के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें उन्हें बर्खास्त किया गया था। हाईकोर्ट के प्रशासनिक विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अर्जी लगाई, जिस पर अब फैसला आया है।

बकाया और वरिष्ठता भी मिलेगी

हाईकोर्ट के प्रशासनिक विभाग की याचिका को खारिज करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा – चूंकि प्रेम कुमार एक पिछड़ी जाति से आते हैं, उनको निशाना बनाया गया। देश के उच्च न्यायालयों में ये एक बड़ी समस्या है। हाईकोर्ट को उनके ज्युडिशियल अधिकारियों के साथ पारदर्शिता से पेश आना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब फिर एक बार प्रेम कुमार की बहाली का रास्ता खुल गया है। साथ ही, उनका पूरा बकाया और वरिष्ठता भी बहाल किया जाएगा।

मणिपुर में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई

कई प्रतिबंधित संगठनों के 11 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 6 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट, काकचिंग और थौबल जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये सभी गिरफ्तारियां सोमवार को की गईं। प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के चार सदस्यों को इंफाल ईस्ट जिले के मंत्रिपुखरी फ्रेंच कॉलोनी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि ये घाटी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर हथगोले रखकर आम जनता को धमकाने की घटनाओं में शामिल थे। उनके कब्जे से पुलिस ने दो पिस्तौल, दो मैगजीन और गोला-बारूद बरामद किया है। अधिकारी ने बताया कि एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने इंफाल ईस्ट जिले के केराओ वांगखेम और उसके आसपास के इलाके से इसी संगठन के तीन अन्य सक्रिय सदस्यों को भी गिरफ्तार किया।

उनके कब्जे से पांच हथियार, गोला-बारूद और एक वायरलेस संचार उपकरण जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के एक सदस्य को इम्फाल ईस्ट जिले के सावोमबंग काबुई खुंजाओ से जबरन वसूली में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से दो पिस्तौल, एक हथगोला और एक डेटोनेटर बरामद किया गया है। प्रतिबंधित केसीपी (अपुनबा) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को थौबल जिले के वांगजिंग अवांग लेईकाई में एक खाली पड़े घर से गिरफ्तार किया गया

'आरक्षण रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा है

जो चढ़ गए वे दूसरों को घुसने नहीं देते सुप्रीम कोर्ट के जज की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। देश में जाति आधारित आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के जज की अहम टिप्पणी सामने आई है। जज ने कहा कि रिजर्वेशन रेलगाड़ी के डिब्बे जैसा हो गया है और जो लोग इस डिब्बे में चढ़ते हैं, वे दूसरों को इसमें नहीं घुसने देना चाहते। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्यकांत ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं। बता दें कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव आखिरी बार 2016-2017 में हुए थे। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए कोटा को लेकर कानूनी लड़ाई में पदों पर देरी का मुख्य कारण रहा था। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत कोटा लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के अध्यादेश को रद्द कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि राज्य के बंठिया आयोग ने स्थानीय निकाय चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण दिया, बिना यह पता लगाए कि वे राजनीतिक रूप से पिछड़े हैं या नहीं। उन्होंने तर्क दिया कि राजनीतिक पिछड़ापन सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन से अलग है और ओबीसी को स्वचालित रूप से राजनीतिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता।

आरक्षण के कारण स्थानीय निकायों के चुनाव में देरी क्यों?

न्यायमूर्ति कांत ने मौखिक रूप से कहा कि जब आप समावेशिता के सिद्धांत का पालन करते हैं, तो राज्य अधिक वर्गों की पहचान करने के लिए बाध्य होते हैं। सामाजिक रूप से पिछड़ा वर्ग, राजनीतिक रूप से पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग होगा। उन्हें लाभ से वंचित क्यों रखा जाना चाहिए? इसे एक विशेष परिवार या समूहों तक ही सीमित क्यों रखा जाना चाहिए? सुनवाई के दौरान, पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य में स्थानीय निकायों के लंबे समय से लंबित चुनावों को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे के कारण और विलंबित नहीं किया जा सकता है। पीठ ने राज्य के विचार सुनने के लिए सुनवाई टाल दी।

बंगलूरू में आईपीएस अधिकारी के बच्चों से छेड़छाड़ का आरोप

बेटी से भी अभद्रता; संदिग्धों में आयकर अफसर भी

बंगलूरू, 6 मई (एजेंसियां)। हाल ही में बंगलूरू के एम। चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैच के दौरान एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के बच्चों के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। शिकायत के बाद अब यौन उत्पीड़न और धमकी का मामला दर्ज किया गया है। संदिग्धों में से एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी भी शामिल था। पुलिस ने बताया कि घटना 3 मई को रात करीब 9:40 बजे प्रीमियम सीटिंग एनक्लोजर डायमंड बॉक्स में हुई, जब आरसीबी और सीएसके के बीच मैच खेला जा रहा था। शिकायतकर्ता आईपीएस अधिकारी की पत्नी के मुताबिक, दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनके 22 साल के बेटे के साथ दुर्व्यवहार किया। उनकी 26 साल की बेटी को गलत तरीके से छुआ। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अज्ञात दंपती जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, धमकी दे रहे थे और उनके बच्चों को परेशान कर रहे थे। उन्होंने उनकी बेटी के साथ भी दुर्व्यवहार किया और उसके साथ अभद्रता की। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि पूरी घटना को उनके बेटे ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। पुलिस ने कहा कि घटना में शामिल संदिग्धों में से एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी भी था।

आगे की जांच शुरू

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 351(1) (आपराधिक धमकी), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) 75(1) (यौन उत्पीड़न), 79 (महिला की शील का अपमान करने के इरादे से किए गए कृत्यों को आपराधिक बनाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है।

कश्मीर में आतंक के पीछे दाऊद का कनेक्शन

जानें कैसे पाकिस्तान में अंडरवर्ल्ड डॉन का दबदबा

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद एक बार फिर से पाकिस्तान का असली चेहरा सामने आ गया है। भारत अब इस हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई करने को लेकर विचार कर रहा है। इस बीच कश्मीर में आतंक के पीछे अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम कनेक्शन सामने आ रहा है। अंडरवर्ल्ड को करीब से जानने वाले दाऊद इब्राहिम पर किताब लिख चुके मशहूर लेखक हुसैन जैदी ने पाकिस्तान में दाऊद के दबदबे को लेकर कई हैरान करने वाले खुलासे किए हैं।

पाकिस्तान में बनाई पैठ

जैदी के अनुसार भारत के बाद दाऊद जब मुंबई में भी था तो बॉलीवुड से उसके कनेक्शन बहुत अच्छे थे। वह जब पाकिस्तान गया तो उने वहां की भी फिल्म इंडस्ट्री उसने बहुत अच्छी पैठ बना ली। दाऊद इस बात को जानता है कि अगर आपने पॉलिटिशियन को अपने कंट्रोल में कर लिया तो आप उस देश को रूल कर सकते हैं। वहां के इंटीरियर मिनिस्टर वहां के चीफ मिनिस्टर्स वहां की जो गवर्नमेंट सब आपके कंट्रोल में होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में इमरान खान को पीएम बनाने और उसे पद से हटाने में भी दाऊद की भूमिका का जिक्र किया।

सरकार को कंट्रोल कर रहा दाऊद

जैदी ने अपने कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर बताया कि आज की तारीख में दाऊद इब्राहिम पाकिस्तान में पावरफुल हो गया है। यूं कहें कि वह पाकिस्तान में जिसको चाहे उठाए जिसको चाहे बिठाए। दाऊद पाकिस्तान में किंग मेकर बन चुके हैं।

स्थिति यह है कि पाकिस्तान की सरकार को टेक्निकली वहीं चला रहा है। दाऊद को जो लोगों ने उसकी इन्फ्लुएंस देखी तो पॉलिटिशियन जो है उसके करीब भी आने लगे। फिर उससे फेवर्स लेने लगे। जैदी ने अपने दोस्त के हवाले से बताया कि जब वो दाऊद से कभी मिलने जाता था तो देखता था कि दाऊद के रिसेप्शन हॉल में कोई ना कोई प्रोविंस का बड़ा सा एक चीफ मिनिस्टर बैठा वेट करता होता था।

कल्पना कीजिए कोई चीफ मिनिस्टर जो अपने आप में इतना बड़ा पावरफुल आदमी होता है वो दाऊद के कमरे के बाहर वेट कर रहा है। यह दिखाता है कि उसका पावर कितना पाकिस्तान में हो गया है।

हुबली में भीषण सड़क हादसा

ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर में 5 लोगों की मौत

हुबली, 6 मई (एजेंसियां)। कर्नाटका के हुबली में एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। यह हादसा हुबली के इंगलाहल्ली क्रॉस के पास हुआ, जहां एक ट्रक और एक कार के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें सभी मृतक शिवमोग्गा जिले के सागर के निवासी थे। हादसे में मारे गए व्यक्तियों की पहचान श्वेता (29), अंजलि (26), संदीप (26), विट्ठल (55) और शशिकला (40) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक होटल व्यवसाय के लिए बागलकोट जा रहे थे। यह हादसा उस समय हुआ जब कार हुबली के इंगलाहल्ली क्रॉस के पास एक ट्रक से टकरा गई। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी भयानक थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। हुबली ग्रामीण पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज कर लिया है।

मीठी नदी से गाद निकालने के मामले में बड़ी कार्रवाई

एसआईटी ने 13 पर दर्ज की एफआईआर

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मीठी नदी से गाद निकालने के मामले में ठेकेदारों और नगर निगम अधिकारियों समेत 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। टीम ने मंगलवार को आरोपियों के परिसरों की तलाशी शुरू की। एक अधिकारी ने बताया कि आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारियों की एसआईटी इस घोटाले की जांच कर रही है, जिसमें बृहन्मुंबई नगर निगम को 50 करोड़ रुपये से अधिक का गलत तरीके से नुकसान हुआ है।

विभिन्न स्थानों पर तलाशी शुरू

उन्होंने बताया कि एसआईटी ने पांच ठेकेदारों, तीन बिचौलियों और दो कंपनी अधिकारियों समेत 13 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारी ने बताया कि एसआईटी ने मंगलवार सुबह मामले में आरोपी बनाए गए लोगों के आवासों और कार्यालय परिसरों समेत विभिन्न स्थानों पर तलाशी शुरू की। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मीठी नदी की सफाई परियोजना में कथित अनियमितताओं और धन के दुरुपयोग की जांच के लिए, फरवरी में एसआईटी का गठन किया था। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक शिकायत के मुताबिक अनुबंधों में अनियमितताएं और दुरुपयोग 1,100 करोड़ रुपये के आसपास था। उन्होंने कहा कि टीम नदी की सफाई, नदी से गाद हटाने और नदी के सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्यों के लिए 2005 से 2023 के बीच दिए गए सभी अनुबंधों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि 2005 से 18 ठेकेदार इस काम में शामिल थे।

गुजरात में शेत्रुंजी नदी में डूबे चार युवक

अमरेली, 6 मई (एजेंसियां)। गुजरात के अमरेली जिले में शेत्रुंजी नदी में नहाते समय चार युवक डूब गए। अमरेली तालुका के पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना गावडका गांव के पास उस समय हुई जब सोमवार शाम को ये लोग नदी में उतरे थे। जिला अग्निशमन विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे और देर रात शवों को बाहर निकालने में सफल रहे। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान नरेंद्र वाला (18), कौशिक राठौड़ (21), भार्गव राठौड़ (20) और कमलेश दफड़ा (27) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया।

पत्नी की हत्या की, शव को बोरी में भरा और स्कूटर पर रखकर ठिकाने लगाने चल पड़ा, पुलिस ने पकड़ा

पुणे, 6 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फिर जब वह शव को ठिकाने के लिए अपने स्कूटर पर जा रहा था, तब पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी 26 वर्षीय पत्नी की हत्या कर दी और उसका शव स्कूटर पर ले जाते हुए पकड़ा गया। एक अधिकारी ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस की एक गश्ती टीम ने 28 वर्षीय आरोपी को रोका, जो तड़के नांदेड़ शहर के इलाके में अपने दोपहिया वाहन पर सवार था। उन्होंने बताया कि टीम को महिला का शव एक बोरी में भरा हुआ मिला। अधिकारी ने बताया कि आरोपी राकेश निसार ने घरेलू विवाद के बाद कथित तौर पर धायरी इलाके में अपने अपार्टमेंट में अपनी पत्नी बबीता का गला घोंट दिया। उन्होंने बताया, 'पुलिस नियंत्रण कक्ष को रात करीब 1.30 बजे एक व्यक्ति द्वारा स्कूटर पर शव ले जाने की सूचना मिली। गश्ती दल ने वाहन को रोका और बोरी में भरी एक महिला का शव बरामद किया। अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के एक मजदूर निसार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है।'

ममता का आरोप- बंगाल लाए जा रहे हैं दंगे फैलाने वाले बाहरी लोग; मुर्शिदाबाद दौरे पर पीड़ितों से मिलीं सीएम

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में दंगे भड़काने के लिए बाहरी लोगों को लाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा और धार्मिक कट्टरपंथियों की बातों में आकर आपस में झगड़ा न करें। बता दें कि, ममता बनर्जी मुर्शिदाबाद जिले के दंगा प्रभावित इलाकों के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मंगलवार को वे शमशेरगंज पहुंचीं और वहां पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, 'बाहरी लोग बंगाल में दंगा कराने के लिए लाए जा रहे हैं। उनसे उकसावे में मत आइए, भाजपा या किसी भी धार्मिक उग्रवादी की बात सुनकर आपस में फूट मत डालिए।' सीएम ममता ने इस दौरान वक्फ (संशोधन) कानून को लेकर भी स्थिति साफ करते हुए कहा कि इसे बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'इस कानून को लेकर हिंसा करना गलत है। बंगाल में इसे लागू करने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं सबको विश्वास दिलाती हूं कि राज्य सरकार आपकी चिंता समझती है।' बता दें कि, अप्रैल के दूसरे सप्ताह में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में मुर्शिदाबाद के धूलियन, शमशेरगंज और सूती में हिंसा भड़क गई थी। इन दंगों में तीन लोगों की मौत हुई थी, कई लोग घायल भी हुए।

मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सरकारी मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा, 'राज्य सरकार आपके साथ है। जिन लोगों ने हिंसा फैलाई है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। किसी को भी कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी।' ममता बनर्जी मंगलवार को हेलिकॉप्टर से शमशेरगंज पहुंचीं और स्थानीय ब्लॉक कार्यालय में पीड़ित परिवारों के साथ बैठक की। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द राहत पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब जिले में तनाव अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसी बीच, कोलकाता हाई कोर्ट ने मंगलवार को मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों के लोगों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति दी।

यह प्रदर्शन पिछले महीने हुई हिंसा के खिलाफ होगा। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन में अधिकतम 200 लोग शामिल होंगे और यह दोपहर 4 बजे तक खत्म करना होगा। न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने यह भी आदेश दिया कि प्रदर्शन के दौरान आम लोगों की आवाजाही और ट्रैफिक में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों को पश्चिम बंगाल मानवाधिकार आयोग के अधिकारी को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपने की इजाजत दी गई है।

तेंदुए की खालें और हाथी दांत के साथ पकड़े गए 2 आरोपी

उज्जैन, 6 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में एक अभियान के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तेंदुए की खालों के व्यापार करने वाले दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। डीआरआई को इन दोनों व्यक्तियों के पास से तेंदुए की खाल, हाथी के दांत और जंगली सूअर के सींग बरामद हुए हैं। इस कार्रवाई को डीआरआई के नागपुर यूनिट ने अंजाम दिया है। दोनों अपराधियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर इनके नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय की नागपुर यूनिट की मुंबई क्षेत्रीय इकाई की तरफ से खुफिया सूचना के आधार पर मध्य प्रदेश के उज्जैन में वन्यजीव वस्तुओं का व्यापार करने वालों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया। डीआरआई को सूचना मिली थी कि कुछ व्यापारी वन्यजीव वस्तुओं को बेचने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही डीआरआई की टीम कार्रवाई में जुट गई, जिसके तहत डीआरआई की टीम ने 4 मई 2025 की सुबह उज्जैन शहर के एक होटल में 2 अपराधियों को पकड़ा। गिरफ्तार हुए अपराधियों के पास से डीआरआई को 2 तेंदुए की खाल, एक हाथी का दांत और एक जंगली सूअर के सींग बरामद हुए हैं। वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत तेंदुए की खाल और हाथी के दांत को जब्त कर लिया गया है। जब्त किए गए वन्यजीव सामग्री और दोनों अपराधियों को आगे की जांच के लिए उज्जैन जिला वन प्रभाग को सौंप दिया गया है। मालूम हो कि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत तेंदुए की खाल या जानवर के किसी भी भाग का व्यापार, बिक्री, खरीद या कब्जा करना पूरी तरह से बैन है। बता दें कि इस साल जनवरी में भी डीआरआई नागपुर ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक तेंदुए की खाल जब्त की थी और इस मामले के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को पकड़ा था।

एसवाईएल नहर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

पंजाब और हरियाणा को केंद्र के साथ सहयोग करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा सरकारों को निर्देश दिया कि वे सतलुज-यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद को सुलझाने के लिए केंद्र सरकार के साथ सहयोग करें। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ को बताया गया कि इस मसले का समाधान आपसी बातचीत से निकालने के लिए उसने जरूरी कदम उठाए हैं। इसपर कोर्ट ने कहा कि हम दोनों राज्यों को निर्देश देते हैं कि वे केंद्र सरकार के साथ मिलकर समाधान निकालें। साथ ही सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि हमने मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन अब राज्यों को भी ईमानदारी से सहयोग करना होगा। बता दें कि अगर मामला 13 अगस्त तक नहीं सुलझता है, तो सुप्रीम कोर्ट फिर से सुनवाई करेगा।

क्या है सतलुज-यमुना लिंक नहर विवाद?

सतलुज-यमुना नहर का उद्देश्य रावी और ब्यास नदियों का पानी दोनों राज्यों में बराबर बांटना है। इस 214 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित नहर में से 122 किलोमीटर पंजाब में और 92 किलोमीटर हरियाणा में बननी थी। जहां हरियाणा ने अपनी ओर नहर का निर्माण पूरा कर लिया है, लेकिन पंजाब ने 1982 में काम शुरू करने के बाद बाद में इसे रोक दिया। गौरतलब है कि यह विवाद पिछले कई दशकों से चला आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2002 को हरियाणा के हक में फैसला सुनाते हुए पंजाब को अपनी सीमा में नहर बनाने का आदेश दिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: रास्ते भले परेशानियों से भरे होगा पर मंज़िल बहुत खूबसूरत होगी।

भट्टी ने केंद्र से तेलंगाना को अधिक सौर पंप सेट आवंटित करने का आग्रह किया

डिप्टी सीएम ने केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली/हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने केंद्र से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य तेलंगाना को बड़ी संख्या में सौर पंप सेट आवंटित करने का आग्रह किया। उपमुख्यमंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात की और केंद्रीय मंत्री से तेलंगाना की आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध करते हुए तीन प्रमुख ज्ञापन सौंपे।

उन्होंने केंद्र सरकार से कृषि क्षेत्र को बढ़ाने में राज्य सरकार के प्रयासों को और मजबूत करने का अनुरोध किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार वर्तमान और भविष्य की कृषि बिजली जरूरतों (जिसमें निर्बाध बिजली आपूर्ति भी शामिल है) के मद्देनजर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना लागू कर रही है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से तेलंगाना को उचित समर्थन और सहयोग देने का आग्रह किया, जो तेजी से प्रगति कर रहा है और देश भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन कर रहा है। भट्टी विक्रमार्क ने पीएम-कुसुम घटक-ए (500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की क्षमता) के तहत 4,000 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्रों के आवंटन का अनुरोध किया। उन्होंने आग्रह किया कि नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) पहले से तय पीएम-कुसुम घटक-ए के तहत तेलंगाना को 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक की क्षमता वाले 4,000 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र आवंटित करे।

उन्होंने मंत्री को बताया कि एमएनआरई की ईओआई (रुचि की अभिव्यक्ति) अवधि के दौरान समीक्षा के बाद इस आवंटन को संशोधित कर 4,000 मेगावाट से घटाकर 1,000 मेगावाट करने की खबरें थीं। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस तरह की कमी राज्य के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी और केंद्र से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में तेलंगाना की उपलब्धियों के मद्देनजर इस कदम पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने पीएम-कुसुम घटक-बी के तहत 1 लाख सौर पंप सेट आवंटित करने का भी आग्रह किया। राज्य में कृषि क्षेत्र को एक स्थायी सिंचाई समाधान प्रदान करने के लिए, भट्टी विक्रमार्क ने अनुरोध किया कि पीएम-कुसुम घटक-बी के तहत 1 लाख सौर पंप सेट आवंटित किए जाएं। उन्होंने उल्लेख किया कि इस परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही टीएसआरईडीसीओ के माध्यम से केंद्र सरकार को सौंपी जा चुकी है। आदिवासी कृषि क्षेत्रों में बिजली की लाइनें बिछाने पर वन कानूनों के तहत प्रतिबंध जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने इस संबंध में केंद्र से सहानुभूतिपूर्ण समर्थन मांगा।

भट्टी विक्रमार्क ने पीएम-कुसुम घटक-सी के तहत 2 लाख पंप सेट आवंटित करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से पीएम-कुसुम घटक-सी के तहत तेलंगाना को 2 लाख पंप सेट आवंटित करने का अनुरोध किया। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य में कृषि सिंचाई जरूरतों के लिए लाखों पंप सेट का उपयोग किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पारंपरिक बिजली क्षेत्र पर बोझ कम करने के लिए यह समर्थन आवश्यक है। भट्टी विक्रमार्क ने केंद्रीय मंत्री को याद दिलाया कि तेलंगाना ने देश में कृषि में सबसे अधिक वार्षिक विकास दर हासिल की है और अपने प्रभावशाली खाद्यान्न उत्पादन के कारण भारत का चावल का कटोरा बनकर उभरा है।

कांग्रेस पार्टी की कठिन समय में सेवा करने वालों को प्राथमिकता : जंगा राघव रेड्डी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ऑयल फेड कॉरपोरेशन के अध्यक्ष जंगा राघव रेड्डी ने स्थानीय विधायक गड्डाम विनोद के साथ मंचेरियल जिले के बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र में तंदूर मंडल कांग्रेस पार्टी के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक में भाग लिया। सबसे पहले, पिछड़ी जाति व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत करने वाले राहुल गांधी की तस्वीर पर दूध चढ़ाया गया। इस मौके पर पर जंगा राघव ने कहा कि बेल्लमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी नेताओं ने कहा कि वे मंडल और ग्राम शाखा अध्यक्ष पदों के लिए आवेदन स्वीकार करेंगे और उन लोगों को प्राथमिकता देंगे जिन्होंने 2017 तक कांग्रेस पार्टी के कठिन समय में पार्टी की सेवा की है और पार्टी नहीं बदली है। उन्होंने कहा कि इन आवेदनों की जांच टीपीसीसी के तत्वावधान में की जाएगी। इसी प्रकार, वे राज्य में कांग्रेस पार्टी की सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं तथा हमारे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे विकास कार्यक्रमों के बारे में लोगों को बताकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना चाहते हैं।

जगतियाल में नीट अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

जगतियाल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल मंडल के चेलगल में जंगा पुजिता (18) ने यह मानते हुए कि वह हाल ही में आयोजित एनईईटी परीक्षा में अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। ग्रामीणों के अनुसार, पूजिता ने अपने घर में छत से फांसी लगा ली। 2023 की परीक्षा में अच्छी रैंक पाने में विफल रही पूजिता ने लंबे समय तक नीट की कोचिंग की और हाल ही में आयोजित परीक्षा में शामिल हुई। हालांकि, यह सोचकर कि वह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएगी, वह परेशान थी और संदेह है कि उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

नीट में खराब प्रदर्शन से परेशान किशोर ने की आत्महत्या

आदिलाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिकल छात्र बनने की चाहत रखने वाले 19 वर्षीय एक युवक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह हाल ही में उत्नूर मंडल केंद्र में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने से परेशान था।

पुलिस ने बताया कि उत्नूर मंडल मुख्यालय के अंगड़ीबाजार निवासी शिक्षक गंगाधर के बेटे रॉय मनोज (19) ने फांसी लगाकर यह कदम उठाया क्योंकि वह यह सोचकर परेशान था कि उसका नीट में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उसे तुरंत उत्नूर के एक अस्पताल में ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनोज ने हैदराबाद के एक संस्थान में विशेष दीर्घकालिक कोचिंग ली थी। उसने सोमवार सुबह प्रवेश परीक्षा देने के बाद एक कुंजी पत्रक की मदद से अपने अंक जांचे। पुलिस ने बताया कि वह राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा में अपने प्रदर्शन से खुश नहीं था।

भाजपा नेता इटेला राजेंद्र ने की सीएम रेवंत रेड्डी के इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता इटेला राजेंद्र ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से इस्तीफा देने और चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। इटेला राजेंद्र ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप चीजों को संभाल नहीं सकते और सरकार नहीं चला सकते तो इस्तीफा दे दीजिए।

कोई और योग्य व्यक्ति कार्यभार संभालेगा और वादे पूरे करेगा। पूर्व वित्त मंत्री ने पूछा कि 2014 में तेलंगाना का अपना कर राजस्व 30,000 करोड़ रुपये था। पिछले 11 सालों में यह बढ़कर 1.30 करोड़ रुपये हो गया। क्या यह दिवालियापन है? इसी तरह, राज्य का वार्षिक बजट 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3 लाख करोड़ रुपये हो गया। क्या यह दिवालियापन है।

मुख्यमंत्री के बयानों से पूरा तेलंगाना शर्मसार हुआ है और राज्य की प्रतिष्ठा भी धूमिल हुई है। उन्होंने कहा कि इन बयानों से उनका बौद्धिक दिवालियापन साबित होता है और वे आदतन झूठ बोलने वाले हैं। उन्होंने लोगों से रेवंत रेड्डी के दावों की जांच करने और स्पष्टता प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विफलता के बावजूद अगर मुख्यमंत्री पद पर बने रहने पर अड़े रहे तो लोग उन्हें उचित समय पर सबक सिखाएंगे। तब तक वे मुख्यमंत्री को अपना नेता चुनने की गलती के लिए सहन करेंगे। भाजपा सांसद ने कर्मचारी यूनियनों और आरटीसी यूनियनों को हड़ताल की योजना की घोषणा करने के लिए चेतावनी देने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की।

राज्यपाल से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने का आग्रह

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ (ईबीसीडब्ल्यूए) ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक नीतियों की आवश्यकता पर अपील की। राज्यपाल को दिए ज्ञापन में एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि अगड़ी जाति के 90 प्रतिशत लोग आर्थिक रूप से संकटग्रस्त स्थिति में जी रहे हैं। आर्थिक संकट के कारण अगड़ी जातियों के कई छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं।

उन्होंने मांग की कि ईबीसी के सशक्तिकरण के लिए एक समर्पित ईबीसी कल्याण विभाग, ईबीसी निगम और विशेष मंत्रालय की स्थापना की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार को ईबीसी के कल्याण के लिए बजट में 10,000 करोड़ रुपये आवंटित करने चाहिए। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लिए चलाई जा रही सभी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को ईबीसी के लिए भी लागू किया जाना चाहिए। ईबीसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष वी रविंदर रेड्डी ने मांग की कि तेलंगाना विधानसभा को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को राष्ट्रीय ईबीसी निगम और ईबीसी कल्याण विभाग की स्थापना के लिए भेजना चाहिए।

सीबीएसई ने परीक्षा के परिणाम के बाद की गतिविधियों किया बदलाव

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं/12वीं कक्षा की परीक्षा के परिणाम के बाद की गतिविधियों के क्रम में बदलाव किया है। इस वर्ष, आवेदन प्रक्रिया में सबसे पहले मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करना, उसके बाद अंकों का सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन, या दोनों करना शामिल है। अब तक तीन-स्तरीय प्रक्रिया और रैखिक प्रणाली में अंकों का सत्यापन, मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करना और पुनर्मूल्यांकन शामिल था। पहले चरण के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार अगले चरण के लिए पात्र हो जाते हैं और इसी तरह आगे भी।

नई प्रणाली के लागू होने से विद्यार्थियों को पुनर्जांच से पहले अपनी मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं देखने की सुविधा मिलेगी, जिससे उन्हें दिए गए अंकों, विशिष्ट टिप्पणियों तथा हुई त्रुटियों के बारे में स्पष्टता मिलेगी। सीबीएसई ने कहा कि पहले चरण में मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार यह निर्णय ले सकता है कि उसे अंकों के सत्यापन का विकल्प चुनना है या नहीं, जिसमें अंकों या किसी भी बिना मूल्यांकित प्रश्नों को पोस्ट करना/कुल जोड़ना शामिल है, या पुनर्मूल्यांकन का विकल्प चुनना है, जिसमें उम्मीदवार किसी प्रश्न या उसके प्रश्नों के पुनर्मूल्यांकन का अनुरोध करता है।

अभ्यर्थी उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंकों के सत्यापन या पुनर्मूल्यांकन या दोनों के लिए आवेदन कर सकता है। वर्ष 2025 की परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों के लिए मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने, अंकों के सत्यापन या प्रश्नों के पुनर्मूल्यांकन अथवा दोनों के लिए आवेदन करने की विस्तृत रूपरेखा दसवीं/बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद जारी की जाएगी।

तेलंगाना आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कर्मचारियों द्वारा आहूत हड़ताल स्थगित कर दी गई है। यह निर्णय आरटीसी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर के बीच सफल वार्ता के बाद आया है। कर्मचारियों की चिंताओं के जवाब में, राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों : नवीन मित्तल, लोकेश कुमार और कृष्ण भास्कर की एक समिति गठित की है।

यह समिति विभिन्न मुद्दों के समाधान तलाशने के लिए कर्मचारी यूनियनों के साथ बातचीत करेगी और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने की उम्मीद है। मंत्री ने डिपो में आने वाली चुनौतियों और कर्मचारियों के कार्यभार और तनाव से संबंधित मुद्दों के संभावित समाधानों के बारे में जेएसी नेताओं के साथ चर्चा की। बताया जाता है कि लगभग तीन घंटे की चर्चा के दौरान आरटीसी विलय के विषय की गहन जांच की गई है। बाद में मीडिया से बात करते हुए आरटीसी जेएसी नेताओं ने कहा कि यह महज एक अस्थायी देरी है और हड़ताल के बारे में निर्णय राज्य सरकार ने इस उम्मीद के साथ टाल दिया है कि एक निश्चित समय सीमा के भीतर उनकी चिंताओं का समाधान किया जाएगा।

हमने सरकार से नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा है। सरकार ने निजी इलेक्ट्रिक बसों के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की कि यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय लागू किए जाएंगे कि सरकार खुद इलेक्ट्रिक बसें खरीद कर आरटीसी को उपलब्ध कराए। सरकार ने अनुकंपा नियुक्तियों के अनुरोधों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखाई है। हमने प्रस्ताव दिया है कि सिंगरेनी में अभ्यास के समान अनुकंपा नियुक्तियां नियमित रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बकाया भुगतान और वेतन के समायोजन के बारे में भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। आरटीसी यूनियन के नेताओं ने उल्लेख किया कि उन्होंने देश में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हड़ताल को कुछ समय के लिए टालने का विकल्प चुना था, ताकि सरकार को उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए कुछ समय मिल सके। जेएसी नेताओं ने स्पष्ट किया, यदि हमारे मुद्दे हल नहीं हुए, तो हम निश्चित रूप से फिर से हड़ताल की तारीख की घोषणा करेंगे। यह केवल एक अस्थायी स्थगन है।

कांग्रेस सरकार ने कर्मचारी यूनियनों के साथ विचार-विमर्श के लिए गठित की तीन सदस्यीय समिति

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारी संघों द्वारा हड़ताल की योजना की घोषणा के बाद, राज्य सरकार ने मंगलवार को कर्मचारी संघों के लंबे समय से लंबित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तीन सदस्यीय अधिकारी समिति का गठन किया। समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी चर्चा पूरी कर सरकार को रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने पिछले साल उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप समिति गठित की थी। हालांकि, कर्मचारी यूनियनों ने आरोप लगाया कि कैबिनेट उप समिति ने उनके साथ एक भी बैठक नहीं की। इसी के तहत उन्होंने रविवार को अपनी हड़ताल की योजना की घोषणा की थी। कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार ने राजस्व प्रमुख सचिव नवीन मित्तल की अध्यक्षता में अधिकारी समिति का गठन किया है। पीआरआरडी सचिव लोकेश कुमार और टीजीट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर इस समिति के सदस्य हैं। इसे कल्याणकारी उपायों और शिकायतों पर मान्यता प्राप्त कर्मचारी संघों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करने का निर्देश दिया गया है। समिति को संघों द्वारा उठाए गए लंबित मुद्दों की पहचान, वर्गीकरण और जांच करने और सरकार को विशिष्ट और व्यवहार्य सिफारिशों के साथ एक समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-SrDME-WAT-309-2025

कार्य का नाम : 03 वर्षों की समयावधि के लिए श्रीकाकुलम रोड एवं नौपाड़ा स्टेशन की यन्त्रीकृत एवं मैनुअल सफाई और हाउसकीपिंग जिसमें कुड़ा उठाना, कीट एवं कृंतक नियंत्रण, और दैनिक कचरे का संग्रहण एवं मनोनीत नगरपालिका डंपिंग ग्राउंड में निपटान शामिल हैं।

कार्य का अनुमानित लागत : ₹ 2,43,93,080/-, EMD : ₹ 2,72,000/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹11,800/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 03 (तीन) वर्ष।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 23.05.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

सीनियर डिवीजनल मैकेनिकल इंजीनियर / वाल्टियर

PR-96/Q/25-26

खम्मम में किसानों ने किया विरोध प्रदर्शन

अधिकारियों से धान खरीद में की तेजी लाने की मांग

खम्मम, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव के अपने जिले खम्मम में धान किसान अधिकारियों की लापरवाही और मिल मालिकों के शोषण के कारण परेशानी का सामना कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर उतरने को मजबूर होना पड़ रहा है। किसानों और किसान संघ के नेताओं के एक बड़े समूह ने कल्लूर में खम्मम-कोत्तागुडेम मुख्य मार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों से खरीद केंद्रों पर लाए गए धान को तुरंत खरीदने की मांग की। कल्लूर मंडल के पुल्लैया बंजर के किसानों ने शिकायत की कि खरीद केंद्रों पर उपज तौलते समय बर्बादी (तारुगु) के बहाने बड़ी मात्रा में धान काटा गया।

उन्होंने आईकेपी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए नारे लगाए।

किसानों के विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों को रोक दिया गया। स्थानीय पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसानों को अपनी शिकायत कल्लूर राजस्व प्रभागीय अधिकारी के पास ले जाने के लिए राजी किया। खम्मम-कोत्तागुडेम रोड पर इसी तरह के विरोध प्रदर्शन में किसानों ने सीपीआई (एम) रैतु संघम के तत्वावधान में सुजाता नगर मंडल मुख्यालय पर धरना दिया। उन्होंने सरकार से अविलंब सभी धान क्रय केंद्रों पर धान खरीद शुरू करने की मांग की। तेलंगाना रैतु संगम के जिला सचिव बोंथु रामबाबू ने शिकायत की कि खम्मम जिले में तीन मंत्री होने के बावजूद धान किसानों की शिकायतों का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने किसानों के लाभ के लिए धान की खरीद में तेजी लाने की मांग की। पिछले 20 दिनों से किसानों के लिए धान की फसल का ढेर लगाने के बाद खरीद केंद्रों पर अधिकारियों के आने का इंतजार करना आम बात हो गई है।

उन्होंने कहा कि बोरियों की कमी के कारण धान की तौल समय पर नहीं हो पा रही है। दूसरी ओर, बेमौसम बारिश ने किसानों को परेशान कर रखा है। मिलर्स इस स्थिति का फायदा उठाकर प्रति क्विंटल 5 से 10 किलो धान बर्बाद कर रहे हैं, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। जिला के मंत्रियों को धान खरीद में तेजी लाने के लिए कदम उठाने चाहिए, ऐसा रामबाबू ने मांग की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NAGA LAKSHMI, W/O: EX NK/MT GUMADALA VENKATESWARLU , R/O. 6-9/145, PLOT NO.44C, 49/A, SRINIVAS NAGAR, DAMMAIGUDA, NAGARAM, KEESARA, MEDCHAL MALKAJGIRI , TELANGANA- 500083 HAVE CHANGED MY NAME FROM NAGA LAKSHMI TO GUMADALA NAGA LAKSHMI VIDE AFFIDAVIT DT.06-05-2025 SIGNED BY P RAVEENDRANATH, ADV & NOTARY

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केटीआर ने केसीआर के अपमान पर कड़े जवाब की दी चेतावनी

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस नेताओं को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेलंगाना या पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का अपमान किया गया तो उनकी पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि हमने व्यक्तिगत आलोचना को बर्दाश्त किया। लेकिन अगर कोई तेलंगाना को कोसता है या हमारे नेता का अपमान करता है, तो हम उसकी जीभ काट देंगे। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए रामाराव ने कहा कि शासन करना उतना आसान नहीं है जितना लगता है। उन्होंने कहा कि जब तेलंगाना का राजस्व घट रहा था, तब मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों ने प्रस्तावित चौथे शहर के पास करीब 2,000 एकड़ जमीन हासिल कर ली थी। उन्होंने मुख्यमंत्री के परिवार द्वारा कम समय में अर्जित की गई संपत्ति का सूत्र जानना चाहा।

उन्होंने मांग की कि रेवंत रेड्डी का परिवार अमीर होता जा रहा है, जबकि राज्य गरीब होता जा रहा है। उन्हें लोगों को इसका नुस्खा समझाना चाहिए।

साइबर क्राइम डीसीपी श्रीबाला यूएन मिशन में प्रतिनियुक्त

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद साइबर क्राइम डीसीपी बी. श्रीबाला को साइबर कानून प्रवर्तन में उनकी उत्कृष्ट सेवा के सम्मान में एक साल के लिए दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में प्रतिनियुक्त किया गया है। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने साइबर धोखाधड़ी, वित्तीय घोटाले और ऑनलाइन उत्पीड़न को लक्षित करने वाले कई प्रमुख अभियानों का नेतृत्व किया, साथ ही छात्रों, पेशेवरों और आम जनता के बीच साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रभावशाली डिजिटल साक्षरता अभियान भी शुरू किए।

उनकी सक्रिय पहल और नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है और उनकी प्रतिनियुक्ति तेलंगाना पुलिस और राष्ट्र के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने अन्य वरिष्ठ डीसीपी के साथ उन्हें प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय असाइनमेंट के लिए बधाई देते हुए भव्य विदाई दी। उनकी सेवा और नेतृत्व की व्यापक रूप से सराहना की गई है। कार्यक्रम में में डीसीपी क्राइम एल.सी. नाइक, ईओडब्ल्यू डीसीपी के. प्रसाद, डीसीपी स्पेशल ब्रांच साई श्री, महिला एवं बाल सुरक्षा विंग (डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू) डीसीपी सृजना कर्णम, मेडचल एसओटी डीसीपी श्रीनिवास, माधापुर एसओटी डीसीपी शोभन कुमार, साइबर अपराध एडीसीपी चंद्रकांत और कई अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

BEFORE THE ARBITRAL TRIBUNAL

ARBITRATION APPLICATION No. 294 OF 2024

Between :

Sri Sudhir Shah S/o. Sri Madan Mohan Das, ... Petitioner
Aged about : 61 years, Occ. : Business,
R/o. H.No.4-6-464, Esamiya Bazar, Kothi, Hyderabad - 500 027 (T.S.)

AND

1. M/s. Sahiti Constructions and another ... Respondents

To,

1. **M/s. Sahiti Constructions,**
Principal Place of Business at Plot No.1222,
8-2-293/82/A/1222/F4, Fourth Floor, Road No.36,
Jubilee Hills, Hyderabad - 500 033,
Rep. by its Partner Smt. B. Parvathi
W/o. Sri B. Lakshmi Narayana, Hyderabad - 500 081.

2. **M/s. Shalimar Super Retail Private Limited,**
Office at 15-1-503/A/9, Ashok Market,
Siddiamber Bazar, Hyderabad
Rep. by its Director Sri Kamal Kumar Jain,
S/o. Late Vijay Kumar Jain, Aged about : 49 Years
Occ. : Business, R/o. 8-2-293/82/A/688, Road No.33,
Jubilee Hills, Hyderabad ... Respondents

Please take Notice that the above Arbitration Application is filed by the applicant herein against both of you in respect of below mentioned schedule property and notices sent to both of you through RPAD and inspite of service of notices through RPAD both of you miserably failed to appear before Hon'ble Arbitrator Tribunal.

Now the above matter is stand posted to 26-5-2025 at 11.00 am before Hon'ble Arbitrator Tribunal, Co-working-Oyster Complex, Begumpet, Third Floor, Oyster Complex, Green Lands Road, Somajiguda, Begumpet, Hyderabad-16 for your appearance either in person or through your counsel on the aforesaid date and time, failing which the matter will be decided as per law.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that the semi-finished Flat No.505 in 5th Floor of in "Sahiti's Kruthi Blossoms" with built-up area of 2410 sq.feetinclusive of common areas along with 2 car parking along with undivided share of land in extent of 57 sq.yards plot No. 22-C& 23-C, 30B/114 and 30 C/24C situated at Sy.No's 78, 80 to 84 of Patrika Nagar, Madhapur village, Sherilingampally mandal, R.R.District, T.S., and bounded by:

BOUNDARIES OF THE LAND

North - Plot No.63 and 126/A South - Neighbours plots/Land
East - Road West - Road

BOUNDARIES OF THE FLAT NO.505 IN 5TH FLOOR

North - Open to sky South - Open to sky
East - Common corridor West - Open to sky

// By the Order of Hon'ble Arbitral Tribunal //

ASHOK KUMAR AGARWAL
Mrs. KHUSHBOO AGARWAL, Mrs. A. HARINI
ADVOCATES
Office : 21-7-588 & 588/4/A, Kokarwadi, Ghansi Bazar, Hyderabad
Ph. : 9849224518

अफसरों के तबादले के लिए अब मंत्री जी की लेनी पड़ेगी परमिशन

> योगी सरकार ने 11 प्रस्तावों को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में कैबिनेट ने 11 अहम प्रस्तावों पर अपनी सहमति दी। इन प्रस्तावों में नई तबादला नीति, अडानी पावर लिमिटेड से बिजली खरीदने का समझौता, शहरों में नई पार्किंग नीति और स्टेट कैरिज बस अड्डा नीति जैसे कई महत्वपूर्ण फैसले शामिल हैं। मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक नई तबादला नीति को मंजूरी देना है। इसके अनुसार, राज्य कर्मचारियों के तबादले 15 मई से 15 जून तक किए जाएंगे। विभागाध्यक्ष, मंत्री की अनुमति से तबादले कर सकेंगे। इसका मतलब है कि अब अधिकारियों को तबादले करने के लिए मंत्री से परमिशन लेनी होगी। गौरतलब है कि प्रदेश में लगभग सात लाख राज्य कर्मचारी हैं।

अडानी से बिजली खरीदेगी सरकार

इसके अलावा, सरकार ने यूपी अडानी पावर लिमिटेड से बिजली खरीदने का फैसला किया है। सरकार 5.383 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदेगी। इससे अगले 25 सालों में 2958 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है।

पीपीपी मॉडल पर पार्किंग

शहरों में पार्किंग की समस्या को दूर करने के लिए नई पार्किंग नीति को भी मंजूरी दी गई है। इस नीति के तहत पीपीपी मॉडल (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) पर पार्किंग बनाई जाएगी। लोग मल्टीलेवल पार्किंग के साथ अपनी जमीन पर भी पार्किंग बना सकेंगे। पहले चरण में यह सुविधा 17 नगर निगमों में शुरू की जाएगी। पार्किंग का लाइसेंस पांच साल के लिए दिया जाएगा. पार्किंग स्थल पर ही इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग और गाड़ी सफाई की व्यवस्था भी होगी. पार्किंग का किराया नगर निगम ही तय करेगा. इसके लिए नौ सदस्यों की एक कमेटी बनाई जाएगी।

बैठक में लिए गए अहम फैसले इस प्रकार हैं

राज्य कर्मियों की तबादला नीति को मंजूरी। इसके तहत 15 मई से 15 जून तक तबादले होंगे। विभागाध्यक्ष मंत्री की अनुमति से तबादला कर सकेंगे। प्रदेश में सात लाख के करीब राज्य कर्मचारी हैं। शहरों में नई पार्किंग नीति को मंजूरी। पीपीपी मॉडल पर पार्किंग बनेगी। मल्टीलेवल पार्किंग के साथ अपनी भूमि पर भी पार्किंग बना सकेंगे। पहले चरण में 17 नगर निगमों में यह सुविधा होगी। पार्किंग स्थल पर ही ई-चार्जिंग के साथ गाड़ी सफाई की भी व्यवस्था होगी। किराया नगर निगम ही तय करेंगे। इसके लिए नौ सदस्सीय कमेटी होगी।

राज्य कर विभाग का दर्जा व्यवसायिक से बदलकर सेवारत विभाग किया गया। इससे कार्यालय भवन बनाने के लिए भूमि मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

यूपी अडानी पावर लिमिटेड से बिजली खरीदेगा। 5.383 रुपये प्रति यूनिट बिजली ली जाएगी। 25 साल में 2958 करोड़ रुपये की बचत होगी।

परिवहन विभाग- उत्तरप्रदेश स्टेट कैरिज बस अड्डा, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज व ऑल इंडिया टूरिस्ट बस पार्क (स्थापना व विनियमन) नीति 2025 प्रस्ताव को मंजूरी।

10 और आईपीएस अफसरों के तबादले

आईजी सुरक्षा उपेंद्र अग्रवाल को मिली लखनऊ रेंज की कमान

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मंगलवार की सुबह 10 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए। आईजी सुरक्षा उपेंद्र अग्रवाल को लखनऊ रेंज की कमान सौंपी गई है। लखनऊ के आईजी रेंज प्रशांत कुमार द्वितीय को डीजीपी मुख्यालय में एडीजी प्रशासन बनाया गया है। इससे पहले सोमवार की आधी रात शासन ने 14 आईपीएस अफसरों के तबादले किए थे।

नीरा रावत के पास अभी तक अपर पुलिस महानिदेशक, यू०पी० 112, लखनऊ के साथ अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी थी। अब उनके पास अपर पुलिस महानिदेशक, यू.पी. 112, लखनऊ की जिम्मेदारी रहेगी। प्रशान्त कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र से अपर पुलिस महानिदेशक, (प्रशासन) मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र की जिम्मेदारी मिली है।

नारी वंदना का ढोंग रचने वाले नेताओं की सोच महिला विरोधी : अखिलेश यादव

लखनऊ, 6 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महिलाओं को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले ही भाजपा के पूर्व रूप का 'चाल, चरित्र और चेहरा' ऐसा नहीं था कि वह सामने आकर मुंह दिखा सके, क्योंकि वे ऐसे काम, वारदात और साजिश-षड्यंत्र करते थे, जो देशभक्ति, नैतिकता और सामाजिकता के पैमाने पर नकारात्मक और अपराधात्मक माने जाते थे। इसलिए इनकी गतिविधियां हमेशा भूमिगत रहकर मुखबिरी के रूप में ही दबे-छिपे चलती रहीं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा, भाजपा ने कई बार रूप बदला, जिससे ये पहचाने न जा सकें। यही परंपरा आज भी जारी है। जब इनके समर्थक पीठ पीछे से कई अनाम नाम रखकर अपनी भूमिगत नकारात्मक भूमिका निभाते हैं और उनका विरोध करते हैं, जो इनकी सत्ता के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा कि मूल रूप से भाजपाई और उनके संगी-साथी, वे लोग रहे हैं, जो सत्ता पर परंपरागत रूप से अपनों को काबिज करवाए रखना चाहते थे। इसलिए राजनीति और अर्थव्यवस्था पर जिन लोगों का सदियों से वर्चस्व रहा है, उन लोगों ने परदे के पीछे से भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों का हमेशा से 'बल-धन' और 'धन-बल' से साथ दिया। भाजपाइयों ने कभी नहीं चाहा कि कोई और वर्ग या तबका राजनीतिक और आर्थिक रूप से शक्तिशाली हो। इसके साथ ही भाजपाइयों ने कभी ये भी नहीं चाहा कि जनता के अधिकार की बात हो। इसलिए ये जनता को शक्ति देने वाले संविधान के भी विरोधी रहे।

सपा मुखिया ने कहा, भाजपाई 'जिसकी शक्ति, उसके अधिकार' की रूढ़िवादी सोच के लोग हैं, इसलिए सामाजिक क्षेत्र तक में ये शोषित, दमित, वंचित, पीड़ित के साथ-साथ महिलाओं को भी हमेशा हेय दृष्टि से देखते हैं। पुरुषवादी सामंती सोच आज भी नारी को मान, सम्मान या अभिव्यक्ति की आजादी नहीं देना चाहती है।

कार-बाइक की भीषण भिड़ंत चार दोस्तों समेत छह की मौत

शाहजहांपुर, 6 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के मदनापुर थाना क्षेत्र में इको कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार चार युवकों की मौत हुई है।

ये चारों दोस्त बताए गए हैं। वहीं, इको कार में सवार दो लोगों की जान गई है। हादसा सोमवार रात करीब 11 बजे हुआ। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

टक्कर के बाद बाइक में लगी आग जानकारी के मुताबिक मदनापुर थाना क्षेत्र में काबिलपुर गांव के सामने पेट्रोल पंप से थोड़ा पहले सोमवार की रात करीब 11 बजे बरेली की ओर जा रही बाइक और मदनापुर की ओर से इको कार आमने-सामने टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण था कि बाइक में आग लग गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे में इन लोगों की हुई मौत

हादसे में इको कार में सवार बरेली के फरीदपुर के गांव करनपुर के रहने वाले सुधीर (40 वर्ष) और सोनू (18) की मौत हो गई। बाइक पर सवार तिलहर के नजरपुर कस्बे के रहने वाले रवि (20 वर्ष), आकाश (20 वर्ष), दिनेश (19 वर्ष) और अभिषेक (19 वर्ष) की मौत हो गई। ये सभी शादी समारोह से लौट रहे थे। राहगीरों ने दी पुलिस को सूचना हादसा देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे के शिकार लोगों को सीएचसी फिर राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा। वहां से मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। सूचना पाकर परिजन भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए। हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

एसपी राजेश द्विवेदी ने मंगलवार सुबह मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। एसपी ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। चार लोगों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दहेज केस में सुलह के बाद महिला की पीट-पीट कर हत्या, सभी आरोपी फरार

सासाराम, 6 मई (एजेंसियां)। रोहतास जिले में एक विवाहिता द्वारा ससुराल वालों के साथ दहेज केस में सुलह के बाद उसकी हत्या का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मृतका के परिजनों ने इस बार ससुराल वालों पर दहेज को लेकर पीट-पीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना जिले के करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत जगदतपुर गांव की बताई जाती है। मामले में मृतका के पिता बिहारी नोनिया ने बताया कि बीते सोमवार को बेटी ने फोन कर सूचना दी कि उसे कमरे में बंद कर ससुराल वालों द्वारा पीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सूचना पाकर तत्काल बेटी के ससुराल पहुंचा तो देखा कि वह बेहोशी की हालत में कमरे में पड़ी हुई है, जिसके बाद इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

पल भर में छिन गई आठ जिंदगियां

गांव में शादी की खुशी मातम में बदली, सीएम ने जताया दु:ख

कटिहार, 6 मई (एजेंसियां)। बिहार में मंगलवार की सुबह अमंगल के साथ शुरू हुई। घर में शादी की ख़ुशी एक मिनट में मातम में तब्दील हो गया। कटिहार में भीषण सड़क हादसे में 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घटना कटिहार जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र के चांदपुर हनुमान मंदिर के पास की है। इस घटना में टुनटुन कुमार, ज्योतिष कुमार, प्रिंस कुमार, अजय कुमार, सिक्कू कुमार सहित तीन अन्य लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

स्कॉर्पियो में सवार थे 10 लोग

घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ढिबरा बाजार बड़हरा कोठी जिला पूर्णिया से स्कॉर्पियो पर 10 व्यक्ति सवार होकर बारात के लिए कुर्सेला के पास कोशकीपुर जा रहे थे। तभी चांदपुर पश्चिमी पंचायत के चांदपुर चौक के समीप सड़क पर खड़े मक्का लदे ट्रैक्टर और बिखरे मक्का के कारण स्कॉर्पियो अचानक अनियंत्रित हो गया और ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई। इस भयंकर टक्कर में आठ लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना में दो लोग घायल हो गये। घटना होते ही स्थानीय लोग दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे और आननफानन में सभी घायलों को समेली स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उनकी गंभीर होने के कारण दोनों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है।

स्थानीय लोगों ने तत्परता से की मदद

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि का कहना है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश में जुट गये।

फिर लोगों ने पुलिस को फोन किया और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुँच गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में घायल हुये दो लोगों, जिनका इलाज पूर्णिया सदर अस्पताल में चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

'मैं परेशान हूं...', ट्यूटर ने आखिरी बार की कॉल

फिर कमरा नंबर 204 में नाबालिग प्रेमिका संग दी जान

अलीगढ़, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से सटे रोरावर इलाके के खेरेश्वर चौराहा स्थित होटल द रॉयल रेस्पाइट में शिक्षक ने नाबालिग प्रेमिका संग जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार सुबह से दोनों होटल में ठहरे हुए थे। शाम को उनकी आत्महत्या की खबर एक दोस्त के आने पर लगी। अब तक की जांच में आत्महत्या के पीछे प्रेम संबंध में परिवारों की बंदिश की बात निकल कर आ रही है।

शाम छह बजे पुलिस को डायल 112 पर सूचना मिली कि खेरेश्वर पुलिस चौकी के पास होटल में प्रेमी जोड़े के शव पड़े हैं। पुलिस ने युवक की पहचान 24 वर्षीय चंद्रभान निवासी ज्वालाजीपुरम बन्नादेवी व किशोरी की पहचान थाना बन्नादेवी क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी 14 वर्षीय नौवीं की छात्रा के रूप में की है। सूचना पर दोनों के परिजन भी आ गए।

गाजीपुर में सपा की बैठक : सपा विधायक का योगी सरकार पर हमला

बोले-युवाओं को नौकरी के लिए लाठीचार्ज का सामना करना पड़ रहा

गाजीपुर, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में समाजवादी पार्टी की सदर विधानसभा इकाई की बैठक हुई। इस बैठक में सपा नेताओं ने बीजेपी सरकार की नीतियों पर जमकर हमला बोला। बैठक की शुरुआत पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि और हमले की कड़ी निंदा के साथ हुई। सपा विधायक जय किशन साहू ने योगी सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं और नौकरी मांगने पर उन्हें लाठीचार्ज का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के वीडियो को लेकर भाजपा पर झूठी अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। साहू ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के राफेल विमान पर नींबू-मिर्ची वाले बयान को लेकर भी तंज कसा, जिसे पाकिस्तानी मीडिया ने प्रमुखता से दिखाया। उन्होंने इसे भाजपा की झूठी अफवाह करार दिया।

राय के बयान के खिलाफ प्रचार

पाकिस्तानी चैनल ने राय के बयान को भारत के खिलाफ प्रचार के रूप में इस्तेमाल किया, जिसमें राफेल को खिलौना बताकर भारत की रक्षा क्षमताओं का मजाक उड़ाया गया। विधायक जय किशन साहू ने सरकारी इमारतों को गाय के गोबर से पेंट करने की योजना पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार के लोग पहले अपने घर गोबर से रंगवाएं, फिर जनता पर नीति थोपें। जय किशन साहू समाजवादी पार्टी के गाजीपुर सदर से विधायक हैं। 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा की संगीता बलवंत बिंद को हराया था। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष तहसीन अहमद ने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने और गलत नाम हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक को लेकर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव बताया कि यह एक रूटीन बैठक है। हर महीने की 5 तारीख को पार्टी स्तर पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की जाती है।

ज्वेलर्स का कातिल अमन मुठभेड़ में ढेर

आगरा, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की आगरा पुलिस ने ज्वेलर्स की हत्या और लूट कांड के आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया है। जबकि उसके भाई को पकड़ने की सूचना है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं, पुलिस जांच में जुटी है। मंगलवार सुबह बदमाश के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई। जानकारी के अनुसार, श्री बालाजी ज्वैलर्स के शोरूम में चार दिन पहले हुई सनसनीखेज लूट और हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मंगलवार सुबह सिकंदरा थाना इलाके में अंसल एपीआई के पास बदमाशों को घेर लिया। इस पर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इस पर एक बदमाश को गोली लग गई।

हापुड़ सहकारी गन्ना समिति के एकाउंटेंट पर 5 करोड़ के गबन का आरोप

डीएम ने दिया जांच का आदेश

हापुड़, 6 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से भ्रष्टाचार का बड़ा मामला सामने आया है। हापुड़ सहकारी गन्ना समिति के एकाउंटेंट पर करीब 5 करोड़ रुपये की गड़बड़ी करने का आरोप है। आरोप है कि एकाउंटेंट ने 130 वाउचर लगाकर आठ खातों में करीब पांच करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसमें सहकारी गन्ना समिति के सचिव और बैंक के कर्मचारियों की भूमिका को भी संदिग्ध माना जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले में एफआईआर कराने की भी बात सामने आ रही है। हापुड़ सहकारी गन्ना समिति के चेयरमैन कुणाल चौधरी ने बताया कि समिति के एकाउंटेंट भारत कश्यप बैंक में ट्रांजेक्शन काम देखते थे। किसानों को भुगतान को लेकर वही बैंक में वाउचर भेजा करते थे।

वह 25 अप्रैल से समिति में नहीं आए तो हमें शक हुआ। मिल से पेमेंट आने के बाद भी किसानों को भुगतान नहीं किया गया। बैंक में पता करने पर बताया गया कि खाते में बैलेंस कम है। इसकी जांच कराई गई।

एफआईआर का आश्वासन

चेयरमैन ने कहा कि बैंक में जाकर देखा तो एकाउंटेंट भारत कश्यप ने फर्जी वाउचर लगाकर काफी ट्रांजेक्शन अपने खातों में कर रखी थी। यह लगभग 5 करोड़ रुपये का घोटाला है। यह समिति का पैसा है। इस मामले में जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि जो भी आरोपी होंगे, उन पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। इस बीच 25 अप्रैल से ही लिपिक ने कार्यालय आना बंद कर दिया। उसका फोन भी बंद है। लिपिक की गुमशुदगी देहात थाने में दर्ज कराई गई है।

बिजली का करंट लगने से तीन लोगों की मौत

वाराणसी, 6 मई (एजेंसियां)। वाराणसी जिले में दर्दनाक हादसा सामने आया है। कैंट थाने के अर्दली बाजार चौकी अंतर्गत भोजूबीर सब्जी मंडी के पास एक घर में बिजली के करंट की चपेट में आने से एक- एक कर तीन लोगों की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, प्रीति जायसवाल (28) नहाने के बाद लोहे की तार से बने हेंगर पर कपड़ा फैलाने गई थी। इस बीच वाटर पंप (टुल्लू) का तार कहीं से लोहे के हेंगर के संपर्क में आ गया। अचानक बिजली का झटका लगने से प्रीति छटपटाने लगी। यह देख पति सोनू जायसवाल (30) भी पहुंचा।

बलिया में ओ लेवल परीक्षा में पैसा मांगने का मामला, छात्रों का प्रदर्शन

बलिया, 6 मई (एजेंसियां)। बलिया में ओ लेवल की प्रेक्टिकल परीक्षा में छात्रों से पैसे की मांग करने का मामला सामने आया है। छात्र-छात्राओं ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि उन्हें परीक्षा देने के लिए लगभग 5000 रुपये की नगद राशि हर परीक्षा के लिए जमा करने का दबाव डाला गया।

इसके बाद छात्रों ने इस संस्थान के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए जिलाधिकारी को एक पत्र सौंपा और उक्त सेंटर को ब्लैक लिस्टेड करने की अपील की। छात्रों का कहना है कि वे सभी डॉ. गणेशी प्रसाद सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बलिया से ओ लेवल कोर्स कर रहे थे, जिसे पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। छात्रों ने थ्योरी परीक्षा अपने बलबूते पर पास की थी, लेकिन जब प्रेक्टिकल परीक्षा की बात आई, तो उन्हें 60 किलोमीटर दूर स्थित एएमएस कंप्यूटर इंस्टिट्यूट, बेल्थरा रोड में परीक्षा देने के लिए भेजा गया। जबकि नियमों के अनुसार, होम सेंटर से पांच किलोमीटर के दायरे में ही कोई सेंटर प्रेक्टिकल परीक्षा के लिए चयनित किया जा सकता है।

छात्रों के अनुसार, जब वे इस सेंटर पर परीक्षा देने पहुंचे, तो सेंटर संचालक ने हर प्रेक्टिकल के लिए 5000 से 8000 रुपये की नगद राशि की मांग की। जो छात्र यह राशि जमा नहीं कर पाए, उन्हें धमकी दी गई कि उन्हें फेल कर दिया जाएगा, चाहे उनका प्रेक्टिकल प्रदर्शन कितना भी अच्छा क्यों न हो। छात्रों ने आरोप लगाया कि इस दबाव के कारण कुछ सामान्य श्रेणी के छात्रों ने पैसे जमा कर दिए, लेकिन अधिकांश पिछड़ा वर्ग के छात्रों के पास इतने पैसे नहीं थे, जिसके कारण उन्हें फेल कर दिया गया।

शाहनवाज हुसैन ने साधा अरशद मदनी पर निशाना, कहा- पाकिस्तान के लिए पानी ही नहीं, हवा भी बंद करेंगे

पटना, 6 मई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद के चीफ मौलाना अरशद मदनी के उस बयान पर निशाना साधा है, जिसमें उन्होंने सिंधु जल संधि निलंबित होने के बाद पाकिस्तान की वकालत करते हुए कहा था कि पानी रोकना ठीक नहीं है। मदनी के इस बयान पर शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अभी तो सिर्फ पानी रोका है, भारत आगे पाकिस्तान की हवा रोकेगा। मंगलवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान शाहनवाज हुसैन ने कहा कि मदनी के बयान की मैं निंदा करता हूं। यह बहुत ही आपत्तिजनक बयान है। पाकिस्तान खून-खराबा कर सकता है और हम उनका पानी भी नहीं रोक सकते। जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा दिए गए बयान से मुस्लिम समुदाय में भी गुस्सा है। पाकिस्तान ने जो हरकत की है, यह हमला सिर्फ भारत पर नहीं बल्कि, यहां के लोगों की रूह पर हमला था। जिस तरह से धर्म पूछकर हमारे लोगों को मारा गया। आतंकवादियों का एक ही मकसद था कि भारत में रहने वाले हिन्दू-मुसलमानों को बांटा जाए। लेकिन, देश एकसाथ खड़ा है और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जाएगा। लेकिन, मदनी कह रहे हैं कि अभी पाकिस्तान का पानी नहीं रोकना चाहिए। युद्ध नहीं होना चाहिए, और अमन-चैन शांति बनी रहनी चाहिए। क्या उन्होंने कभी आतंकवादियों का विरोध किया? यूपी कांग्रेस चीफ अजय राय की ओर से राफेल का मजाक बनाए जाने पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस देश के साथ खिलवाड़ कर रही है। पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को मारा गया।

पहलगाम आतंकी हमला खुफिया चूक

जिम्मेदार लोग पद से इस्तीफा दें- संजय राउत

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद शिवसेना (उद्धव ठाकरे) केंद्र सरकार के खिलाफ लगातार मुखर है। पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि पहलगाम के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनका कहना है कि देश को सुरक्षित रखना है तो अमित शाह को हटा दिया जाना चाहिए। संजय राउत ने कहा, "मैं पहले दिन से ही कह रहा हूं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा होना चाहिए क्योंकि यह इंटेलिजेंस के स्तर पर नाकामी है।" उन्होंने कहा, "पहली बात, अगर खुफिया एजेंसी ने पहले से जानकारी दे दी थी तो फिर वहां कोई सुरक्षा व्यवस्था क्यों नहीं की गई। ऐसे में इस चूक के लिए जिम्मेदार कौन है? गृह मंत्री अमित शाह हैं।"

अमित शाह अभी भी पद पर क्यों बरकार: राउत

अमित शाह को हटाने की मांग करते हुए शिवसेना नेता ने कहा, "तो सबसे पहले, अगर देश को सुरक्षित रखना है तो अमित शाह को हटाया जाना चाहिए। पुलवामा में भी यही हुआ था और पहलगाम में भी यही हुआ है।" उन्होंने सवाल करते हुए कहा, "ऐसे व्यक्ति को गृह मंत्री के पद पर क्यों बैठाया गया है? आखिर वो अभी भी पद पर क्यों बने हुए हैं? क्या रहस्य है, यह बताया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा, "यह महज खुफिया स्तर पर नाकामी की बात नहीं है, बल्कि यह भी है कि इंटेलिजेंस द्वारा चेतावनी देने के बाद भी कुछ नहीं किया गया। इसलिए गृह मंत्रालय और अमित शाह पूरी तरह से असफल रहे हैं।" उनका कहना है, "ऐसे व्यक्ति को देश के गृह मंत्री पद पर बनाए रखना और आंतरिक सुरक्षा को उनके हाथों में सौंपना, देश के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है।"

बैठक में शामिल नहीं होने की वताई ये वजह

इससे पहले भी उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना अमित शाह के इस्तीफे की मांग करती रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी ठाकरे की शिवसेना ने अमित शाह के इस्तीफे की मांग करने का फैसला किया था, लेकिन वह इसमें शामिल नहीं हुई, क्योंकि पार्टी का मानना था कि उसके इस रूख से अन्य विपक्षी दलों को असुविधा होगी। हालांकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को भेजे अपने पत्र में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के सांसद अरविंद सावंत ने 24 अप्रैल की सर्वदलीय बैठक में पार्टी के शामिल नहीं होने की वजह सावंत और संजय ने विधायी कार्यों के लिए यात्रा करना बताया था।

संजय राउत ने बताई असली वजह

हालांकि संजय राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार से जुड़े एक सवाल के जवाब में बैठक में शामिल नहीं होने का 'असली' वजह बताई। उन्होंने कहा, "मैंने उनसे (शरद पवार से) कहा कि अगर हम (शिवसेना-ठाकरे) सर्वदलीय बैठक में शामिल होते तो सबसे पहले गृह मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग करते। लेकिन इस वजह से आपकी (विपक्ष की) स्थिति असहज हो जाती, क्योंकि आप इस मसले पर सरकार का समर्थन कर रहे थे।"

राउत ने कहा, "सरकार का समर्थन करने का मतलब उसकी गलतियों का समर्थन करना नहीं होता है। आप सभी सरकार की तारीफ कर रहे थे, लेकिन गलतियों को नजरअंदाज करना हमारे स्वभाव में नहीं है।" इस बीच शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने रविवार को उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि वह यूरोप में छुट्टियां मना रहे हैं, जबकि 'पहलगाम में गोलियां चल रही हैं।'

हिमाचल प्रदेश में तारपीन फैक्टरी में लगी भयंकर आग, कमरे में सोए दो कामगार जिंदा जले

सोलन, 6 मई (एजेंसियां)। रामशहर क्षेत्र की भियुंखरी स्थित एक तारपीन फैक्टरी पूरी तरह से जल गई। जिस समय फैक्टरी में आग लगी तो उस दौरान यह बंद थी। आग साथ लगते कामगारों को रिहायशी कमरों तक चली गई। जिससे एक कमरे में सोए दो कामगारों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। दोनों कामगार यूपी के जिला गोंडा के रहने वाले थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद उनका नालागढ़ में पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिए गए है। आग लगने के कारणों का कोई पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलते ही नालागढ़ के एसडीएम राज कुमार, डीएसपी भीष्म ठाकुर, रामशहर के नायब तहसीलदार राजेंद्र ठाकुर ने भी घटना स्थल का दौरा किया

पहलगाम हमले पर बोले ओवैसी

कश्मीर से टूटा पर्यटन का भरोसा; सर्वदलीय बैठक में कहा- हुकूमत दे मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

उन्होंने इसे एक कायरतापूर्ण हमला बताते हुए कहा कि यह न सिर्फ इंसानियत के खिलाफ है, बल्कि कश्मीर में पर्यटन पर भी असर पड़ा है। ओवैसी ने कहा हमने देखा है कि कैसे पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की जान ले ली। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि उन्होंने बच्चों और महिलाओं को अलग किया, पुरुषों से उनका धर्म पूछा और उन लोगों को मार डाला जो कलमा नहीं पढ़ सके। उनका कहना था कि देश के लिए यह बर्बरता एक गंभीर चेतावनी है और सरकार को इसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

ओवैसी ने ऑल पार्टी मीटिंग में भी इसे उठाया और सख्त कार्रवाई की सलाह दी है। ओवैसी ने पर्यटन पर असर की चिंता व्यक्त की और कहा कि ऐसी घटनाओं से कश्मीर की सुंदरता और पर्यटन उद्योग दोनों को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि पहलगाम जैसे शांत और सुंदर इलाके में इस तरह की हिंसा न केवल स्थानीय लोगों को डराती है, बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों का भरोसा भी तोड़ती है।

महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने पीएम मोदी को रूस में दिए गए बयान की याद क्यों दिलाई?

जम्मू , 6 मई (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती की बेटी इल्तिजा मुफ़्ती ने कहा कि जब भी युद्ध की बात होती है, तो जम्मू-कश्मीर के लोगों को बहुत तकलीफ़ होती है, क्योंकि हम एक सीमावर्ती राज्य हैं। हम ही हैं जो इसका खामियाज़ा भुगतेंगे और नुकसान भी उठाएंगे। उन्होंने कहा कि युद्ध कभी भी इसका समाधान नहीं है। पिछले साल जब प्रधानमंत्री मोदी रूस गए थे, तो उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि युद्ध का युग खत्म हो चुका है। मेरा मानना है कि अब उन शब्दों को याद करने का समय आ गया है। पीएम मोदी ने कहा था कि रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मेरे अच्छे संबंध हैं। मैं राष्ट्रपति पुतिन से कहता हूं कि ये यह युद्ध का समय नहीं है। मैं राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी मित्रवत तरीके से कहता हूं कि भाई, दुनिया में चाहे कितने भी लोग आपके साथ खड़े हों, युद्ध के मैदान में कभी कोई समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा था कि यूक्रेन अपने सहयोगियों के साथ अनगिनत चर्चाएं कर सकता है, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकलेगा। चर्चा में दोनों पक्षों को शामिल किया जाना चाहिए। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हम सभी यहां की स्थिति को समझते हैं। इसमें समय लगेगा। हमें इस पर गौर करना चाहिए, ताकि पहलगाम हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के हमारे प्रयासों से जम्मू एवं कश्मीर के निर्दोष लोगों पर कोई असर न पड़े। हमने अपनी यह चिंता उन तक पहुंचा दी है। कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कुलगाम में जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था, लेकिन सिर्फ कुलगाम ही नहीं, कश्मीर के अलग-अलग जगहों से गिरफ़्तारियों की ख़बरें आ रही हैं।

पंजाब को दहलाने की साजिश नाकाम

आरपीजी-आईईडी समेत विस्फोटकों का जखीरा बरामद, एसबीएस नगर के जंगलों से मिले विस्फोटक

चंडीगढ़, 6 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान आतंकियों की साजिश को नाकाम करते हुए अमृतसर स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल की ओर से विस्फोटक हथियार और सामग्री बरामद की है। यह सामग्री स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल और भारत सरकार की खुफिया एजेंसी की ओर से चलाए गए ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान बरामद हुई है। स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल की अमृतसर की टीम को सूचना मिली थी कि पाकिस्तान के आतंकियों की ओर से विस्फोटक सामग्री सीमा के इस पर भेजी गई है। इसी तहत स्पेशल सेल की टीम ने टिब्बा नंगल कूलर रोड एसबीएस नगर के जंगलों में स्पेशल अभियान चलाया और वहां से दो आरपीजी, दो इंप्रोवाइडेड एक्सप्लोसिव डिवाइस आईईडी, पांच पी -86 हैंड ग्रेनेड, एक वायरलेस कम्युनिकेशन सेट बरामद किया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से पंजाब के विभिन्न जिलों में अपने स्लीपर सेल को सक्रिय किया जा रहा है। ताकि पहलगाम की तरह पंजाब के अलग-अलग जिलों में आतंकी वारदातों को अंजाम दिया जा सके। फिलहाल स्पेशल सेल की टीम ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है, ताकि पता किया जा सके कि आईएसआई से संबंधित स्लीपर सेल कहां-कहां छुपे हुए हैं और किन वारदातों को अंजाम देने की फिराक में है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने एक्स पर जानकारी दी।

यादव ने कहा कि पीएस स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर में कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने और राज्य में आतंकी ढांचे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चलती ट्रेन से मंत्रीजी हो गए गायब! मच गई अफरा-तफरी, खोजते रहे सुरक्षाकर्मी

जबलपुर, 6 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में हैरान करने वाली घटना सामने आई। देर रात केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल उरांव अचानक ट्रेन से गायब हो गए, जिससे रेलवे स्टाफ और उनके सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया। मालूम हुआ कि ट्रेन में चढ़ते समय वह फिसलकर घायल हो गए, जिससे कुछ समय के लिए अफरातफरी मच गई। यह घटना दमोह रेलवे स्टेशन पर हुई, जब वे दिल्ली से जबलपुर आ रही गोंडवाना एक्सप्रेस में सवार होने की कोशिश कर रहे थे। चढ़ते वक्त मंत्री जुएल उरांव का पैर फिसल गया और वे ट्रेन में सवार नहीं हो सके। घटना करीब रात 3:30 बजे की है, जब मंत्री उरांव ट्रेन पकड़ने के प्रयास में थे। अचानक पैर फिसलने के कारण वे गिर पड़े और ट्रेन बिना उनके रवाना हो गई। उनके ट्रेन में न पहुंचने की सूचना मिलते ही स्टेशन स्टाफ और उनके सुरक्षाकर्मियों में हड़कंप मच गया। मंत्री के न मिलने पर उनके स्टाफ ने तुरंत स्टेशन परिसर और अन्य ट्रेनों में उनकी तलाश शुरू कर दी। काफी प्रयासों के बाद यह जानकारी मिली कि मंत्री उरांव ट्रेन में नहीं चढ़ सके थे और दमोह स्टेशन पर ही रह गए थे। इसके बाद उन्होंने संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के माध्यम से जबलपुर की यात्रा पूरी की। रविवार को जबलपुर पहुंचने पर उन्हें सर्किट हाउस ले जाया गया, जहां रेलवे के डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया।मंत्री के दोनों घुटनों में हल्की चोटें आई हैं, लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। मंत्री उरांव ने खुद हादसे को लेकर बयान देते हुए कहा, "घबराने की कोई बात नहीं है। केवल मामूली चोटें आई हैं और अब सब कुछ ठीक है।" उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और उन्हें पूरी तरह स्वस्थ बताया। यह घटना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और सुरक्षा कर्मचारियों के लिए एक चेतावनी की तरह है कि प्लेटफॉर्म पर सतर्कता और सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है, विशेषकर रात के समय। वहीं, मंत्री के कुशलता से जबलपुर पहुंचने पर उनके समर्थकों और प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं, पूरे मामले में भारत सरकार के केंद्रीय जनजातीय मंत्री ने बताया कि यह एक सामान्य दुर्घटना थी। उनके घुटनों में हल्की चोटें आई हैं, लेकिन अब वह बिल्कुल ठीक हैं। उन्होंने कहा कि सभी की चिंता और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। इस मामले में सीनियर डीसीएम मधुर वर्मा का कहना है कि रेल प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। फिलहाल मंत्री उरांव जबलपुर में इलाज के बाद अपनी गंतव्य के लिए रवाना हो गए थे।

जम्मू-कश्मीर: पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा से एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया

पुंछ, 6 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा से एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा गया है। आगे की जांच जारी है। ये जानकारी सेना के एक अधिकारी के हवाले से सामने आई है। ये पाकिस्तानी नागरिक ऐसे समय में पकड़ा गया है, जब जम्मू कश्मीर में एलओसी पर पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। बीती रात पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पार चौकियों से फायरिंग की थी।

5-6 मई की रात को, पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के आसपास के इलाकों में नियंत्रण रेखा के पार चौकियों से बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी पाक सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया।

बडगाम जिले में दो आतंकवादियों के सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया

इससे पहले खबर सामने आई थी कि जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में दो आतंकवादियों के सहयोगियों को हथियार और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ लगातार एक्शन लिया जा रहा है। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। श्रीनगर के बाहरी इलाके बुचपोरा कस्बे में नाका चेकिंग अभियान के दौरान आतंकवादियों के सहयोगियों को पकड़ा गया। सुरक्षा बलों ने उनके कब्जे से एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 15 जिंदा कारतूस बरामद किए। गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत एक्शन मोड में नजर आ रहा है। भारत के रुख को देखकर पाकिस्तान घबराया हुआ है और उसे भारत के हमले का खतरा नजर आ रहा है। इसीलिए पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है और एलओसी पर लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है। देखना ये होगा कि अब भारत क्या एक्शन लेता है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राहुल गांधी को हिंदू धर्म से किया बहिष्कृत; इस बयान पर जताया आक्रोश

बदरीनाथ, 6 मई (एजेंसियां)। ज्योतिष्पीठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हिंदू धर्म से बहिष्कृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले राहुल गांधी ने संसद में मनुस्मृति के बारे में गलत बयान दिया था, जिससे सनातन धर्मी आहत हैं। इस बारे में उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा था लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जिससे उनको हिंदू धर्म से बहिष्कृत किया जाता है। बदरीनाथ धाम में स्थित शंकराचार्य आश्रम में पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों की मर्यादा बनी रहनी चाहिए। कुछ लोग तीर्थ स्थलों पर अमर्यादित व्यवहार करते हैं, जिससे धामों की महत्ता के साथ श्रद्धालुओं की आस्था पर ठेस पहुंचती है। तीर्थाटन व पर्यटन में अंतर को समझना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि देवभूमि आने वाले हर श्रद्धालु के लिए दर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए।

गुजरात में बारिश से तबाही, 14 लोगों की मौत और 16 घायल; तीन दिन का रेड अलर्ट जारी

अहमदाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। गुजरात राज्य के अधिकांश हिस्सों में गरज और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। अचानक हुई बारिश के कारण राज्य भर में 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं 16 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। अगले 3 दिनों में राज्य के 75 प्रतिशत से अधिक हिस्से में व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाएं चल सकती हैं। 50 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। 4 इंच तक बारिश हो सकती है। 15 जिलों में बारिश के साथ ओलावृष्टि की भी संभावना है।

तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट

गुजरात में भारी बारिश के कारण पीला और नारंगी अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों में लगभग सर्वत्र वर्षा की स्थिति के बीच अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। इससे इस समय पड़ने वाली भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। गर्मियों के मध्य में मानसून जैसी स्थिति उत्पन्न होने से, बारिश का यह दौर सरकार और प्रशासन के लिए मानसून पूर्व मॉक ड्रिल का रूप ले सकता है। बेमौसम बारिश के कारण कल 14 लोगों की मौत हो गई। जिसमें वडोदरा में बिजली की तारें और इमारत का मलबा गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, अहमदाबाद में रिक्शा पर होर्डिंग गिरने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई और अरावली में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई।

अगले 3 दिनों तक राज्य में मौसम कैसा रहेगा?

गुजरात राज्य के 75 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में गरज के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलेंगी, कच्छ और बनासकांठा के कुछ इलाकों में बहुत तेज हवाएं चलेंगी और मेहसाणा, पाटन, साबरकांठा, मोरबी, सुरेन्द्रनगर, आणंद, भरूच और नर्मदा के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। कच्छ, उत्तरी गुजरात, राजकोट, मोरबी, सुरेंद्रनगर, आनंद, भरूच, नर्मदा, महिसागर, पंचमहल और दाहोद में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना है। 7 मई: राज्य के 75 प्रतिशत से अधिक हिस्से में तूफान आने की संभावना है। कच्छ, बनासकांठा, पाटन, साबरकांठा और सुरेन्द्रनगर के कुछ इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ भारी बारिश की संभावना है, जबकि शेष इलाकों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। 8 मई: राज्य के 75 प्रतिशत से अधिक हिस्से में भारी तूफान की संभावना। 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, साबरकांठा, अरावली, आनंद, अमरेली-भावनगर के कुछ इलाकों में भारी बारिश। शेष क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

फतेहपुर बेरी में हुई मुठभेड़ में बदमाश मनोज हथौड़ी घायल, स्पेशल स्टाफ ने पैर में मारी गोली

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में दिल्ली पुलिस के स्पेशल स्टाफ के साथ हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को गोली लगने की खबर आई है। मुठभेड़ में घायल हुए बदमाश की पहचान मनोज हथौड़ी के रूप में हुई है। घटना रात करीब 2 बजे की है। बदमाश अंबेडकर नगर का रहने वाला है। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी। एक अन्य खबर में, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पुलिस ने मुठभेड़ में गोली लगने से घायल एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी भी गोली लगने से जख्मी हो गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के अजीजगंज मोहल्ले में 28 अप्रैल को मामूली कहासुनी के बाद आरोपी शेरू ने अपने साथियों के साथ अखिलेश, कमलेश और जितेंद्र पर गोलियां चलाई थीं। गोली लगने से घायल कमलेश (40) की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। उसकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमों को तैनात किया गया था। उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि 3-4 मई की दरम्यानी रात करीब 1.10 बजे सूचना मिलने पर पुलिस ने बरेली मोड़ के पास जंगल के इलाके में शेरू (30) की घेराबंदी की थी। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था, लेकिन उसने ऐसा करने के बजाय पुलिस पर गोलियां चलाई, जिसमें बरेली मोड़ चौकी पर तैनात सिपाही दीपेंद्र चौधरी गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी शेरू के दोनों पैरों में गोली लगी। इसके बाद आरोपी और घायल पुलिसकर्मी को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

खूंखार नक्सली के ठिकाने 'केजीएच हिल्स' को ध्वस्त करने वाले कोबरा ग्राउंड कमांडर की जांबाजी, गंवाया पैर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश के सभी हिस्सों से माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। नतीजा, इस अभियान में सीआरपीएफ व इसकी विशेष विंग, 'कोबरा', जिसे जंगल वॉरफेयर में खासी महारत हासिल है, सहित कई दूसरे केंद्रीय एवं राज्यों के सुरक्षा बल लगे हुए हैं। पिछले कई दिनों से सीआरपीएफ कोबरा के जवान, टॉप नक्सली 'हिडमा' के ठिकाने 'केजीएच हिल्स' को ध्वस्त करने में लगे हैं। नक्सलियों ने 'केजीएच हिल्स' के चप्पे-चप्पे पर 'आईईडी' दबा रखी हैं। रविवार को कोबरा 204 बटालियन के जांबाज ग्राउंड कमांडर (सहायक कमांडेंट) सागर बोराडे, आईईडी विस्फोट में घायल एक जवान को बाहर निकाल रहे थे, तभी वहां एक दूसरा आईईडी ब्लास्ट हो गया। उसमें जांबाज ग्राउंड कमांडर, सागर बोराडे बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है। उनका एक पैर शरीर से अलग हो चुका है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। बता दें कि सहायक कमांडेंट सागर बोराडे ने इस अभियान में बेमिसाल साहस का प्रमाण दिया है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर केजीएच हिल्स में चल रहा नक्सल विरोधी अभियान, अभी तक का सबसे ज्यादा जोखिम वाला अभियान है। इस क्षेत्र को इसलिए भी अति संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि यहां पर टॉप नक्सली छिपते रहे हैं। सीआरपीएफ के नेतृत्व में दूसरे बलों ने अब छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में नक्सलियों की कमर पूरी तरह से तोड़ दी है। नक्सलियों की नई भर्ती, तकरीबन बंद हो चुकी है। भारी संख्या में नक्सली, सरेंडर कर रहे हैं। ऐसे में नक्सली, अब सुरक्षा बलों के साथ सीधी मुठभेड़ से बचने लगे हैं। वे अपने बचाव और सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल कर रहे हैं। बल के एक अधिकारी के अनुसार, जंगल में तकरीबन सभी जगहों पर आईईडी दबाई गई हैं। केजीएच हिल्स को ध्वस्त करने के बाद कोबरा दस्ता, सर्च ऑपरेशन कर रहा था। इस दस्ते को सहायक कमांडेंट बोराडे लीड कर रहे थे। वहां पर बल का एक जवान आईईडी की चपेट में आ गया था। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना घायल जवान को निकालने के लिए वे आगे आए। वह क्षेत्र, मोस्ट वांटेड नक्सलियों के छिपने का ठिकाना रहा था, ऐसे में उसके चारों तरफ आईईडी दबाई गई थी। घने जंगल से घायल जवान को निकालना किसी चुनौती से कम नहीं था। अपनी टीम की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए और असाधारण बहादुरी दिखाते हुए, बोराडे ने खुद घायल जवान की निकासी का प्रयास किया। इसी दौरान सहायक कमांडेंट बोराडे का पैर एक आईईडी पर पड़ गया। वहां बड़ा विस्फोट हुआ और बोराडे बुरी तरह जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत रायपुर स्थित अस्पताल में ले जाया गया। बाद में उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया है। ब्लास्ट में उनका बायां पैर शरीर से लगभग अलग हो चुका था।

अमरीन बनीं अनुष्का, निशात शेख अब मेघना, दो मुस्लिम युवतियों ने अपनाया सनातन धर्म, शादी की

खंडवा, 6 मई (एजेंसियां)। धर्म परिवर्तन और विवाह के एक अद्भुत प्रसंग में मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में 2 मुस्लिम युवतियों ने सनातन धर्म अपनाकर हिंदू युवकों से विवाह किया। यह विवाह खंडवा स्थित प्रसिद्ध महादेवगढ़ मंदिर में वैदिक रीति-रिवाजों से संपन्न हुआ, जहां दोनों ने 'घर वापसी' करते हुए नई धार्मिक और सामाजिक पहचान अपनाई। जानकारी के अनुसार, खंडवा जिले के ग्राम बेड़ियां की रहने वाली अमरीन खान ने हिंदू धर्म अपनाते हुए तलवड़िया के शुभम राजपूत से विवाह किया। धर्म परिवर्तन के बाद अब अमरीन का नाम 'अनुष्का' हो गया है।

वहीं, दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की रहने वाली निशात शेख ने भी सनातन धर्म अपनाया और छत्तीसगढ़ निवासी कमलजीत सिंह से विवाह कर 'मेघना' नाम धारण किया। महादेवगढ़ मंदिर में हुए विवाह समारोह में पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और हवन की विधि से दोनों जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।

इस दौरान अमरीन और निशात ने प्रायश्चित हवन करते हुए भगवान शिव का पूजन और अभिषेक किया तथा सनातन धर्म को पूर्ण आस्था के साथ स्वीकार किया। मेघना (पूर्व में निशात) ने विवाह के बाद कहा, "मुझे महादेवगढ़ में आकर विवाह करने की इच्छा थी। मैंने अपनी इच्छा से सनातन धर्म को स्वीकार किया है। हिन्दू रीति-रिवाजों और संस्कृति से मैं अत्यंत प्रभावित हूं। इस धर्म में स्त्रियों को बहुत सम्मान प्राप्त है। यहां राम हैं तो सीता भी हैं। अब मैं अपने जीवन साथी कमल के साथ 'मेघना' बनकर एक नई शुरुआत कर रही हूं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 7 मई – 2025

पाकिस्तान की नींद उडी

अंततः भारत का परम मित्र राष्ट्र रूस ही काम आया है। पहलगाम हमले के बाद जब उपद्रवी पाकिस्तान भारत में तनाव फैलाने के मकसद से सीमापर से आए दिन सीजफायर कर रहा है तो ऐसे में रूस ने भारत को दूसरा शक्तिशाली युद्धपोत देने की घोषणा की है। यह एक मल्टी-रोल स्टील्थ फ्रिगेट है, जिसमें हथियार और सेंसर लगे हैं। यह आईएनएस तुशील के बाद मिलेगा, जिसे पिछले साल दिसंबर में कमीशन किया गया था। पाकिस्तान से रिश्ते तल्ख होने के बाद भारत ने अरब सागर में लगातार अपनी नौसेना की ताकत दिखाई है। नौसेना और डीआरडीओ ने सोमवार को स्वदेशी रूप से विकसित पानी के भीतर 'मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन्स' का सफल परीक्षण किया। यह दुश्मन की पनडुब्बियों और स्टील्थ युद्धपोतों को नष्ट करने के लिए बनी है। यह प्रणाली भारतीय नौसेना की पानी के भीतर युद्ध क्षमताओं को और ताकत देगी। 3,900 टन का नया फ्रिगेट आईएनएस तमाला के रूप में कमीशन किया जाएगा। एक महीने में सभी महत्वपूर्ण परीक्षणों के पूरा होने के बाद यह भारतीय नौसेना को सौंपा जा सकता है। इसमें हथियारों की फायरिंग भी शामिल है। ये परीक्षण रूस के कलिनिनग्राद में होंगे। एक अधिकारी ने सोमवार को कहा, 'फ्रिगेट को फिर कमीशन किया जाएगा और भारत के लिए रवाना किया जाएगा। भारत ने अक्टूबर 2016 में रूस के साथ चार उन्नत क्रिवाक-III श्रेणी के फ्रिगेट के लिए एक समझौता किया था। पहले दो फ्रिगेट लगभग 8,000 करोड़ रुपये में आयात होने हैं। बाकी दो त्रिपुत और तवस्या गोवा शिपयार्ड में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के माध्यम से लगभग 13,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे हैं। 125 मीटर लंबा पहला फ्रिगेट आईएनएस तुशील 14 फरवरी को रूस से अपने होम पोर्ट कारवार पहुंचा था। ये चार नए युद्धपोत नौसेना में पहले से शामिल छह रूसी फ्रिगेटों में शामिल होंगे। इनमें तीन तलवार-श्रेणी और तीन तेग-श्रेणी के युद्धपोत हैं, जिन्हें 2003-2004 से शामिल किया गया था। ये फ्रिगेट हवा, सतह, पानी के नीचे और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक क्षेत्र में नेवल वॉर के लिए बनाए गए हैं। इनमें कई तरह के आधुनिक हथियार लगे हैं। इन हथियारों में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें भी शामिल हैं, जिनकी मारक क्षमता मूल 290 किलोमीटर से बढ़ाकर 450 किलोमीटर कर दी गई है। इनमें सतह-से-हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-सबमरीन टारपीडो और रॉकेट भी लगे हैं। ये फ्रिगेट 30 समुद्री मील से ज्यादा की गति हासिल करने में सक्षम हैं। ये उन्नत एंटी-सबमरीन और एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग हेलीकॉप्टर, कामोव-28 और कामोव-31 को भी ले जा सकते हैं। इसका मतलब है कि ये जहाज दुश्मन को आसानी से दिखाई नहीं देंगे, जिससे उन पर हमला करना मुश्किल होगा। भारतीय नौसेना पिछले कुछ दिनों से अरब सागर में लगातार सक्रिय है। हाल ही में उसने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें एक जंगी जहाज और एक पनडुब्बी के साथ-साथ एक हेलीकॉप्टर दिख रहा था। नौसेना की ओर से इसे 'नौसेना शक्ति का त्रिशूल' कहा गया। तस्वीर में विध्वंसक जहाज कोलकाता, ध्रुव एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और स्कॉर्पीन श्रेणी की पनडुब्बी भी दिखाई गई थी।

जल-भुन रहे पाकिस्तान के क्या चार टुकड़े होंगे?

सुरेश गांधी

आतंकवाद आज विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ा है। यह केवल एक सुरक्षा संकट नहीं, बल्कि मानवता के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह है। भारत लंबे समय से इस संकट का शिकार रहा है और बार-बार यह स्पष्ट हो चुका है कि इसके पीछे एक संगठित, संरक्षित और पोषित तंत्र कार्य कर रहा है जिसका केंद्र है पाकिस्तान। फिरहाल, भारत ही नहीं दुनिया के कोने-कोने से 'आतंक के खिलाफ सर्जिकल नहीं, अब सर्जरी की ज़रूरत, वाली आवाज उठने लगी है। लोगों का मानना है कि जब तक आतंक की जड़ें नहीं काटी जाएंगी, तब तक उसका फल हिंसा, अस्थिरता और भय, फिर-फिर सामने आता रहेगा। अमेरिका ने साफ कह दिया है कि बेगुनाहों का कत्ल करने जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ भारत जो भी एक्शन लेगा, उसमें वह भारत का साथ देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आतंकियों की 'मिट्टी में मिलाने' की चेतावनी तथा पीड़ितों को न्याय मिल कर रहेगा, जैसी टिप्पणियां सख्त रुख का संकेत हैं. पाकिस्तान को ऐसा सबक मिलना चाहिए कि वह फिर से ऐसी हिमाकत न कर सके, पर पाकिस्तान को नापाक मंसूबों में सफल हो जाने देने के लिए उत्तरदायी हमारे तंत्र की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए. बदलती भू-राजनीति में नैतिकता की शक्ति तभी प्रभावी है, जब वह सैन्य सामर्थ्य से समर्थित हो। भारत के लिए अब समय आ गया है कि वह अपनी सैन्य ताकत से जता दे कि वह आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को उनके ठिकानों में घुसकर दंडित करने का सामर्थ्य रखता है। यह आवश्यक नहीं कि पहलगाम हमले का प्रत्युत्तर एक व्यापक युद्ध हो। सीमित, लक्षित और रणनीतिक सैन्य कार्रवाइयों के जरिए भारत वह कठोर संदेश दे सकता है जो सिर्फ कूटनीतिक मंचों के माध्यम से नहीं दिया जा सकता। संदेश साफ हो कि अब 'छद्म युद्ध' की कीमत पाकिस्तान को पहले से कहीं अधिक चुकानी पड़ेगी। देखा जाएं तो मोदी ने पिछले कई दिनों से पाकिस्तानी फौज की नींद उड़ाई हुई है। वो नहीं जानते कि मोदी की मिसाइल कब कहां कहर बरपाएगी। मोदी की खामोशी पाकिस्तान की फौज का खौफ बन गई है। इससे पाकिस्तान के नेताओं को समझ नहीं आ रहा है कि अब क्या करें, क्या कहें, जिससे भारत के कहर से बचा जा सके। कोई एटम बम की धमकी दे रहा है, कोई पहलगाम जांच में सहयोग की पेशकश करके शान्ति का पैगाम भेज रहा है, कोई अपनी फौज को खामोश रहने को कह रहा है, कोई सिंधु नदी में पानी की जगह खून बहाने की धमकी दे रहा है। सब अपनी अपनी ढपली बजा रहे हैं। पाकिस्तान के नेता भारत की फौज की ताकत और काबलियत भी जानते हैं। लेकिन इस वक्त पाकिस्तान की हुकूमत और वहां की फौज को सबसे ज्यादा खौफ है, नरेन्द्र मोदी की खामोशी का, क्योंकि वो जानते हैं, ये खामोशी आने वाले तूफान से पहले का सन्नाटा हो सकती है। बता दें, पाकिस्तान, जो खुद को आतंक का शिकार बताता है, लेकिन सच्चाई यह है कि वही आतंक का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। एएसआई की छाया हो या जैश-ए-मोहम्मद के कैंप, लश्कर के सरगना हों या आतंकियों के लॉन्चिंग पैड सबके तार जुड़ते हैं पाकिस्तान से। भारत ने 2016 में उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक के ज़रिए यह स्पष्ट कर दिया कि वह आतंक का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। किंतु अब यह स्पष्ट हो गया है कि आतंक के खिलाफ केवल सर्जिकल स्ट्राइक पर्याप्त नहीं, बल्कि एक गहरी और निर्णायक सर्जरी की आवश्यकता है। क्येंकि पाकिस्तान ने वर्षों से आतंकवादियों को न केवल आश्रय दिया है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, आर्थिक सहायता और रणनीतिक समर्थन भी प्रदान किया है। जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों ने भारत के कश्मीर क्षेत्र में बार-बार आतंक का रक्तरंजित खेल खेला है। इनके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी एएसआई की संलिप्तता जगजाहिर है। इन संगठनों को केवल सीमाओं पर रोका नहीं जा सकता। यह आतंक एक बीमारी की तरह है जिसकी जड़ें पाकिस्तान की नीतियों, शिक्षा प्रणाली, धार्मिक कट्टरता और सैन्य प्रतिष्ठान में फैली हुई हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक हो गया है कि वह आतंकवाद के इस ढांचे के विरुद्ध सर्जरी करे. यानी आतंक की जड़ों को नष्ट करे। यहां जिक्र करना जरुरी है कि आज आतंक के विरुद्ध लड़ाई केवल गोली और बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती, बल्कि इसके लिए एक व्यापक, दीर्घकालिक और निर्णायक रणनीति की आवश्यकता है। पाकिस्तान को यह स्पष्ट संकेत देना होगा कि अब भारत केवल सीमित प्रतिक्रिया नहीं करेगा, बल्कि उसके आतंक के ढांचे की जड़ तक जाएगा। इसके लिए भारत को अपने कूटनीतिक प्रयासों को और सशक्त करना होगा ताकि पाकिस्तान को आतंक के पोषक के रूप में विश्व स्तर पर अलग-थलग किया जा सके। एफएटीए जैसे संगठनों के माध्यम से उस पर आर्थिक प्रतिबंधों का दबाव बढ़ाना होगा। भारत सिंधु जल संधि को रद्द करना भारत की बड़ी कार्रवाई का संकेत है. इससे पाकिस्तान की जल पर निर्भरता खत्म होगी। इसके अलावा भारत को पीओके में सक्रिय आतंकी शिविरों और उनकी संरचनाओं पर लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई करनी होगी, जिससे घुसपैठ को रोका जा सके। भारत को अपने युवाओं को कट्टरपंथ से बचाने और उन्हें राष्ट्रवादी सोच से जोड़ने के लिए शिक्षा और संवाद की नीति अपनानी होगी। पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क के डिजिटल कम्युनिकेशन, फंडिंग चैनल्स और प्रचार माध्यमों को साइबर तरीकों से निष्क्रिय करना होगा। हालांकि बलोच में छिड़े गृह युद्ध से शाहबाज की सिट्टी पिट्टी गुम है। कहा जा सकता है वहां सबकुछ ऐसा ही चलता रहा तो सिंध, गिलगित-बाल्टिस्तान जैसे क्षेत्र पाकिस्तान से अलग हो जाएंगे। 1947 में भारत के विभाजन के बाद अस्तित्व में आया पाकिस्तान अब खुद अपने भीतर टुकड़े-टुकड़े होता दिखाई दे रहा है। आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता, जातीय और क्षेत्रीय तनावों ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जिसमें देश की एकता और अखंडता गंभीर खतरे में नजर आ रही है। बलोचिस्तान, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान जैसे क्षेत्र लंबे समय से उपेक्षा और दमन का शिकार रहे हैं। अब ये क्षेत्र धीरे-धीरे अलग पहचान की मांग को लेकर मुखर हो रहे हैं। बलोचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग 44 फीसदी कवर करता है, लेकिन इसकी जनसंख्या मात्र 6 फीसदी है। इस क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनो, विशेष रूप से गैस, कोयला और तांबा की भरमार है, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन संसाधनों का लाभ केंद्र सरकार और पंजाब प्रांत को ही अधिक मिलता है। बलोच विद्रोह की शुरुआत 1948 में हुई थी जब पाकिस्तान ने बलोचिस्तान को जबरन अपने में मिला लिया। इसके बाद से अब तक 5 बार बड़े विद्रोह हो चुके हैं, जिनमें हजारों लोग मारे जा चुके हैं। ह्यूमन राइट्स वॉच और एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्टों के अनुसार, वहाँ से जबरन गायब किए गए नागरिकों की संख्या हजारों में है। बलोच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए जैसे संगठन अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान की आलोचना का कारण बन रहे हैं। सिंध पाकिस्तान का दूसरा बड़ा प्रांत है, जिसकी राजधानी कराची है. देश की आर्थिक धुरी सिंधी समुदाय लंबे समय से यह आरोप लगाता रहा है कि पंजाब प्रांत और सेना ने सत्ता और संसाधनों पर कब्जा कर रखा है। सिंधी राष्ट्रवादी दल जैसे जे एस एम क्यू एम, लगातार आत्मनिर्णय और संसाधनों के नियंत्रण की मांग करते आए हैं। 1970 और 1980 के दशकों में सिंध में भी कई बार विद्रोह के स्वर उठे, जिन्हें सैन्य बल से दबाया गया। गिलगित-बाल्टिस्तान, जिसे भारत अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और पाकिस्तान ने इसे विवादित क्षेत्र घोषित किया है, वहाँ के नागरिकों को आज तक पाकिस्तान का पूर्ण संवैधानिक नागरिक नहीं माना गया है। उन्हें पाकिस्तान की संसद में प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। पाकिस्तान सरकार ने इसे 2020 में अस्थायी प्रांत घोषित किया, लेकिन इससे स्थानीय लोग और नाराज़ हो गए।

कांग्रेस थरूर को शक की नजर से क्यों देखती है?

अजय कुमार

क्या कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर अपनी पार्टी से नाराज चल रहे हैं। यह सवाल इस लिये उठ रहा है क्योंकि थरूर कई बार पार्टी की लाइन से हटकर बयान दे रहे हैं। कांग्रेस में जब अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ थो तो भी शशि थरूर ने गांधी परिवार की नाराजगी की चिंता किये बिना कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ चुनाव मैदान में ताल ठोकी थी,यह बात गांधी परिवार को काफी बुरी थी लगी थी,इसी लिये कांग्रेस में थरूर को अब शक की नजर से देखा जाता है। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके रिश्ते कुछ ज्यादा ही मिठास भरे नजर आ रहे हैं। जब भी दोनों नेता कहीं मिलते हैं या लोकसभा में आमना-सामना होता है भी अक्सर प्रधानमंत्री मोदी इस दिग्गज कांग्रेस नेता को सम्बोधित करते नजर आते हैं। ऐसा ही कुछ केरल के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन के दौरान देखने को मिला जब जब सांसद शशि थरूर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ही मंच पर दिखाई दिए। दोनों ने एक-दूसरे गरम जोशी से स्वागत किया। इस दृश्य ने न केवल स्थानीय राजनीति को बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की नींदें उड़ा दीं। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी का व्यंग्यात्मक अंदाज़, दूसरी ओर थरूर की सहज आत्मीयता, इस पूरे प्रसंग को सामान्य शिष्टाचार से कहीं ज़्यादा बड़ा राजनीतिक संकेत बना गई। गौरतलब हो शशि थरूर कोई साधारण सांसद नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुभव, संयुक्त राष्ट्र में लंबी सेवा, शानदार वक्तृत्व कला और साहित्यिक पृष्ठभूमि उन्हें एक ऐसा राजनेता बनाती है जो भीड़ में अलग दिखते हैं। लेकिन कांग्रेस पार्टी के भीतर उनका व्यक्तित्व अक्सर असहजता पैदा करता रहा है। उनके स्पष्ट विचार, खुले मंचों पर सरकार की तारीफ और खुद को पार्टी लाइन से ऊपर रखने की प्रवृत्ति उन्हें अक्सर 'अपनों' के बीच ही अजनबी बना देती है। विझिंजम पोर्ट कार्यक्रम में उनकी मौजूदगी तो एक सांसद की भूमिका के तहत थी, लेकिन जिस तरह उन्होंने प्रधानमंत्री से गर्मजोशी से हाथ मिलाया, तस्वीरें साझा कीं और फिर सोशल मीडिया पर गर्व के साथ लिखा कि उन्हें इस परियोजना से शुरू से जुड़ने का सौभाग्य मिला है यह सब कुछ कांग्रेस को चुभने के लिए काफी था। राजनीति में जो चीजें नज़र आती हैं, वे उतनी महत्वपूर्ण नहीं होतीं, जितनी कि उनके पीछे छिपे संदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कला के उस्ताद हैं। मंच से उन्होंने व्यंग्य के लहजे में कहा कि यह आयोजन कई लोगों की नींद हराम कर देगा। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके संकेत स्पष्ट थे। राहुल गांधी, जो अक्सर प्रधानमंत्री की विदेश नीति और नेतृत्व शैली की कटु आलोचना करते हैं, वहीं उनके ही पार्टी सहयोगी थरूर मंच पर खड़े होकर इस ऐतिहासिक क्षण में प्रधानमंत्री का समर्थन करते दिखे। यह विरोधाभास कांग्रेस के लिए एक सियासी संकट बनता जा रहा है। शशि थरूर की प्रधानमंत्री मोदी के साथ बढ़ती श्सार्वजनिक नजदीकियोंश की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे रूस-यूक्रेन युद्ध के मसले पर भारत की नीति की सराहना कर चुके हैं। थरूर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने पहले इस नीति की आलोचना की थी लेकिन बाद में यह मानना पड़ा कि मोदी सरकार ने कूटनीतिक संतुलन बेहतरीन तरीके से साधा। उन्होंने यहां तक कहा कि जब प्रधानमंत्री ने दो सप्ताह के भीतर रूस और यूक्रेन दोनों के राष्ट्रपतियों से मुलाकात की और दोनों ने भारत को सम्मान दिया, तो वह क्षण गर्व का था।

सिख दंगों के लिए कांग्रेस को बार बार माफ़ी मांगनी पड़ी है

अशोक भाटिया

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों पर अमेरिका के ब्राउन यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस की गलतियों को स्वीकारते हुए कहा कि वे पार्टी के इतिहास में हुई हर गलती की जिम्मेदारी लेने को तैयार हैं, भले ही यह घटना उनके राजनीति में आने से पहले की हो। यह बयान उन्होंने वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में आयोजित एक सत्र के दौरान दिया, जब एक सिख युवक ने उनसे तीखे सवाल किए।सिख युवक ने राहुल गांधी से पूछा, आपने कहा था कि बीजेपी राज में सिखों को कड़ा पहनने और पगड़ी बांधने से रोका जा सकता है, लेकिन कांग्रेस ने खुद भी सिखों को अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी। क्या आप 1984 के दंगों सज्जन कुमार जैसे नेताओं को बचाने की पार्टी की भूमिका की जिम्मेदारी लेंगे? एक युवक ने ट्वीट करते हुए लिखा, '21-04-25 को ब्राउन यूनिवर्सिटी में सिखों के लिए राहुल गांधी के मगरमच्छ के आंसू एक अपमान हैं! वह दावा करते हैं कि BJP पगड़ी और कड़ा को खतरे में डालती है, लेकिन कांग्रेस ने इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 के सिख विरोधी दंगों को अंजाम दिया - पूरे देश में 3,350+ मारे गए, अकेले दिल्ली में 2,800 मारे गए।'युवक ने आगे लिखा, 'कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 2018 में दिल्ली छावनी में हुए हत्याकांड में दोषी पाया गया था। आरोप है कि कांग्रेस ने सालों तक उन्हें बचाया। कांग्रेस पर ये भी आरोप है कि वो दंगों के आरोपियों को बचाती है और सिखों की बोलने की आजादी पर हमला क राहुल गांधी ने कहा, "पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 1984 के दंगों को लेकर सदन में अपना रुख स्पष्ट किया था और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी ये कर चुकी हैं। मैं मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी की बातों का पूरी तरह समर्थन करता हूं। मैंने भी पहले इस पर अपना रुख स्पष्ट रूप से साफ किया है।" गौरतलब है कि अगस्त 2005 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने दंगों के लिए संसद और देश से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे न केवल सिख समुदाय बल्कि देश से भी माफी मांगने में कोई हिचकिचाहट नहीं है। देश में जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं शर्म से अपना सिर झुकाता हूं।' उन्होंने आगे कहा, '...1984 में जो हुआ वह हमारे संविधान में निहित राष्ट्रीयता की अवधारणा का खंडन है।' उन्होंने कहा, 'जब 1984 की दुखद घटना घटी, उस दुखद शाम को गुजरालजी तत्कालीन गृह मंत्री पीवी नरसिम्हा राव के पास गए और उनसे कहा कि स्थिति इतनी गंभीर है कि जल्द से जल्द सेना को बुलाने की जरूरत है। अगर उस सलाह पर ध्यान दिया जाता तो शायद 1984 के दंगों को टाला जा सकता था।' 1980 से घटनाओं पर ध्यान दे तो सिख अलगाववाद, एक स्वतंत्र खालिस्तान के लिए आंदोलन, भारतीय राजनीति में एक काला अध्याय है। यह एक क्लासिक और बहुत हिंसक सबक है कि क्या होता है जब धार्मिक कट्टरपंथियों को क्षणिक और अस्थायी राजनीतिक लाभ के लिए करीब लाया जाता है। इसकी परिणति पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या में हुई। इससे पहले, श्रीमती गांधी को इन सिख आतंकवादियों की ताकत को हराने के लिए अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेना भेजने के लिए मजबूर होना पड़ा था। भिंडरावाले स्वर्ण मंदिर में छिपा हुआ था। यह महसूस करते हुए कि खालिस्तानी आंदोलन को खत्म किए बिना खत्म करना मुश्किल है, इंदिरा गांधी ने सेना प्रमुख अरुण कुमार वैद्य को स्वर्ण मंदिर में सैन्य कार्रवाई करने का आदेश दिया। उसने एक सैन्य अभियान भी चलाया और उसमें भिंडरावाले मारा गया। कार्रवाई के प्रतिशोध में दोनों मारे गए। एक खुद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी हैं। और अन्य सामान्य चिकित्सक। 1986 में, उनकी सेवानिवृत्ति के सिर्फ छह महीने बाद, सिख हत्यारों ने पुणे की एक व्यस्त सड़क पर जनरल वैद्य की गोली मारकर हत्या कर दी, जिससे इंदिरा गांधी की हत्या की यादें ताजा हो गईं। यह पता चलने के बाद कि श्रीमती गांधी की उनके अपने सिख सुरक्षा गार्डों द्वारा हत्या कर दी गई थी, देश भर में सिखों के खिलाफ गुस्सा था। राजधानी दिल्ली में उनका सिर कलम कर दिया गया। खून बहाया गया। जगदीश टाइटलर, यह सज्जन कुमार जैसे कांग्रेसी नेता थे जिन्होंने श्रमिकों को उकसाया और सिखों के खिलाफ हिंसा भड़काई।राजीव गांधी की प्रतिक्रिया थी कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो छोटी झाड़ियाँ उसके नीचे दब जाती हैं। एक तरह से उन्होंने सिखों के सिर काटने का समर्थन किया। उनमें से कुछ पर बाद में मामला दर्ज किया गया और अदालत में सजा सुनाई गई, लेकिन क्रूर सिख नरसंहार के घाव नहीं भरे हैं। इस इतिहास का संबंध राहुल गांधी की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान एक सिख युवक द्वारा कांग्रेस की सिख विरोधी गतिविधियों के लिए लगाए जाने से है; यह उनके पास है। इंदिरा गांधी की हत्या के समय राहुल गांधी 14 साल के थे और उस समय कांग्रेस की राजनीति में उनकी कोई भूमिका होने की संभावना नहीं है। लेकिन वर्तमान में वह कांग्रेस के अघोषित अध्यक्ष हैं। इसलिए जबकि यह सच है कि 'तब' की घटनाओं से उनका कोई लेना-देना नहीं था, उनका वर्तमान कांग्रेस से सीधा संबंध है। इसलिए अगर उनसे उस पार्टी के ऐतिहासिक पापों के लिए वर्तमान में कुछ भी पूछा जा रहा है, तो अमेरिकी युवाओं के साथ कुछ भी गलत नहीं है। कार्रवाई पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। युवक का सवाल सिखों के खिलाफ कांग्रेस की नीति और कांग्रेस द्वारा अपने कुछ विवादास्पद नेताओं को दी गई सुरक्षा जैसे मुद्दों की पृष्ठभूमि के खिलाफ था, और राहुल गांधी ने पार्टी ने अपने इतिहास में जो किया है, उसके लिए माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'जब यह हुआ तब मैं राजनीति में नहीं था. लेकिन मैं अभी भी मानता हूं कि जो हुआ वह गलत था और मैं इसकी जिम्मेदारी लेते हुए माफी मांगने से नहीं हिचकिचाऊंगा। 80 के दशक में तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने जो किया उसके लिए राहुल गांधी ने लोगों से माफी मांगी है। अंतरराष्ट्रीय इतिहास में अपने कार्यों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने वाले वर्तमान नेताओं के कई उदाहरण हैंः द्वितीय विश्व युद्ध में युद्ध के कैदियों के क्रूर उपचार के लिए जापान की माफी, लीबिया के लिए इटली का अनुरोध, बेल्जियम का अफ्रीकी कांगो, पोप फ्रांसिस के कनाडाई स्थानीय लोग, बिल क्लिंटन की मोनिका लुइंस्की, टाइगर वुड्स ने यौन दुराचार के लिए अपने प्रशंसकों से सार्वजनिक माफी के सैकड़ों उदाहरण जारी किए हैं। पश्चिमी देश और उनके नेता ऐतिहासिक गलतियों के लिए वर्तमान में क्षमा मांगने में संकोच नहीं करते हैं, जिनकी जड़ें धार्मिक संस्कारों में होनी चाहिए।

सजावटी फूलों से दुर्गंध

रूनू झा

हवा में उष्णता थी। घर में गरमी और उष्णता से चिडचिडापन और बोझिलता बढ़ रही थी। सजावट के लिए लगे फूल सूखने लगे थे, उनसे अब दुर्गंध आ रही थी। मोगरे की खुशबू अब बदल गई थी। गेंदे के फूल भी अब सूखने लगे थे। राजेश मेज़ पर एक डंडे की मदद से फूलों को निकाल रहा था और अंजना नीचे खड़ी फूलों को समेट रही थी। वैष्णवी परेशान और बदहवास-सी, सब सुव्यवस्थित करने में लगी थी। मेहमान अपने घर के लिए निकल रहे थे। सभी को मिठाई और कपड़े मिलें कि नहीं,चाय-कॉफ़ी, नास्ता सब वैष्णवी की ही जिम्मेदारी थी। वह थक गई थी, अपनी पूर्ववत दिनचर्या में वापस आना चाहती थी। उसे भी पता था, एक-दो दिन और लगेंगे हिसाब-किताब, देन-लेन में।

वैष्णवी की भतीजी पवित्रा की शादी थी। २६ जून २०२१, वैष्णवी के भाई का कॉल आया, वो उसे अस्पताल बुला रहे थे। लेकिन वैष्णवी के पति ने उसे जाने नहीं दिया।

उनको डर था कि महामारी के चपेट में उनका परिवार न आ जाए। अगले दिन ही पता चला, भाई-भाभी नहीं रहे। अब सबसे बड़ी चिंता थी कि पवित्रा का क्या होगा? एक बीस वर्ष की बच्ची कैसे अकेली रहेगी? वैष्णवी को लगा अभी उसकी सबसे ज्यादा जरुरत पवित्रा को है। अपना निर्णय बताकर वह पवित्रा के पास चली गई।

जब १५-१६ दिनों के बाद वापस आई, तब घर में उसने बहुत बदलाव महसूस किया। अपने घर में उसे परायापन लग रहा था। पवित्रा के लिए किसी को कोई सहानुभूति नहीं थी। दोनों ने घर में परायापन अनुभव किया और उन्हें यह स्वाभाविक भी लगा। पवित्रा बीबीए कर रही थी। अब वैष्णवी के लिए सबसे जरुरी था, पवित्रा के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना और उसे कभी भी अकेलापन महसूस नहीं होने देना।

उसे बार-बार याद आता कि जब वह शादी के बाद इस घर में आई थी। नया माहौल, नया घर, नए लोग और सबको उससे समझदारी की उम्मीद थी। कैसे हो पायेगा? बीस वर्ष तक साथ रहकर, आज भी इस घर के लोगों ने उसे अपनाया नहीं है। क्या पवित्रा का ख्याल रखना, उनकी ज़िम्मेदारी नहीं है? उसने तो पूरे परिवार का ख्याल रखा। हर रिश्ते का सम्मान किया और इस विपत्ति की घड़ी में उसके भाई की बेटी के लिए कोई संवेदना नहीं। उसने पति के परिवार को अपना माना। उनसे जुड़े हर रिश्ते को अपनाया। सास-ससुर और ननद साथ ही रहें।

पवित्रा की शादी उसकी ही पसंद से हुई। केतन और पवित्रा साथ ही काम करते थे। वैष्णवी को भी केतन सुलझा हुआ और जिम्मेदार इंसान लगा। शादी के मंडप में लगे भाई और भाभी की तस्वीर उसे आशीर्वाद देती हुई प्रतीत हो रही थी। वैष्णवी ने उस तस्वीर को अपने घर में लाकर कील से टांग दिया। जिससे पवित्रा को ये घर उसका मायका लगे, उसके माँ-बाबूजी का घर।

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए। टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की। कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं।

उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घारे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया।

बुद्धि और नौकरी के दाता बुध ग्रह

मेष राशि में गोचर 8 राशियों को होगा फायदा

बुध ग्रह 7 मई को सुबह 4 बजकर 6 मिनट पर गोचर करने वाले हैं, जहां पहले से ही सूर्य ग्रह विराजमान हैं। इस तरह बुध के मेष राशि में गोचर करने से सूर्य और बुध ग्रह की युति बनेगी। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, बुध ग्रह की जब चाल बदलती है, तब इसका प्रभाव मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर देखने को मिलता है।

बुध गोचर का मेष राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि के लग्न भाव अर्थात पहले स्थान पर गोचर करने वाले हैं। बुध का गोचर आपके लिए मध्यम फलदायी रहने वाला है क्योंकि यह आपके लग्नेश के साथ शत्रुता रखता है और आपके तीसरे और छठे भाव का स्वामी भी हैं। अगर आप बिक्री, मीडिया, मार्केटिंग के क्षेत्र में काम कर रहे हैं, तो आपको कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और अधिकारियों द्वारा गलत समझे जा सकते हैं। आपको करीबी दोस्तों, पड़ोसियों, छोटे भाई-बहनों से सही समर्थन मिलेगा। स्वास्थ्य समस्याएं, ऋण या शत्रुओं या प्रतिस्पर्धियों के साथ संघर्ष हो सकता है। बुध का गोचर प्रफेशनल लाइफ के लिए अत्यधिक लाभकारी रहने वाला है। व्यापारिक साझेदार और जीवनसाथी आपका समर्थन करेंगे और यहां तक कि सातवें भाव में बुध का प्रभाव आपके पर्सनल और प्रफेशनल रिलेशन को मजबूत करेंगे।

बुध गोचर का वृषभ राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से 12वें भाव में गोचर करने वाले हैं। इस दौरान आपके खर्चे बढ़ सकते हैं क्योंकि आपकी बचत करने की क्षमता खराब हो सकती है। जिन वृषभ जातकों का काम बारहवें भाव के गुणों से जुड़ा है जैसे आयात-निर्यात, विदेशी भूमि, प्रवास, व्यापार, विदेश यात्रा, उन सभी लोगों को लाभ मिल सकता है। जो लोग शेयर बाजार और दैनिक व्यापार में भारी निवेश कर चुके हैं, उन्हें सावधान रहना चाहिए। प्रफेशनल रूप से, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, हॉस्पिटल या आयात-निर्यात कंपनियों में काम करने वाले जातक इस अवधि में सफल होंगे। आपको जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और दवाओं या अन्य चिकित्सा देखभाल के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

बुध गोचर का मिथुन राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से 11वें भाव में गोचर करने वाले हैं। इस दौरान सहयोग और नेटवर्किंग के नए द्वार खुलेंगे और आपकी कई इच्छा पूरी भी होंगी। अगर आप काफी समय से प्रफेशनल लाइफ में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जैसे ऑफिस पॉलिटिक्स, वर्क पॉलिटिक्स या आपके बॉस व अधिकारियों द्वारा गलत समझा जा रहा है तो अब बुध के मेष राशि में गोचर के साथ आपको इन मुद्दों से राहत का अनुभव होगा। आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और आप किसी भी प्रकार की अचल संपत्ति खरीदने में निवेश कर सकेंगे। बुध के मेष राशि में होने के दौरान आप दोस्तों और सामाजिक सर्कल के साथ बहुत अच्छा समय व्यतीत करेंगे। इसके अलावा, छात्रों को बुध के ग्यारहवें भाव में गोचर से लाभ होगा, जो शिक्षा के पांचवें भाव को प्रभावित कर रहा है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए सही है जो मास कम्युनिकेशन और प्रतियोगी परीक्षा के लिए स्टडी कर रहे हैं।

बुध गोचर का कर्क राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह का गोचर आपकी राशि 10वें भाव में गोचर करने वाले हैं। इस दौरान आपके संचार कौशल, रचनात्मकता, और प्रफेशनल अवसर बढ़ सकते हैं, जिससे करियर में वृद्धि और सफलता मिल सकती है। यह आपको त्वरित निर्णय लेने, बहस, बातचीत, मध्यस्थता में माहिर बना देगा और आप एक ही दिन में कई परेशानियों को संभालने में सक्षम होंगे। इस दौरान आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं और विदेश में नौकरी, घूमने या बसने की इच्छा भी पूरी हो सकती है। बुध आपके दसवें भाव से चौथे भाव को प्रभावित कर रहा है, जिससे आपको इस अवधि अपनी मां का समर्थन और सुखद घरेलू वातावरण मिलेगा।

बुध गोचर का सिंह राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से नौवें भाव में गोचर करने वाले हैं और बुध आपके दूसरे और ग्यारहवें भाव का स्वामी हैं। बुध ग्रह आपके लिए एकमात्र ग्रह हैं, जो आपको फाइनेंशियल रिवॉर्ड, अवसर या जीवन में सभी प्रकार के लाभ देने की क्षमता रखते हैं। पिछले कुछ हफ्तों से बुध आपके आठवें भाव में नीच का था और राहु के प्रभाव में था, जिसकी वजह से कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब बुध आपके नौवें भाव में प्रवेश करने वाले हैं, जो सिंह राशि वालों के लिए राहत की सांस होगी। अब पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में जो भी समस्याएं चल रही हैं, उनसे आपको धीरे धीरे मुक्ति मिल जाएगी। इस अवधि में आप परिवार के साथ तीर्थ यात्रा या एक वीकेंड पर कहीं बाहर घूमने जाने की योजना बना सकते हैं। आपके छोटे भाई-बहन भी आपका समर्थन करेंगे क्योंकि बुध आपके तीसरे भाव को भी प्रभावित कर रहा है।

बुध गोचर का कन्या राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से आठवें भाव में गोचर करने वाले हैं और आपकी राशि के स्वामी भी हैं। आठवें भाव में बुध ग्रह के आने से आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या और काम में अप्रत्याशित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस अवधि में आपको पूर्वजों की संपत्ति प्राप्त हो सकती है।साथ ही करियर में कई अप्रत्याशित घटनाएं हो सकती हैं। अचानक से प्रमोशन मिल सकता है और कुछ कुछ बेहतरीन करियर के अवसर भी आ सकते हैं। अगर आपका पैसा कहीं अटका हुआ है, तो इस समय उसे वापस पाने का मौका मिल सकता है। जो लोग शेयर बाजार में सक्रिय हैं या शेयरों में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें इस समय अच्छे मुनाफे की उम्मीद हो सकती है।

बुध गोचर का तुला राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से सातवें भाव में गोचर करने वाले हैं इसलिए यह आपकी लव लाइफ, वैवाहिक जीवन और व्यापारिक साझेदारी के लिए बहुत अनुकूल समय रहने वाला है। अविवाहित जातकों के लिए बुध का गोचर शुभ रहेगा, इस अवधि में आपके लिए कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है। वहीं विवाहित जोड़ों के लिए यात्रा करने, एक साथ समय बिताने, बात करने और संबंधों को मजबूत करने का अच्छा समय रहेगा, हालांकि जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ सकता है। बुध का गोचर व्यापारिक साझेदारी के लिए भी बहुत अच्छा समय रहेगा लेकिन धन संबंधित सभी कार्यों पर नजर बनाए रखें। विदेशी कंपनियों या दूर रहने वाले लोगों के साथ काम करते समय भी सतर्क रहें।

बुध गोचर का वृश्चिक राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से छठवें भाव में गोचर करने वाले हैं इस दौरान आपको स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इस अवधि में वृश्चिक राशि वाले किसी पर भी भरोसा करने से बचें क्योंकि दोस्त भी आपके दुश्मन बन सकते हैं। साथ ही किसी भी तरह के अनैतिक कार्य करने से बचें, इससे मान हानि की आशंका बन रही है और माता पिता की तरफ से भी परेशानी हो सकती है। बुध के मेष राशि में रहते हुए कोई भी वित्तीय निर्णय ना लें और किसी को भी पैसा उधार ना दें क्योंकि इसे वापस पाना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। नौकरी व कारोबार करने वाले इस अवधि में कोई अन्य योजना पर कार्य करने से बचें और जो कर रहे हैं, उसमें पूरी ईमानदारी बरतें।

बुध गोचर का धनु राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से पांचवें भाव में गोचर करने वाले हैं और यह भाव पूर्व पुण्य घर भी कहा जाता है और यह आपकी शिक्षा, लव लाइफ और बच्चों का प्रतीक है। इसलिए इस राशि के छात्रों को बुध गोचर का पूरा लाभ मिलेगा, जिससे ये शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं, विशेष रूप से राइटिंग, रिसर्च, मास कम्युनिकेशन और किसी भी राइटिंग कोर्स में। बुध का गोचर हाल ही में ग्रेजुएट हुए लोगों के लिए एक अच्छा समय है, जो अपने करियर की शुरुआत करना चाहते हैं और नौकरी की तलाश में हैं। यह उन लोगों के लिए भी अच्छा समय है जो लव लाइफ को शादी में बदलना चाहते हैं। व्यवसाय पार्टनरशिप शुरू करने या प्रफेशनल लाइफ में कुछ बदलाव करने का अच्छा समय है। इस अवधि प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क स्थापित होंगे और एक बड़ा नेटवर्क बनाएंगे।

बुध गोचर का मकर राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से चौथे भाव में गोचर करने वाले हैं, यह भाव मां, घर, वाहन और संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है। इस दौरान परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और सभी सदस्यों के बीच आपसी प्रेम मजबूत होगा, जिससे आप एक दूसरे की सभी समस्याओं से निपटने में सक्षम होंगे। इस अवधि में धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और घर पर हवन, सत्यनारायण कथा या पूजा-पाठ का कोई कार्यक्रम हो सकता है। मामा के साथ भी आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे और उनके संपर्क में आने से आपको लाभ के अच्छे अवसर भी मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे CAT या NEET, या किसी अन्य उच्च शिक्षा से संबंधित परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए यह अच्छा समय है। इस समय आपको पिता, मेंटर्स और गुरु का सहयोग मिलेगा।

बुध गोचर का कुंभ राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से तीसरे भाव में गोचर करने वाले हैं, जहां यह सबसे अधिक आरामदायक महसूस करते हैं। इस अवधि भाई-बहनों या करीबी दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने और अपने संबंधों को मजबूत करना समय मिलेगा।

साथ ही कुंभ राशि वाले प्रियजनों के साथ किसी तीर्थयात्रा या फिर वीकेंड पर घूमने साथ जा सकते हैं। सामाजिक लोगों के साथ आपका उठना बैठना शुरू हो जाएगा, जिससे आपका नेटवर्क मजबूत होगा। इस अवधि में आप अधिक आत्मविश्वासी और स्पष्ट महसूस करेंगे, जिससे अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में सफल होंगे। पिताजी के साथ आपके अच्छे संबंध होंगे और वे आपके कठिन परिश्रम की सराहना करेंगे।

बुध गोचर का मीन राशि पर प्रभाव

बुध ग्रह आपकी राशि से दूसरे भाव में गोचर करने वाले हैं और यह भाव परिवार, बचत और वाणी का प्रतिनिधित्व करता है। बुध के गोचर से वाणी के माध्यम से आपको अच्छा लाभ मिलेगा और इससे आप कई कार्यों को पूरा करवा पाने में सक्षम भी होंगे। यह शादी की योजना बनाने और लव पार्टनर को परिवार के सदस्यों से मिलवाने का अच्छा समय है क्योंकि सातवें और चौथे स्वामी दूसरे घर में गोचर कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों के साथ धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं, जिससे संबंध मजबूत होंगे। जीवनसाथी और ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपके संबंध अच्छे होंगे और साथ मिलकर कोई संपत्ति भी संयुक्त रूप से खरीदी जा सकती है।

हाथ की तर्जनी मध्यमा ये दो उंगलियां अगर हों एक बराबर

तो छिपे होते हैं आपके भीतर कुछ खास राज़

हर व्यक्ति के हाथ की बनावट कुछ अलग होती है। किसी के हाथों में उंगलियों का आकार छोटा होता है, तो किसी के हाथों में लंबा। कई बार हाथ की दो उंगलियां बिल्कुल एक बराबर भी होती हैं, जैसे तर्जनी और मध्यमा। आमतौर पर मध्यमा यानी बीच की उंगली, तर्जनी यानी इंडेक्स फिंगर से थोड़ी लंबी होती है, लेकिन अगर आपके हाथ में ये दोनों उंगलियां एक बराबर हैं तो यह आपके स्वभाव, सोच और जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें बता सकती है।

सोच और कला में संतुलन

जिन लोगों की तर्जनी और मध्यमा बराबर होती हैं, वे आमतौर पर न तो बहुत भावुक होते हैं और न ही ज्यादा सख्त। इनका सोचने का तरीका संतुलित होता है। ये लोग भावनाओं और तर्क, दोनों को बराबर जगह देते हैं। इन्हें किसी भी स्थिति को समझने और सही फैसला लेने में समय तो लगता है, लेकिन ये जो भी निर्णय लेते हैं, वह काफी सोच समझकर होता है।'

अच्छे बोलचाल के होते हैं माहिर

ऐसे लोग अपनी बातों को साफ और सीधे तरीके से दूसरों तक पहुंचाने में माहिर होते हैं। चाहे बातचीत हो या लेखन, ये लोग अपने विचारों को अच्छी तरह जाहिर कर सकते हैं। यही कारण है कि ऐसे लोग अक्सर शिक्षण, पत्रकारिता, भाषण, लेखन या काउंसलिंग जैसे क्षेत्रों में अच्छा करते हैं।

संतुलन पसंद होता है इन्हें

इन लोगों को न ज्यादा चुप रहना पसंद होता है और न ही बहुत ज्यादा बोलना। ये किसी भी काम में न तो जल्दी करते हैं और न ही बहुत देर। इनके काम करने का तरीका व्यवस्थित होता है और ये छोटी छोटी बातों में उलझने की बजाय सही समय पर सही कदम उठाते हैं।

क्या हैं इनके कमजोर पक्ष?

जहां इनके पास सोचने की अच्छी ताकत होती है, वहीं ये कई बार ज्यादा सोचने की वजह से परेशान भी हो जाते हैं। जब कोई बात इनकी सोच के मुताबिक न हो, तो ये मानसिक रूप से बेचैन हो सकते हैं। ऐसे लोग दूसरों को खुश रखने की कोशिश भी बहुत करते हैं, लेकिन जब अपेक्षा पूरी नहीं होती, तो इन्हें अंदर से दुख हो सकता है।

क्यों कुंवारी लड़कियों पर ही ज्यादा चिपकता है प्रेत?

आज के मॉर्डन युग में भूत-प्रेत जैसी नेगेटिव एनर्जी से जुड़ी घटनाओं पर कुछ लोग विश्वास करते हैं को कुछ नहीं। हालांकि ऐसी घटनाओं के पीछे कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है लेकिन फिर कई लोग इस तरह पारलौकिक शक्तियों को सच मानते हैं। आपमें से कुछ लोगों ने भूत-प्रेत से ग्रसित व्यक्तियों को भी देखा होगा, जो अजीब सी हरकत और आवाज निकालते हैं। ऐसे लोगों को किसी मजार पर तांत्रिक के पास ले जाया जाता है, जहां भूत बाधा को दूर किया जाता है। लेकिन आखिर किस तरह लोग भूत-प्रेत की चपेट में आ जाते हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य राकेश त्रिपाठी बताएंगे कि कुंवारी लड़कियां ऐसी क्या गलतियां कर देती हैं, जिनसे भूत-प्रेत की चपेट में आ जाती हैं...

बालों को रखें ध्यान

आपने अक्सर देखा होगा कि कुंवारी लड़कियां जब बाल काड़ती हैं, तब वे अपने बालों को इधर उधर फेंक देती हैं, जो कि बहुत गलत है। इन्हीं बालों का प्रयोग करके आप पर कोई टोना टोटका या वशीकरण कर सकता है। इसलिए इस तरह की लापरवाही करने से बचें।

इस अवस्था में ना जाएं कहीं

कुंवारी लड़िकयां पीरियड्स के समय किसी भी चौराहे, तिराहे, किसी भी पीपल के पेड़ के पास या शमशान के पास से जाने से बचें। पीरियड्स के दौरान महिलाओं को कमजोरी महसूस करती हैं और हार्मोनल में बदलाव देखने को मिलते हैं, जिसकी वजह से भूत-प्रेत जैसी नेगेटिव एनर्जी आकर्षित होती है और कमजोरी का फायदा उठाती है। इसलिए इस अवस्था में कहीं भी जाने से बचें।

इन सामान का रखें ध्यान

अपने पुराने कपड़े, परफ्यूम, लिपस्टिक आदि चीजें किसी को भी भूलकर भी ना दें। साथ ही ध्यान रखें कि आपका कोई भी पर्सनल सामान या मेकअप किसी को भी यूज ना करने दें। अगर कोई आपके इन सामान तक पहुंच बना सकता है तो वह इन सामान के जरिए टोना टोटका भी कर सकता है, इसलिए किसी को भी अपने चीजों को यूज ना करने दें।

ना करें इन चीजों का इस्तेमाल

कुंवारी लड़कियों को मेंहदी लगवाने का बहुत शौक होता है लेकिन जाने-अनजाने वह मेंहदी लगवाकर इधर उधर चली जाती हैं। मेंहदी की खुशबू भूत-प्रेत जैसी नेगेटिव एनर्जी को आकर्षित करती हैं, जिससे भूत-प्रेत जैसी बाधा आ सकती है। साथ ही ध्यान रखें कि किसी के श्रृंगार का इस्तेमाल किया गया सामान भेंट में ना लें। साथ ही किसी के भी इस्तेमाल किए गए कपड़े ना पहनें।

प्रकृति के साथ संतुलन ही सफल जीवन का मूल मंत्र है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए हम स्वस्थ जीवन कैसे जी सकते हैं?

सभी प्राणियों में एक ही तत्व का वास है। अगर हम सभी के सुख का ध्यान नहीं रखेंगे तो खुद भी सुखी नहीं हो सकते है। मनुष्य तभी सुखी होगा, जब उसके आसपास का परिवेश संतुलित और सुंदर होगा। अगर आपका परिवेश सुंदर, स्वच्छ, पवित्र, संतुलित नहीं है तो समर्थ जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। परस्पर संतुलन, एकता, एक-दूसरे की पूरकता हमारे जीवन को श्रेष्ठ बनाती है। अगर हम समर्थ होना चाहते हैं, श्रेष्ठ बनना चाहते हैं तो हमें नैसर्गिक होना होगा, प्रकृति के नियमों का पालन करना होगा।

7 फीट ऊंचे हिम शिवलिंग के दर्शन को आएंगे लाखों श्रद्धालु

कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है।

इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी।

यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं।

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर कोई असर नहीं नजर आ है। अब तक पिछले साल की तुलना में 20% ज़्यादा रजिस्ट्रेशन हुए।

15 अप्रैल से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के जरिए करीब 3.50 लाख श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है।

श्राइन बोर्ड ने e-KYC, RFID कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का निर्णय लिया है, ताकि यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो सके।

बोर्ड का कहना है इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालु आ सकते हैं, इसलिए जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक पर रुकने और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की जा रही है।

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद, अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अब टट्टूवाले और स्थानीय सेवादार बेस कैंप में ID जांच के साथ रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सख्त ID वैरफिकेशन प्रोटोकॉल के साथ किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को अमरनाथ यात्रा 2025 से पहले तीर्थयात्रियों के लिए चल रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर में पंथा चौक ट्रांजिट कैंप का दौरा किया। पीएनबी सर्कल जम्मू के चीफ अनिल शर्मा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, 13 साल से कम और 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही उनके पास मेडिकल सर्टिफिकेट हो।

2024 में पहुंचे थे 5 लाख यात्री

2024 में यह यात्रा 52 दिनों की थी। 2023 में 62 दिन, 2022 में 43 दिन और 2019 में 46 दिनों तक यात्रा चली। 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण यात्रा स्थगित रही। 2024 में 52 दिनों तक चली अमरनाथ यात्रा में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

मूलांक 4 वाले इन बातों का रखें खास ध्यान

अगर आपका जन्म किसी भी महीने की 4, 13, 22 या 31 तारीख को हुआ है, तो आप मूलांक 4 से प्रभावित माने जाते हैं। चलिए जानते हैं जून 2025 का महीना मूलांक 4 वालों के लिए कैसा रहेगा।

मूलांक 4 वालों के लिए जून 2025 स्वास्थ्य, प्रोफेशन, रिलेशनशिप और एजुकेशन के लिए कैसा रहेगा। साथ ही बता रहे हैं कुछ खास उपाय जो आपके मूलांक के अनुसार आपको सुख, शांति और सफलता दे सकते हैं। जून 2025 का महीना मूलांक चार वालों के लिए कैसा रहेगा चलिए जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

स्वास्थ्य

जून महीने में आपको मानसिक उलझनों में थोड़ी राहत मिलेगी। एलर्जी, स्किन से जुड़ी समस्याएं, और नसों से जुड़ी दिक्कतें थोड़ा परेशान कर सकती हैं। खासकर जो लोग जिम करते हैं या स्पोर्ट्स से जुड़े हैं, उन्हें थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है।

करियर और प्रोफेशन

प्रोफेशन की बात से करें तो अगर ऑफिस में बॉस के साथ आपका कोई विवाद चल रहा है तो जून महीने में आपको इससे थोड़ी राहत मिलेगी। जो लोग बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या एजुकेशन, राइटिंग, पब्लिक डीलिंग से जुड़े काम करते हैं, उनके लिए जून का महीना बहुत अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास से बोलिए, आपकी बातचीत का असर दिखेगा।

रिलेशनशिप

जून महीने में आपको अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना होगा। कभी-कभी आप बिना सोचे कुछ कह जाते हैं जिससे सामने वाला हर्ट हो सकता है। बातचीत करते समय शब्दों में संयम बरतें और दूसरों की बातों को पहले ध्यान से सुनें, वरना रिश्तों में गलतफहमियां और दूरियां आ सकती हैं।

जून महीने में खरीद सकते हैं घर-गाड़ी

घर और गाड़ी इस महीने में आप ले सकते हैं, जून महीने में ऐसा करना आपके लिए लाभदायक होगा। आप क्रीम कलर या सिल्वर कलर लें तो आपके लिए बहुत अच्छा होगा। ब्लैक कलर भी ले सकते हैं लेकिन रेडिश कलर से बचें। वाहन नंबर या फ्लैट नंबर में अगर 7 या 9 आ रहा है, तो इससे बचें। ईस्ट फेसिंग प्रॉपर्टी आपके लिए शुभ है।

साल 2025 कैसा रहेगा

साल 2025 की बात करें तो यह साल है अंक 9 का यानी मंगल का वर्ष। राहु और मंगल के टकराव की वजह से रिश्तों में तनाव, संवाद की कमी और गलतफहमियों का खतरा बना रहेगा। मूलांक 4 और अंक 9 की कैमिस्ट्री थोड़ी टकराव वाली रहती है। इसलिए इस साल आपको थोड़ा अप एंड डाउन झेलना पड़ सकता है।

रत्न और उपाय

गोमेद रत्न पहन सकते हैं। अगर करियर में बहुत रुकावटें हैं, तो नीलम या लाजवर्द (शनि का रत्न) भी विकल्प हो सकता है, पर इसे भी कुंडली के अनुसार ही धारण करें।

मेट गाला में शाहरुख खान की हुई फजीहत!

इंटरनेशनल मीडिया ने पहचाना नहीं तो देना पड़ा परिचय, कहा- मैं शाहरुख हूं

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने मेट गाला 2025 में डेब्यू कर इतिहास रच दिया है। वो मेट गाला में पहुंचने वाले पहले इंडियन मेल एक्टर हैं। शाहरुख का लुक भी चर्चा है, हालांकि फैंस इस बात पर भड़क गए हैं कि इंटरनेशनल मीडिया ने रेड कार्पेट में शाहरुख को पहचानने से इनकार कर दिया। ऐसे में शाहरुख खान को अपना नाम बताकर परिचय देना पड़ा। ये अपने आप में बेहद शॉकिंग है, क्योंकि शाहरुख खान भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के चौथे सबसे अमीर एक्टर हैं। उनका नाम हर साल सबसे दुनिया के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में शामिल होता है।

मेट गाला के रेड कार्पेट से शाहरुख खान का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में शाहरुख कार्पेट में वॉक करते हुए मीडिया के पास पहुंचते हैं। वो आते हाय-हैलो करते हुए आए थे। उन्होंने इस बीच ये भी कहा, मैं ठीक हूं, थैंक्यू। हालांकि जब मीडिया ने उन्हें पहचाना नहीं तो शाहरुख खान ने

खुद को इंट्रोड्यूस करवाते हुए कहा, मैं शाहरुख हूं।आगे शाहरुख से उनके लुक के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब में कहा, मेरे डिजाइनर सब्यसाची ये उनका विचार है और ये एक फ्रीडम ऑफ एक्सप्रेशन है।

शाहरुख खान बोले- मेट गाला का इतिहास नहीं पता, मैं नर्वस हूं

मेट गाला में इंटरव्यू देते हुए शाहरुख खान से पूछा गया कि क्या उन्हें मेट गाला के बारे में कुछ पता है। इस पर एक्टर ने कहा, मुझे इसकी हिस्ट्री के बारे में नहीं पता, मैं बहुत ज्यादा नर्वस और एक्साइटेड हूं। मैंने कई रेड कार्पेट किए हैं। मैं बहुत शर्मीला हूं।

शाहरुख खान से आगे पूछा गया कि क्या वो इसके लिए एक्साइटेड हैं, इस पर उन्होंने कहा, मेरे लिए सबसे ज्यादा एक्साइटिंग है कि मेरे बच्चे हैं, जो मेट गाला के लिए एक्साइटेड हैं। मैं यहां खुद नहीं आया, लेकिन जब सब्यसाची ने कहा कि मुझे आना चाहिए तो बच्चों ने कहा, 'वाव'।

अवनीत कौर को विराट कोहली की एक 'गलती' से कमाई में हुआ 30% का फायदा!

एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अवनीत कौर इस वक्त विराट कोहली के कारण चर्चा में हैं। क्रिकेटर ने एक्ट्रेस के फैन पेज पर पोस्ट की गई एक फोटो को 'गलती से' लाइक कर दिया था, जिसके बाद तो चारों तरफ इसी बारे में बातें होनी शुरू हो गई। हर कोई इस पर क्रिकेटर और एक्ट्रेस को लिंक करने लगा। अवनीत को दूसरे पोस्ट्स पर तो उन्हें 'दूसरी भाभी' तक लिखने लगे। इन सबके बीच इन्फ्लुएंसर के सोशल मीडिया पर भी फॉलोवर्स की संख्या बढ़ गई है। उन्हें इस चीज का पर्सनली फायदा पहुंचा है।

दरअसल, 1 मई कई विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर अवनीत कौर के एक फैन पेज की तरफ से शेयर की गई फोटो को लाइक किया था। और उसी दिन अनुष्का शर्मा का बर्थडे भी था। उनके भी क्रिकेटर ने पोस्ट किया था और कु छ घंटे बाद ही लाइक करने वाली खबर आग की तरह फैल गई। हर कोई इसी बारे में बात करने लगा। क्योंकि क्रिकेटर तो एक्ट्रेस को फॉलो भी नहीं करते हैं। ऐसे में इस एक वाकये ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया।

विराट कोहली के लाइक से अवनीत कौर को फायदा

विराट कोहली के एक लाइक के बाद सोशल मीडिया पर मीम्स बनने लगे। गॉसिप्स होने लगी। भले क्रिकेटर ने इसे 'गलती' बताया। लेकिन फायदा सारा अवनीत को ही हुआ। उनके इंस्टाग्राम पर 48 घंटे में 30 मिलियन से 31.8 मिलियन फॉलोवर्स हो। उन्हें सीधे करीब 2 मिलियन फॉलोवर्स का फायदा पहुंचा है। इतना ही नहीं, 'बज़क्राफ्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी ब्रांड वैल्यू भी बढ़ गई। उनके स्पॉन्सर्ड पोस्ट की कीमत कथित तौर पर 30 प्रतिशत बढ़ गई है। मतलब अब 2 लाख रुपये से 2.6 लाख रुपये प्रति पोस्ट वह कमाई करेंगी।

विराट कोहली ने दी थी सफाई

विराट कोहली ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सफाई दी थी। लिखा था, 'मैं यह साफ करना चाहता हूं कि फीड क्लियर करते समय, ऐसा लगता है कि एल्गोरिदम ने गलती से कोई इंटरैक्शन रजिस्टर कर लिया है। इसके पीछे कोई इरादा नहीं। मैं रिक्वेस्ट करता हूं कि कोई बेवजह की धारणा न बनाएं। समझने के लिए धन्यवाद।'

48 घंटे में 2 मिलियन फॉलोवर्स बढ़े

स्टोरीज चुराईं, सीक्वल और रीमेक फिल्मों पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का बड़ा बयान, कहा- चोर कभी क्रिएटिव नहीं होते

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में सीक्वल और रीमेक बनाने वाले फिल्ममेकर्स को आड़े हाथों लिया है। एक्टर का कहना है कि इंडस्ट्री में सालों से चोरी की कहानियों को बनाया जा रहा है। साथ ही एक्टर ने कहा है कि बॉलीवुड की हर कल्ट फिल्म चोरी की है। उनका कहना है कि इंडस्ट्री में क्रिएटिविटी की कंगालियत है।

हाल ही में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इंटरव्यू में सीक्वल और रीमेक फिल्मों पर नाराजगी जताते हुए कहा है कि इंडस्ट्री में क्रिएटिविटी की कंगालियत रही है। उन्होंने कहा, शुरू से ही हम चोर रहे हैं, इंडस्ट्री हमारी चोर रही है, हमने गाने चोरी किए, हमने स्टोरीज चोरी की, जो चोर होते हैं वो कहां से क्रिएटिव हो सकते हैं, बताओ न। ये तो फैक्ट है। हमने साउथ को चुराया कभी यहां से चुराया, कभी वहां से चुराया। जिनको हम कल्ट फिल्में बोलते हैं, जो बड़ी हिट रही हैं, वो भी चोरी की हैं। उसके सारे सीन चोरी के हैं। इसे इतना नॉर्मलाइज कर दिया

गया कि कहते हैं चोरी है तो क्या हुआ। पहले तो वीडियो के वीडियो दे दिए जाते थे कि ये फिल्म बनाना है और वो उसे छाप लेते थे। तो उस इंडस्ट्री से क्या उम्मीद करोगे आप। वहां एक्टर भी कैसे आएंगे, वैसे ही आएंगे। तो एक्टर होते हैं, डायरेक्टर होते हैं वो क्विट कर देते हैं।

बातचीत के दौरान नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अनुराग कश्यप के फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने पर भी बात की। उन्होंने कहा, अनुराग कश्यप को देख लीजिए, जो ऑरिजिनल चीजें ला रहे थे वो चले गए। बहुत सारे ऐसे इंडिपेंडेंट डायरेक्टर्स ऐसे बैठे हुए हैं, जो कुछ करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें सपोर्ट सिस्टम नहीं मिल रहा है। कुछ टाइम बाद वो भी क्या करते हैं। वो भी रंग में रंग जाते हैं।

बताते चलें कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म कास्टाओ 1 मई को जी 5 पर रिलीज हुई है। फिल्म में उन्होंने कस्टम ऑफिसर कास्टाओ फर्नांडिस की भूमिका निभाई है, जिन्होंने गोल्ड स्मगलिंग ऑपरेशन को अंजाम दिया था।

हिंदी-तेलुगू फिल्मों, म्यूजिक वीडियोज और 'बिग बॉस 17' में आ चुकीं सोनिया बंसल ने छोड़ी एक्टिंग

एक्ट्रेस और रिएलिटी शो 'बिग बॉस 17' में नजर आ चुकीं सोनिया बंसल ने एक्टिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया है। उन्होंने खुद इसका ऐलान किया है और ग्लैमर इंडस्ट्री छोड़ने की वजह का भी खुलासा किया है। साथ ही ये अपने नए काम की शुरुआत की जानकारी दी है। अब वो लाइफ कोच बन गई हैं, जो आपकी समस्याओं को सुलझाएंगी।

'पैसा, शोहरत, पॉपुलैरिटी... पर शांति नहीं'

कभी 'बिग बॉस 17' की कंटेस्टेंट रहीं सोनिया ने आगे कहा, 'मुझे एहसास हुआ कि मैं अब ये भी नहीं जानती कि मेरा असली लक्ष्य क्या है। पैसा, शोहरत, पॉपुलैरिटी... मेरे पास सबकुछ था। लेकिन मेरे पास जो नहीं था, वो शांति थी। और अगर आप शांति में नहीं हैं तो पैसे का क्या करेंगे? आपके पास बाहरी तौर पर सबकुछ हो सकता है, लेकिन अगर आप अंदर से खाली हैं तो ये बहुत ही अंधकारमय जगह है।'

अब और दिखावा नहीं करना चाहती हैं सोनिया

सोनिया बताती हैं, 'मैं गहराई से अध्ययन करना चाहती हूं कि मैं लाइफ में वास्तव में क्या करना चाहती हूं। इस इंडस्ट्री ने मुझे पहचान तो दी, लेकिन इसने मुझे शांति नहीं दी। इसने मुझे सांस लेने नहीं दिया। मैं अब और दिखावा नहीं करना चाहती हूं। मैं अपने लिए प्रामणिक रूप से जीना चाहती हूं और एक लाइफ कोच व आध्यात्मिक उपचारक बनना चाहती हूं।'

सोनिया बंसल ने छोड़ी इंडस्ट्री

मौत को लेकर कही ये बात

वो आगे कहती हैं, 'आप कभी नहीं जानते कि आपका जीवन कब बदल जाएगा। आप कभी नहीं जानते कि मौत कब दस्तक दे सकती है। और अगर हमने तब तक सच्चाई से जीवन नहीं जिया है, तो इस पूरी जर्नी का क्या मतलब है?'

हिंदी और तेलुगू फिल्मों में किया काम

28 साल की सोनिया ने हिंदी और तेलुगू फिल्मों में काम किया है। आगरा, उत्तर प्रदेश की रहने वाली सोनिया ने 2019 में 'नॉटी गैंग' फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वो 2021 में 'डुबकी', 2022 में 'गेम 100 करोड़ का', 'शूरवीर' और 2023 में तेलुगू मूवी 'धीरा' में नजर आईं। उनकी एक और फिल्म 'येस बॉस' की शूटिंग अभी जारी है।

म्यूजिक वीडियो और रिएलिटी शो

सोनिया ने म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया है। टीवी की बात करें तो वो 2023 में 'बिग बॉस 17' में नजर आईं, लेकिन 13वें दिन ही एविक्ट हो गई थीं। इसी साल वो Nachan da time म्यूजिक वीडियो में दिखीं। इसके बाद वो किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आईं।

सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग

सोशल मीडिया की बात करें तो सोनिया के इंस्टाग्राम पर 6.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने अपनी बायो में लिखा है कि वो लाइफ कोच, आध्यात्मिक हीलर, माइंड कोच हैं। उन्होंने इंस्टा स्टेटस पर एक वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें अपने नए काम की जानकारी दी है।

मेट गाला में कियारा आडवाणी के लुक को देख फैंस को याद आईं एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय, बोले- शर्म करो

विश्व के सबसे बड़े फैशन समारोह का आयोजन न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में हुआ, जिसमें दुनियाभर के दिग्गज सितारों ने शिरकत की। अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने बेबी बंप के साथ मेट गाला में अपना डेब्यू किया और इनके लुक ने फैंस का दिल जीत लिया। इसके साथ कियारा को देखकर फैंस को एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय की याद आ गई, जिस लेकर सोशल मीडिया पर नेटिजंस प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आइए जानते हैं फैंस ने क्या कहा।

कियारा के लुक ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने बेबी बंप के साथ मेट गाला के फैशन इवेंट में डेब्यू किया। रेड कॉर्पट पर आते ही कियारा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया और वो बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखी। अभिनेत्री ने भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा तैयार की गई ड्रेस को पहना था और उनके आउटफिट का नाम था ब्रेवहार्ट्स, जो सशक्त महिलाओं और उनके बदलावों का प्रतीक थी। इसके अलावा उनके ड्रेस पर ब्लैक, व्हाइट और गोल्डेन कलर से वर्क किया गया था। अभिनेत्री की इस ड्रेस को देख फैंस को ऐश्वर्या राय के आउटफिट की याद आ गयी, जो उन्होंने 77वें कान फेस्टिवल में पहनी थी।

नेटिजंस ने कियारा की ड्रेस की तुलना ऐश्वर्या के आउटफिट से की

मेट गाला फैशन शो में एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के लुक को देख नेटिजंस को अभिनेत्री ऐश्वर्या राय याद आ गई। एक यूजर ने कियारा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर कमेंट किया कि उनका लुक बिल्कुल ऐश्वर्या राय से मिल रहा है, जो उन्होंने कान फेस्टिवल में पहना था। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा कि डिजाइनर ऐश्वर्या राय के कान में पहने ड्रेस से प्रभावित लग रहा है। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि ऐश्वर्या के कान में पहने ड्रेस का मॉडिफाइड वर्जन। वहीं एक और यूजर ने कहा, शर्म करो ऐश्वर्या राय की ड्रेस कॉपी करते हो।'

आखिर क्या था ऐश्वर्या राय का आउटफिट?

एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने भारतीय डिजाइनर फाल्गुनी शेन पीकॉक द्वारा डिजाइन की गई ड्रेस को 77वें कान फेस्टिवल के दौरान पहना था। इसमें उन्होंने ब्लैक और गोल्डन कलर की गाउन पहन रखी थी, जिसमें पफ स्लीव्स थीं। साथ ही कपड़े पर सुनहरे रंग के मोटिफ्स भी थे। उनकी यह ड्रेस नेटिजंस को अभिनेत्री कियारा आडवाणी से मिलती जुलती लग रही है, जो उन्होंने मेट गाला समारोह में पहना था।

किसी से प्यार करते हैं तो पहले जान लें रिलेशनशिप के जरूरी नियम

किसी के साथ प्यार की बातें करना तो बेहद आसान है, लेकिन उस रिश्ते को लंबे समय तक निभाना बेहद मुश्किल है। ज्यादातर लोग रिश्ते में आने के कुछ दिन बाद ही बोर होने लगते हैं। कई बार तो उनका रिश्ता कुछ गलतियों की वजह से कमजोर होने लगता है। इन गलतियों के कारण ही लोग रिश्ते की गहराई और उसकी ज़िम्मेदारियों को समझ नहीं पाते। यदि आप भी किसी से नया रिश्ता जोड़ने जा रहे हैं तो रिश्ते के कुछ नियमों को गांठ बांध लें। यदि आप इन बातों को गांठ बांध कर नहीं रिश्ते में कदम रखेंगे तो इससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा।

भरोसा है बेहद जरूरी

यदि रिश्ते में भरोसा न हो तो उसकी बुनियाद कमजोर हो जाती है। ऐसे में कभी भी अपने पार्टनर पर शक न करें। यदि कुछ गलतफहमी आपके बीच आ रही है तो पार्टनर से बैठ के उस बारे में बात करें और गलतफहमी को क्लियर करें। किसी भी रिश्ते में खुलकर बात करना बेहद जरूरी होता है। इससे आपस में समन्वय भी बढ़ता है।

फ्रीडम दें

हर रिश्ते में सामने वाले को स्पेस देना बेहद जरूरी होता है। ज्यादातर लोग हक जताने के चक्कर में सामने वाले को डोमिनेट करने लगते हैं और उनकी आजाद को खत्म करने में लग जाते हैं। इससे रिश्ता कमजोर होने लगता है। अपने पार्टनर को स्पेस दें। उन्हें उनसे जुड़े फैसले लेने का पूरा हक है इस बात का हमेशा ध्यान रखें। ऐसा न करने पर पार्टनर का रिश्ते में दम घुटने लगेगा।

संवाद में पारदर्शिता रखें

यदि आप अपने पार्टनर से बातचीत नहीं करेंगे तो इससे संवाद में पारदर्शिता नहीं रहेगी। बात न करने से आपस में गलतफहमी हो जाती हैं। इसकी वजह से रिश्ते की नींव कमजोर होने लगती है। इसलिए पार्टनर से हर बारे ने खुलकर बात करें।

छोटी बातों का ध्यान करें

छोटी छोटी बातें आपके रिश्ते को मजबूत बनाने का काम करती हैं। जैसे कि उनसे पूछे कि खाना क्या ? तबियत कैसी है? अपना ध्यान रखना। इस तरह की बातें प्यार जताने का एक तरीका भी है। यदि आप ऐसा करेंगे को इससे आपके पार्टनर को अवश्य ही अच्छा लगेगा।

किसी ने न करें तुलना

तुमसे अच्छा तो मेरा ये दोस्त है...... तुमसे अच्छा खाना मेरी मम्मी या बहन बनाती हैं। ये आउटफिट मेरी उस दोस्त पर ज्यादा अच्छा लगता।..... यदि आप अपने पार्टनर की किसी से ऐसे तुलना करेंगे तो इससे उनका दिल दिखेगा। जो जैसा है उसे वैसे ही स्वीकार करें। बदलने के चक्कर में उनकी किसी से तुलना न करें।

आखिर महिलाएं क्यों आकर्षित होती हैं पर पुरुषों की ओर ?

आजकल हर जगह हमें एक शब्द ज्यादा सुनाई देने लगा है और वो है एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर . हाल ही में हुई एक रिसर्च में शामिल महिलाओं में से करीब 28 फीसदी महिलाओं ने बताया कि शादी के बाद भावनात्मक असंतुष्टि के कारण वो गैर मर्दों में इंटरेस्ट लेने लगीं. प्यार और विश्वास ये दो ऐसी बातें हैं जो किसी भी वैवाहिक जीवन की नींव होती हैं, पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार और विश्वास का होना बेहद जरूरी है. यह सुखी वैवाहिक जीवन को मजबूत बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक होता है. इसके अलावा रिश्ते में किसी तीसरे का आ जाना भी वैवाहिक रिश्ते को बर्बाद करने में अहम भूमिका अदा करता है. सिर्फ पुरुष ही नहीं, बल्कि महिलाएं भी कई कारणों से शादी के बाद अपने पति को धोखा देने पर मजबूर हो जाती हैं और किसी गैर-मर्द से अफेयर कर लेती हैं. चलिए जानते हैं ऐसी कौन सी प्रमुख वजहें हैं जो महिलाओं को दूसरे मर्द की तरफ आकर्षित करके पति को धोखा देने पर मजबूर करती हैं.

वैवाहिक रिश्ते में प्यार की कमी

अपने रिश्ते में इस तरह की किसी बात को हावी न होने दें, जिससे रिश्ते में किसी गैर के आने की गुंजाइश बढ़ जाए. कई बार वक्त की कमी या जिम्मेदारियों को निभाने के चक्कर में पति-पत्नी एक-दूसरे को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं, जिससे रिश्ते से प्यार गायब सा होने लगता है. ऐसे में किसी गैर मर्द से जब महिलाओं को अटेंशन और प्यार मिलने लगता है तो वो खुद को रोक नहीं पाती हैं.

अकेलापन महसूस होना

कई बार पति बिजी होने के कारण अपनी पत्नी को समय नहीं दे पाता है, ऐसे में पत्नी खुद को अकेला महसूस करने लगती है. कई बार साथी के समय न देने के कारण महिलाओं को लगता है कि उनके साथी का प्यार उनके लिए कम हो गया है. इस वजह से अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए महिलाएं दूसरे पुरुष के करीब जाने लगती हैं.

जरूरतें पूरी करने के लिए

अगर पति अपनी पत्नी की मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता है तो अपनी इन जरूरतों को पूरा करने के लिए महिलाएं गैर-मर्द का सहारा लेने लगती हैं. अपनी शारीरिक और भावनात्मक संतुष्टि के लिए शादीशुदा होने के बावजूद महिलाएं अपने पति से धोखा करने पर मजबूर हो जाती हैं.

रिश्ते में सम्मान की कमी

वैवाहिक रिश्ते में अगर पति अपनी पत्नी का सम्मान नहीं करता है या फिर कोई भी फैसला अकेले ही लेना पसंद करता है तो इससे उनके रिश्ते में कड़वाहट पनपने लगती है. अगर किसी महिला को लगता है कि उसे पति से वो सम्मान और प्यार नहीं मिल रहा है तो वो दूसरे मर्द से नजदीकियां बढ़ाना शुरु कर देती हैं।

सच्चाई से परे बांधी गई उम्मीदें, डाल रहीं शादी में दरार, क्या है रिश्ते टूटने के पीछे का सच?

रोमांटिक डिनर्स, फॉरेन ट्रिप्स, शॉपिंग, रोमांस के ढेरों पल। यह वो सपनीली उम्मीदें हैं जिनसे अक्सर पूरी मैरिड लाइफ को जोड़ के देखा जाता है। पर कर लेते हैं कि हमको एक दिन सपनों का राजकुमार या राजकुमारी मिलेगी और फिर शादी के बाद जिंदगी खुशियों से भरपूर हो जाएगी। जबकि असल परफेक्ट रिलेशनशिप आ अलग ही रूप दिखाया जाता है। लौविश वैकेशन, रोमांस और ढेरों तरह के सपनीले लम्हे, आदर्श रिश्ते के तौर पर सोशल मीडिया पर

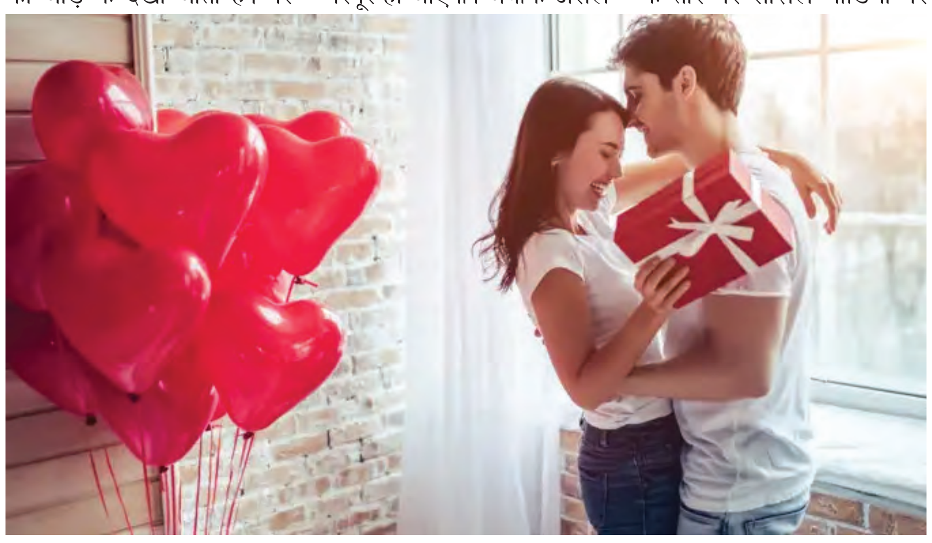

क्या असल में ऐसा ही होता है, नहीं। शादी में तनाव, लड़ाई और सोच विचार न मिलने जैसे लम्हे भी आते हैं, जिनका सामना करते हुए शादीशुदा जिंदगी कठिन लग सकती है।

पर क्या यही कठिनाई शादियां टूटने का कारण भी बन जाती हैं? यह वो सवाल है जो आज के 'सोशल मीडिया शो ऑफ' वाले दौर में मन में उठ सकता है। ऐसे सवालों के जवाब देने का काम स्प्रिचुअल एंड साइकोथेरेपी हीलर डॉ. मधु कोटिया ने किया है।

जिंदगी की रफ्तार

आजकल जिंदगी की रफ्तार भले ही तेज होती जा रही हो लेकिन शादी की ड्यूरेशन कम होती ही दिख रही है। तलाक के बढ़ते मामले इस बात की गवाही देते हैं। डॉ. मधु की मानें तो कम्युनिकेशन की कमी और अपेक्षाएं रिश्ते में दिक्कतें पैदा करने की बड़ी वजहें हो सकते हैं। हमें खुद से एक सवाल जरूर पूछना चाहिए कि कहीं रिश्ते को फैंटेसी के सहारे चलाने की कोशिश तो नहीं की जा रही है। इसमें दुनिया की असल सच्चाइयों को जगह दी गई है या नहीं?

बचपन की छवि

बचपन से ही हम टीवी, फिल्मों और अब सोशल मीडिया से रिश्ते के ऐसे स्वरुप को समझते हैं जिसमें रोमांस, मौज-मस्ती और दुनियाभर की संतुष्टि नजर आती है। रिश्ते का सामाजिक तानाबाना भी हम ऐसे ही बना लेते हैं। फिल्मों और दूसरे माध्यमों से हम यह भी तय जिंदगी में प्यार को विश्वास, नियमित प्रयास और विकास के नजरिए से देखना होता है।

कपल के बीच निराशा

एक्सपर्ट मानती हैं कि पिछले कुछ सालों में उन्हें कई कपल काफी निराश नजर आए हैं। इसकी वजह अपेक्षाओं और असलियत के बीच की दूरी है। जब कल्पनाओं वाला जीवन नहीं मिलता है तो जोड़ों के बीच दरार सी आने लगती है। निराशा इसका ही नतीजा है। सबको लगता है कि उनका पार्टनर हर इमोशन, फाइनेंस, सोशल इन्टरेक्शन और स्प्रिचुएलिटी में

भी बेहतरीन परफॉर्म करे। हमेशा ऐसा होना संभव नहीं है।

इमोशनल फुलफिलमेंट

हर किसी को लगता है कि उसका पार्टनर उन्हें पूरा करे। इसके चलते रिश्ते पर बहुत दबाव बनता जाता है। फिर रिश्ते में दरार भी आती जाती है। इमोशनल फुलफिलमेंट किसी के साथ नहीं बल्कि खुद अंदर से महसूस होता है। सोशल मीडिया ने इस अपेक्षा को और बढ़ा ही दिया है क्योंकि इसमें परोस दिए जाते हैं। जबकि जिन जोड़ों की तस्वीरों और वीडियो में यह सब दिखाया जाता है वो भी आइडियल नहीं होते हैं बल्कि यह उनके एडिटेड वर्जन जैसा होता है।

दो लोगों की पार्टनरशिप

दो लोगों की पार्टनरशिप को दो परफेक्ट लोग सफल नहीं बनाते हैं बल्कि अलग लोग होते हुए, एक दूसरे के निर्णयों और परिस्थिति को स्वीकार करना ही इसे असफल होने से बचाता है। इस दौरान विश्वास, दोस्ती और मूल्यों का साझापन काम आते हैं और रिश्ते में प्यार बना रहता है।

कमियों को पूरा करें

हेल्दी मैरिज के लिए जरूरी है कि आपस की कमियों को पूरा किया जाता रहे। इसके लिए प्यार को नए तरीके से समझना होगा। कुछ बातों पर ध्यान दीजिए-

स्वीकार्यता, हर परिस्थिति में यह सोच काम आती है

असल प्यार में विकास सतत होता है

प्यार सिर्फ अच्छे समय में नहीं बल्कि हर स्थिति में एक सा रहता है

अपेक्षाओं का बैलेंस

एक्सपर्ट मानती है कि दंपत्ति के बीच हमेशा अपेक्षाओं का बैलेंस रहना चाहिए। हर किसी को अपने आत्म सम्मान को बनाए रखने का अधिकार है। शादी दो लोगों के आपस में मिलकर चलने का नहीं बल्कि अलग रास्तों पर भी साथ चलते हुए जिंदगी खुशी से गुजारने का नाम है। इसमें सम्मान, सपने और करुणा भी शामिल होते हैं।

दोस्तों के साथ भी नहीं खेलता बच्चा? गंभीर बीमारी का लक्षण है, इग्नोर करने वाले पैरेंट्स रोते हैं

आजकल बच्चों को खाना खाने से लेकर खेलने तक हर चीज के लिए फोन या टीवी चाहिए। बिना फोन या टीवी देखे बच्चों के मुंहसे एक निवाला तक नहीं उतरता। ऐसे में, पैरेंट्स भी थकहार कर खाने की थाली के बराबर में ही मोबाइल फोन लगाकर देते हैं कि कैसे भी खाए लेकिन उनका लाडला या लाडली के पेट में कुछ तो खा ले। भले ही फेवरेट कार्टून देखकर बच्चा उस वक्त पूरा खाना खत्म कर लेता है लेकिन यही आदत धीरे-धीरे उसे स्क्रीन का आदी बना रही है, जो भविष्य में उसे गंभीर बीमारी का शिकार बना सकती है।

अब आप सोच रहे होंगे कि भला सिर्फ फोन देखने से कौन-सी डिजीज हो सकती है? तो आपको यह जानकर हैरानी होगी कि बहुत ज़्यादा स्क्रीन टाइम की वजह से छोटे बच्चे 'वर्चुअल ऑटिज़्म' जैसी गंभीर बीमारी के शिकार हो रहे हैं। यह एक ऐसी समस्या है जो बच्चों की फिजिकल और मेंटल दोनों ही हेल्थ को तबाह कर सकती है। आइए इस लेख में समझते हैं इस बीमारी के बारे में विस्तार से।

वर्चुअल ऑटिज्म एक ऐसी

स्थिति है जिसमें मोबाइल की लत की वजह से बच्चे की फिजिकल और मेंटल हेल्थ प्रभावित होने लगती है। 1 से 3 साल के बच्चों के भीतर इस डिजीज से ग्रसित रहने का खतरा ज्यादा रहता है।

साल 2018 में पहली बार इस बीमारी का हुआ था जिक्र

एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्चुअल ऑटिज्म शब्द पहली बार चर्चा में साल 2018 में आया था, जब एक मनोवैज्ञानिक मारियस टेओडोर ज़म्फिर ने इसका इस्तेमाल किया था। उन्होंने पाया था कि 0 से 3 साल की उम्र के ऐसे बच्चे, जो डेली 4 या उससे ज़्यादा घंटे स्क्रीन (जैसे मोबाइल, टैबलेट, टीवी) पर बिताते हैं, उनके भीतर विकासात्मक कमियां देखी गईं। इन बच्चों में देखने, सुनने और चलने की क्षमता प्रभावित दिखी थी।

वर्चुअल ऑटिज्म की वजह क्या है?

लंबे समय तक मोबाइल या टीवी देखने रहना।

पैरेंट्स या अन्य घर के लोगों से बातचीत न करना।

पार्क, ग्राउंड में खेलने की जगह भी फोन का इस्तेमाल करना

वर्चुअल ऑटिज्म के बड़े लक्षण

दोस्तों के साथ भी न खेलना

बोलने की क्षमता प्रभावित होना।

बिना फोन के चुपचाप बने रहना।

पैरेंट्स या फैमिली मेम्बर के साथ इंटरैक्ट नहीं करना।

सीखने की क्षमता प्रभावित होना

स्लीप से रिलेटेड इश्यू हो सकते हैं।

आउटडोर एक्टिविटी से बचना।

बच्चे का हाइपरएक्टिव होना।

बार-बार मूड स्विंग होना।

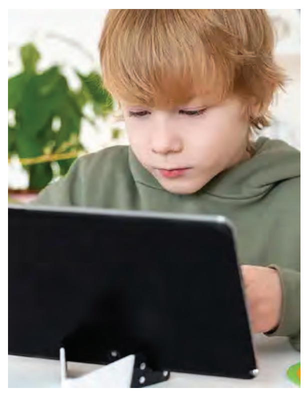

वर्चुअल ऑटिज्म से बच्चों को कैसे बचाएं?

लिमिट करें स्क्रीन टाइमः

सबसे पहले तो स्क्रीन टाइम को लिमिटेड करें। लिमिट में इसलिए क्योंकि जो बच्चा फोन का लती है, तो फौरन उसे मोबाइल छुड़वाना आसान नहीं होगा लेकिन धीरे-धीरे पैरेंट्स कोशिश करें।

किस्से-कहानियां सुनाने की आदत डालेंः

पैरेंट्स को कोशिश करनी चाहिए कि वे किस्से, कहानियां या फिर कविताएं सुनाने के लिए फोन का इस्तेमाल न करें बल्कि जैसे उनके जमाने में होता था कि दादी-नानी कहानियां सुनाया करती थीं, उसी तरह वे भी कोई पोएम या स्टोरी सुना सकते हैं।

आउटडोर एक्टिविटी बढ़ाएंः

भले ही पैरेंट्स कितने भी बिजी क्यों न हो लेकिन भी उन्हें बच्चे के लिए आधे से एक घंटा निकालना चाहिए जिसमें वे अपने लाडले या लाडली को लेकर पार्क जा सके, जहां वे इसके मनपसंद खेल खिला सके।

हर लड़कियों में होते हैं ये पांच गुण, बस सबको दिखाती नहीं

हर किसी में कुछ खूबियां होती हैं। लड़कियां अपनी खूबियों के कारण हर किसी को आकर्षित करती हैं। अधिकतर लड़कियों में कुछ सामान्य से गुण होते हैं, जैसे ज्यादातर लड़कियां भावुक होती हैं। लड़कियों के लिए कहा जाता है कि वह छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाश लेती हैं। लड़कियां केयरिंग होती हैं और अपने प्रियजनों का ख्याल रखना अच्छे से जानती हैं। शादी से पहले अपने पिता और भाई के लिए केयर दिखाने वाली लड़कियां शादी के बाद पति और ससुराल का ख्याल रखती हैं। उनकी ये सारी खूबियां जगजाहिर है लेकिन क्या आपको पता है कि लड़कियों में कुछ ऐसे गुण भी होते हैं जो वह सबको नहीं दिखातीं।

अक्सर लड़कियों के भीतर कई खूबसूरत गुण छुपे होते हैं, जिन्हें वे हर किसी के सामने जाहिर नहीं करतीं। ये गुण उनकी अंदरूनी ताकत और संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। लड़कियों के ये गुण उनकी खूबसूरती को और भी बढ़ाते हैं। वे हर किसी के सामने इन्हें दिखाएं या न दिखाएं, ये गुण उन्हें भीतर से खास बनाते हैं। इस लेख में जानते हैं लड़कियों के

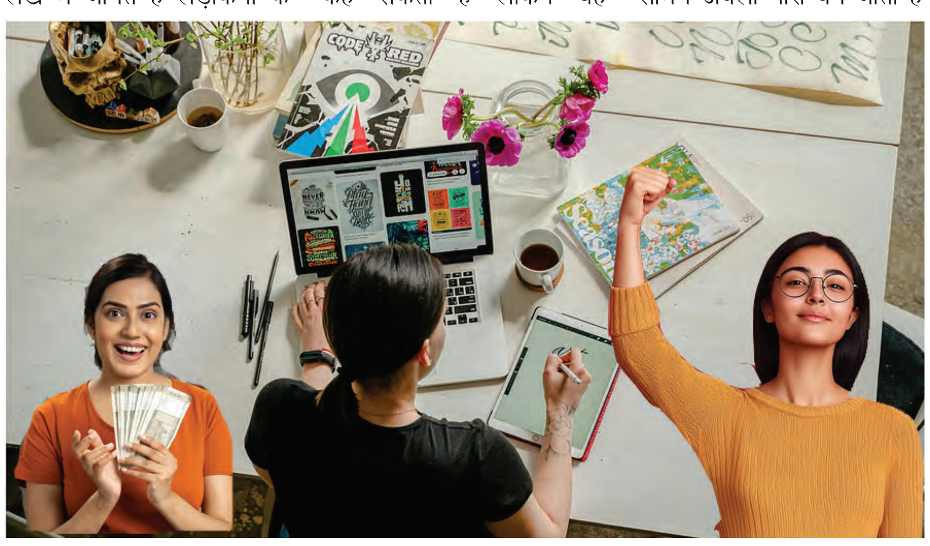

गुणों के बारे में, जिन्हें वह सबसे छुपाकर रखती हैं।

आत्मनिर्भरता

भले ही वह बताती या दिखाती न हो लेकिन हर लड़की अंदर से निर्णय लेने, खुद के लिए खड़े होने और जिम्मेदारी निभाने में सक्षम होती है। भले ही वह कहें कि उन्हें समाज में अकेले रहना नहीं आता, वह कुछ बातों या कामों से अनजान होने की बात भी कह सकती हैं लेकिन वह अंदरूनी तौर पर काफी आत्मनिर्भर होती है। हालांकि हर बार अपनी ताकत को जाहिर करना उनकी फितरत नहीं होती।

आत्मविश्वास

लड़कियां अपना काम खुद करना जानती हैं। उनमें आत्मविश्वास की कमी नहीं होती लेकिन अधिकतर मामलों में समाज अबला नारी को संस्कारी समझता है। ऐसे में वह दुनिया के सामने अबला नारी बन जाती हैं ताकि उनका काम आसानी से हो जाए। सच्चाई यह है कि उन्हें अपने काम के लिए किसी की मदद की जरूरत नहीं होती।

बच्चों से प्यार

हर लड़की में मातृत्व का भाव होता है। बच्चों को देखकर लड़कियों का दिल पिघल जाता है। लेकिन दुनिया के सामने वह ये दिखाती हैं जैसे उन्हें बच्चे पसंद नहीं, ताकि कोई उन्हें आंटी न समझने लगे।

किफायती

अधिकतर सभी लड़कियों में यह गुण होता है। वह पैसे बचाना अच्छे से जानती हैं। महंगे प्रोडक्ट्स, ब्रांडेड बैग और कपड़े खरीदने वाली यही लड़कियां ये भी जानती हैं कि बचत कैसे करनी है। अगर आप किसी लड़की को देखकर ये सोचते हैं कि यह तो बहुत खर्चीली है तो आपको यह भी पता होना चाहिए कि महीने के अंत तक वही लड़की सैलरी बचाने में भी सक्षम होती है।

झांसी की रानी

आमतौर पर सीधी और डरपोक सी दिखने वाली लड़कियां अंदर से झांसी की रानी होती हैं। वह अपने लोगों के लिए लड़ना और उनकी रक्षा करना अच्छे से जानती हैं लेकिन ऐसी लड़कियां अपने झांसी की रानी वाले रूप को दुनिया के सामने जाहिर नहीं करतीं। वह चाहती हैं कि उनका पार्टनर उन्हें प्रोटेक्ट करे। लेकिन जब पार्टनर पर कोई मुसीबत आती है तो वह आक्रामक रूप में आने की क्षमता रखती हैं।

अब अडानी से बिजली खरीदेगा उत्तर प्रदेश, कंपनी के डूबे 7,900 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश अब गौतम अडानी से बिजली खरीदेगा. इसके लिए कंपनी प्रदेश के मिर्जापुर इलाके में 1,600 मेगावाट का पॉवर प्लांट लगाने जा रही है. जानकारी के अनुसार प्रदेश को इस प्लांट से 1500 मेगावॉट की बिजली सप्लाई की जाएगी. यूपी के कैबिनेट से इसकी मंजूरी मिल गई है.

खास बात को ये है कि इस खबर के बाद भी कंपनी के शेयरों में गिरावट है। शेयर बाजार बंद होने तक कंपनी को 7,900 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया। उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2034 तक राज्य की बिजली संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिये अडानी पॉवर लिमिटेड से 1,500 मेगावाट बिजली खरीदेगी. राज्य मंत्रिमण्डल ने मंगलवार को इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने मंगलवार को प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से 2 गुणा 800 मेगावाट (1,600 मेगावाट) ताप बिजली परियोजना से 1,500 मेगावाट बिजली खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी.उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में हुए टेंडर प्रोसेस में अडानी पॉवर लिमिटेड को सफल निविदाकर्ता घोषित किया गया है. उसके द्वारा प्रस्तुत दर सबसे कम 5.383 रुपये रही. शर्मा ने बताया कि राज्य को अपनी बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्ष 2033-34 तक अतिरिक्त 10,795 मेगावाट ताप बिजली की जरूरत होगी. उन्होंने बताया कि निविदा प्रक्रिया में अदाणी पावर लिमिटेड सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी. उसने 3.727 रुपये प्रति यूनिट का फिक्स्ड चार्ज, 1.656 रुपये प्रति यूनिट का ईंधन शुल्क और कुल शुल्क 5.383 रुपये प्रति यूनिट बताया. शर्मा ने बताया कि कंपनी के साथ 25 साल की अवधि के लिए बिजली आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे.अडानी पॉवर का शेयर 3.64 फीसदी की गिरावट के साथ 535.95 रुपए पर बंद हुआ है. कंपनी का शेयर 532.85 रुपए के साथ निचले लेवल पर पहुंच गया. एक दिन पहले कंपनी का शेयर 556.20 रुपए पर देखने को मिला था. एक दिन पहले कंपनी का मार्केट कैप 2,14,583.26 करोड़ रुपए पर था. जो 6 मई को 2,06,712.64 करोड़ रुपए पर आ गया. इसका मतलब है कि कंपनी को एक ही दिन में 7,870.62 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है.

पाकिस्तान की मई में लगी लॉटरी, 3 दिनों में कमाए 47 हजार करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत में देश के अलग-अलग इलाकों में युद्ध की तैयारियों के तहत मॉकड्रिल चल रही हैं. केंद्र सरकार ने 7 मई को देश के कई जिलों में मॉकड्रिल कराने के आदेश भी दे दिए हैं. इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में भारत और पाकिस्तान के बीच जंग होने की संभावना है. वहीं दूसरी ओर सीमा पार पाकिस्तान में कुछ अलग ही रंग देखने को मिल रहा है. पाकिस्तान में तीन कारोबारी दिनों में दो दिनों में अच्छी तेजी देखने को मिली है. जिसकी वजह से तीन दिनों में पाकिस्तान के शेयर बाजार को 47 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. इसके विपरीत भारत के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है. सेंसेक्स में करीब 200 अंकों की गिरावट देखने को मिल रही है. वहीं दूसरी ओर निफ्टी 62 अंकों की गिरावट देखी जा रही है. जानकारों की मानें तो भारत और पाकिस्तान टेंशन के बीच जिस तरह से भारत कह तैयारियां चल रही है, उससे निवेशकों की ओर सतर्क रुख अपना लिया है. जिसकी वजह से शेयर बाजार दबाव में काम कर रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिा दोनों देशों के शेयर बाजार में किस तरह के आंकड़े देखने को मिल रहे हैं. कराची स्टॉक एक्सचेंज में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. आंकड़ों को देखें तो दोपहर1 बजकर 45 मिनट पर कराची स्टॉक एक्सचेंज 665.43 अंकों की तेजी के साथ 114,791.51 अंकों के साथ कारोबार कर रहा है. कारोबारी सत्र के दौरान केएसई100 990.87 अंकों की तेजी के साथ 115,093.11 अंकों पर पहुंच गया था. एक दिन पहले कराची स्टॉक एक्सचेंज पूरे दिन तेजी के साथ कारोबार करता हुआ दिखाई दिया, लेकिन बाजार बंद होने के कुछ समय

पहले शेयर बाजार में दबाव देखने को मिला और 11.7 अंकों की गिरावट के साथ 114,102.24 अंकों बंद हुआ था. जबकि उससे एक दिन पहले केएसई 100 में 2,787.36 अंकों की तेजी देखने को मिली थी.तीन कारोबारी दिनों या यूं कहें कि मई के महीने में अब तक पाकिस्तान के शेयर बाजार ने अच्छा रिकवर किया है. 30 अप्रैल को केएसई100 111,326.58 अंकों पर बंद हुआ था, जो 6 मई को 115,093.11 अंकों के दिन के हाई पर पहुंच गया. इसका मतलब है कि केएसई100 में 3,766.53 अंकों का इजाफा देखने को मिल चुका है. जबकि 22 अप्रैल के बाद से 30 अप्रैल तक कराची स्टॉक एक्सचेंज में 7100 अंकों की गिरावट देखने को मिल चुकी थी और निवेशकों को मोटा नुकसान हो चुका था. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में पाकिस्तान के शेयर बाजार में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है.मई के महीने में पाकिस्तान के शेयर बाजार में रिकवरी हुई है, जिसकी वजह से बाजार को काफी फायदा भी हुआ है. केएसई100 के मार्केट में बड़ी अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली है. आंकड़ों को देखें तो 30 अप्रैल को बाजार बंद होने के बाद केएसई का मार्केट कैप 49.67 बिलियन डॉलर पर था, जोकि 6 मई को बाजार ऊंचाई पर पहुंचने के बाद मार्केट कैप 51.35 अरब डॉलर पर आ गया. इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 1.68 बिलियन डॉलर का इजाफा देखने को मिला है।

एक दिन में सोना 1,479 महंगा

सोने के दाम में तेजी जारी, साल के अंत तक 1.10 लाख जा सकता है

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 6 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,479 बढ़कर 96,761 पर पहुंचा गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 95,282 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,745 बढ़कर 95,845 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 94,100 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,610 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 90,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,460 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत

90,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,510 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 90,250 रुपये है।

इस साल अब तक 20,599 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 20,599 रुपए बढ़कर 96,761 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,828 रुपए बढ़कर 95,845 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था। बीते महीने 22 अप्रैल को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम सर्राफा बाजार में 1 लाख रुपए पर पहुंच गया था। जीएसटी और मेकिंग चार्ज के साथ सोना 1 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम का स्तर पार कर गया है।

टैरिफ और तनाव से बढ़ी व्यापार अनिश्चितता

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाया

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ से वैश्विक स्तर पर व्यापार अनिश्चितता का माहौल है। इसका असर भारत की वृद्धि दर पर भी पड़ने की आशंका है। यही वजह है कि रेटिंग एजेंसी मूडीज ने साल 2025 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने पहले अनुमान जताया था कि 2025 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

भू-राजनीतिक परिस्थितियों का होगा असर

मूडीज ने अपने वैश्विक मैक्रो आउटलुक 2025-26 में मई अपडेट में बताया है कि भूराजनैतिक परिस्थितियों जैसे भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव से भी भारत की विकास दर पर असर पड़ने की आशंका है। इससे निवेश और उद्योगों पर असर आएगा। हालांकि मूडीज ने साल 2025 के लिए भले ही विकास दर में कटौती का अनुमान जताया है, लेकिन साल 2026 में भारत की जीडीपी 6.5 प्रतिशत ही रहने की संभावना जताई है। साल 2024 में भारत की विकास दर 6.7 प्रतिशत रही थी। मूडीज ने उम्मीद जताई है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया विकास को बढ़ावा देने के लिए बेंचमार्क नीतिगत दरों को कम करेगा।

अमेरिका चीन की वृद्धि दर का अनुमान भी घटाया

मूडीज ने कहा है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में जारी टैरिफ युद्ध के असर से पूरी दुनिया में व्यापार और निवेश पर असर आएगा। इसके चलते वैश्विक विकास दर इस साल धीमी रहने का अनुमान है। मूडीज ने अमेरिका के जीडीपी वृद्धि अनुमान को भी कम किया है। मूडीज के तहत 2025 में अमेरिका की वृद्धि दर एक प्रतिशत रह सकती है, जिसके पहले दो प्रतिशत रहने का अनुमान था। वहीं अगले साल अमेरिका की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत रह सकती है, जिसके लिए पहले 1.8 प्रतिशत का अनुमान था। चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2025 में 3.8 प्रतिशत और 2026 में 3.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह 2024 में पांच प्रतिशत के मुकाबले काफी कम है।

गिरावट के साथ बंद शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। बैंकिंग एवं पेट्रोलियम शेयरों में मुनाफावसूली आने और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से निवेशकों की सतर्कता के चलते मंगलवार को शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 156 अंक फिसल गया, जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को गिरावट के साथ खुला सेंसेक्स 155.77 अंक गिरकर 80,641.07 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 81.55 अंक गिरकर 24,379.60 पर पहुंच गया। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को दो दिनों की बढ़त के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 155.77 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 80,641.07 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 315.81 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 80,481.03 के स्तर तक पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी 81.55 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 24,379.60 पर आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि नीतिगत दर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व निर्णय और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता पर चिंताओं से पहले बाजार में कारोबारी गतिविधियां सीमित दायरे में रहीं। सेंसेक्स की कंपनियों में इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाटा मोटर्स, भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और सन फार्मा में सबसे ज्यादा गिरावट आई। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले और मारुति के शेयरों में तेजी का रुख रहा। बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 294.85 अंक चढ़कर 80,796.84 अंक पर और एनएसई निफ्टी 114.45 अंक बढ़कर 24,461.15 अंक पर बंद हुआ था। एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुए। दक्षिण कोरियाई और जापानी बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे।

17800 किलोमीटर मात्र 20 घंटे में: दो साल बाद शुरू होगी सबसे लंबी नॉन-स्टॉप फ्लाइट

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। क्वांटास एयरवेज साल 2027 में 'प्रोजेक्ट सनराइज' शुरू करने जा रही है। इससे हवाई यात्रा का तरीका बदल जाएगा। यह दुनिया की सबसे लंबी नॉन-स्टॉप कमर्शियल उड़ानें होंगी। सिडनी से सीधे लंदन और न्यूयॉर्क के लिए उड़ानें होंगी। सिडनी से लंदन की दूरी करीब 17,800 किलोमीटर है। इस उड़ान में लगभग 20 घंटे लगेंगे। इसमें एयरबस ए350-1000 विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। ये विमान अल्ट्रा लॉन्ग हॉल उड़ानों के लिए बनाए गए हैं। हर विमान में 238 यात्री यात्रा कर सकेंगे। विमान में फर्स्ट, बिजनेस, प्रीमियम इकोनॉमी और इकोनॉमी क्लास होंगी। खास बात यह है कि 40% से ज्यादा सीटें प्रीमियम होंगी। इससे लंबी उड़ानों में यात्रियों को आराम मिलेगा।क्वांटास को इन रूटों पर रोजाना सर्विस देने के लिए कम से कम तीन एयरबस ए350-1000 विमानों की जरूरत होगी। विमानों की डिलीवरी 2026 के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। रेगुलेटरी जरूरतों के कारण विमान के डिजाइन में कुछ बदलाव करने पड़े हैं। इससे डिलीवरी में थोड़ी देरी हो रही है। लेकिन क्वांटास ने साल 2027 की शुरुआत में प्रोजेक्ट सनराइज लॉन्च करने का फैसला किया है।

प्रोजेक्ट सनराइज से यात्रियों को बहुत सुविधा मिलेगी। लेकिन इसके कुछ आर्थिक और पर्यावरणीय पहलू भी हैं। अल्ट्रा-लॉन्ग-हॉल उड़ानें चलाने में बहुत खर्च होता है। नॉन-स्टॉप उड़ानों के लिए ज्यादा ईंधन की जरूरत होती है। इससे ईंधन की खपत बढ़ जाती है। क्वांटास का लक्ष्य है कि वह ज्यादा ईंधन बचाने वाले विमानों का इस्तेमाल करे। वे सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल का भी इस्तेमाल करने की सोच रहे हैं। इन रूटों पर टिकट की कीमतें थोड़ी ज्यादा होंगी। क्योंकि इनमें बेहतर सर्विस और ऑपरेशनल कॉस्ट शामिल हैं।

पाकिस्तान टेंशन के बीच आम लोगों के लिए बुरी खबर, महंगा हो सकता है गैस सिलेंडर

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच टेंशन एकदम हाई पर है। दोनों देशों के बीच युद्ध के बादल कभी भी बरस सकते हैं। इस सबके बीच आम लोगों के लिए एक बुरी खबर आ रही है। दरअसल आने वाले दिनों में एक बार फिर गैस सिलेंडर के दाम बढ़ सकते हैं और इस बार गैस की कीमतों में 100 से 150 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इस सबके पीछे क्या वजह हैं इसके बारे में हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार फाइनेंशियल ईयर 2026 में तेल कंपनियों को रसोई गैस की बिक्री में 30 हजार करोड़ का नुकसान होगा। रिपोर्ट के अनुसार पहले ये नुकसान तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपए का था, लेकिन बीते कुछ दिनों पहले ही सरकार ने गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए की बढ़ोतरी की, जिसके बाद इस नुकसान में 10 हजार करोड़ रुपए की कमी आई। ऐसे में अगर सरकार ने तेल कंपनियों की मदद नहीं की तो

आने वाले दिनों में एक बार फिर रसोई गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ सकती हैं। तेल कंपनियों के घाटे को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से इस नुकसान को वहन करने का आश्वासन दिया गया है, लेकिन इस सबके बीच अगर भारत-पाकिस्तान का युद्ध होता है तब सरकार को एक्स्ट्रा फंड की जरूर होगी, जिसके चलते सरकार तेल कंपनियों को जो राहत देने वाली है, उसे रोक सकती है और इस घाटे को खत्म करने के लिए आम लोगों पर बोझ डाला जा सकता है। तेल कंपनियों को गैस सप्लाई में जो घाटा हो रहा है, वो सऊदी सीपी की वजह से हो रहा है। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार एफवाई 21 और एफवाई 23 में सऊदी सीपी की एवरेज प्राइस 415 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से बढ़कर 712 डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गई है।

एलआईसी का टीसीएस-इंफोसिस से हुआ मोहभंग! अब इन कंपनियों में लगा रही 15 लाख करोड़

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने मार्च तिमाही में अपने 15 लाख करोड़ रुपए के इक्विटी पोर्टफोलियो को रिसफल किया है. जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, एसबीआई और पतंजलि फूड्स पर बड़ा दांव लगाया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस और बजाज ट्विन्स में निवेश कम किया. प्राइम डेटाबेस के नए आंकड़ों के अनुसार, एलआईसी ने 81 एनएसई- लिस्टेड कंपनियों में हिस्सेदारी बढ़ाई और 82 में हिस्सेदारी कम कर दी, क्योंकि पीएसयू बीमाकर्ता का इक्विटी पोर्टफोलियो मार्च के अंत तक 0.73% गिरकर 15.17 लाख करोड़ रुपए हो गया. आंकड़ों के अनुसार, तिमाही के दौरान सबसे बड़ी बढ़ोतरी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) में हुई, जहां एलआईसी ने 2.95 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जिसमें करीब 3,690 करोड़ रुपए का निवेश किया गया. इसके अलावा लार्सन एंड टूब्रो (2,978 करोड़ रुपए), एशियन पेंट्स (2,472 करोड़ रुपए), एचयूएल (2,350 करोड़ रुपए) और बजाज ऑटो (1,948 करोड़ रुपए) शामिल हैं.एलआईसी ने टाटा मोटर्स में भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई, 1,570 करोड़ रुपए के 2.23 करोड़ शेयर खरीदे, जबकि शेयर में 8.9% की गिरावट आई थी. पतंजलि फूड्स में बीमा कंपनी ने अपनी हिस्सेदारी 2.5 प्रतिशत अंक बढ़ाई, जो प्रतिशत के लिहाज से सबसे अधिक बढ़ोतरी है, इसमें 1,631 करोड़ रुपए के शेयर जोड़े. दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक में सबसे बड़ी नेट सेल्स हुई, जिसमें एलआईसी ने 2,006 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि शेयर में 5.2% की बढ़ोतरी हुई. आईटी कंपनियों में, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो ने तिमाही के दौरान शेयर की कीमतों में गिरावट के बीच 4,460 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री देखी. बता दें, कि एलआईसी ने बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व में भी अपनी हिस्सेदारी घटा दी, जबकि तिमाही आधार पर इन दोनों कंपनियों ने 30% और 28% से अधिक का प्रॉफिट कमाया. बीमा कंपनी ने दोनों कंपनियों के बीच 659 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया।

भारत में बिटकॉइन ट्रेडिंग हवाला कारोबार के नए तरीके जैसा

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी; क्रिप्टोकरेंसी का रेगुलेशन सिस्टम न होने पर अफसोस जताया

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि 'भारत में बिटकॉइन ट्रेडिंग हवाला कारोबार के नए तरीके से निपटने जैसा है।' कोर्ट ने अफसोस जताया कि केंद्र अब तक क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं बना पाया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि कोर्ट ने दो साल पहले केंद्र से क्रिप्टोकरेंसी की ट्रेडिंग पर पॉलिसी के बारे में अदालत को जानकारी देने के लिए कहा था, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध बिटकॉइन ट्रेडिंग के लिए गिरफ्तार एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि भारत में बिटकॉइन ट्रेडिंग अवैध नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट भारतीय रिजर्व बैंक के एक सर्कुलर को रद्द कर चुका है। रोहतगी ने कोर्ट से कहा कि बिटकॉइन की कीमत बहुत ज्यादा है। कोई भी व्यक्ति एक बिटकॉइन से विदेश में किसी शोरूम में जाकर कार खरीद सकता है। मैंने रविवार को चेक किया कि एक बिटकॉइन की कीमत 82 लाख रुपए थी। गुजरात सरकार और प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वे विस्तृत जवाब दाखिल करना चाहेंगे। इस पर कोर्ट ने राज्य और ईडी को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 19 मई को होगी।केंद्र ने पिछले साल जनवरी में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने और इससे जुड़े अपराधों की जांच करने के सिस्टम पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 25 फरवरी, 2022 को केंद्र से पूछा था कि क्या क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग पर कोई कानून है या नहीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय - 05-50
सूर्यास्त - 18-34
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	04-32 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	वृष---	06-16 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	08-17 बजे
बुध-	मेष	मे	कर्क---	10-29 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	12-41 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	14-48 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला----	16-53 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	19-04 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	21-17 बजे
			मकर...	23-23 बजे
			कुंभ....	01-13 बजे
			मीन....	02-52 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **10-19** तक उपरान्त एकादशी
मास - वैशाख शुक्ल , बुधवार **07 May**
नक्षत्र - पू.फाल्गुनी **18-16** तक उपरान्त उ.फाल्गुनी
योग - व्याघात **01-04** तक उप हर्षण
करण- गर **08-38** तक वणिज
विशेष:- श्री महावीर कैवल ज्ञान
व्रत -त्योहार - टैगोर जयन्ती

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:50 - 07:25	शुभ	उत्पात	18:34 - 20:01	अशुभ
अमृत	07:25 - 09:01	शुभ	शुभ	20:01 - 21:25	शुभ
काल	09:01 - 10:37	अशुभ	अमृत	21:25 - 22:49	शुभ
शुभ	10:37 - 12:13	शुभ	चंचल	22:49 - 00:13	शुभ
रोग	12:13 - 13:49	अशुभ	रोग	00:13 - 01:36	अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:25	अशुभ	काल	01:36 - 03:00	अशुभ
चंचल.	15:25 - 17:01	शुभ	लाभ	03:00 - 04:24	शुभ
लाभ.	17:01 - 18:34	शुभ	उत्पात	04:24 - 05:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा । आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है , या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है । पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है । आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आपके सितारे आपके कार्यस्थल पर प्यार की और संकेत कर रहे है । अत्यंत सावधान रहें। एक गुप्त काम आपके और आपके साथी के बीच दरार पैदा कर सकता है। आप अपने साथी को गोपनीयता के कारणों को समझाने की कोशिश करे और वे आप का समर्थन करेंगे! आपका वित्त बढ़ेगा और उसमे संतुलन रहेगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मुठभेड़ में मारी गई महिला नक्सली

लाश के पास मिली राइफल, जवानों को बीजापुर में बड़ी सफलता

बीजापुर, 6 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। जवानों ने नक्सल रोधी अभियान के दौरान हुई मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को मार गिराया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के करेंगुट्टा की पहाड़ियों और छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा स्थित पहाड़ियों में 21 अप्रैल को 'मिशन संकल्प' शुरू किया गया है। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में महिला नक्सली का शव बरामद हुआ है। अभियान के दौरान सोमवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक महिला नक्सली को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से महिला नक्सली का शव और 303 राइफल बरामद की है।

उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से मिले निशान से अन्य नक्सलियों के भी मारे जाने और घायल होने की संभावना है। हालांकि मारी गई महिला नक्सली की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

12 दिन से जारी है अभियान

अधिकारियों ने बताया कि अब तक इस अभियान के दौरान पिछले 12 दिनों में चार महिला नक्सलियों के शव और अनेक हथियार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण पश्चिम सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बल के जवानों को नक्सल रोधी अभियान पर रवाना किया गया था।

अभियान में कई टीमें शामिल

अधिकारियों ने बताया कि बस्तर क्षेत्र में शुरू किए गए सबसे बड़े नक्सल रोधी अभियानों में से एक इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड, बस्तर फाइटर्स और छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) के जवान समेत विभिन्न इकाइयों के जवान शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबल के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। बीजापुर में जवानों ने इस साल का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान लांच किया है। जिसके नक्सली संगठनों में खौफ है। नक्सली संगठन शांति की अपील कर रहे हैं।

10 हजार रुपए घूस लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

लातेहार, 6 मई (एजेंसियां)। पलामू भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को लातेहार अंचल कार्यालय में एक राजस्व कर्मचारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एसीबी की टीम ने राजस्व कर्मचारी सुशील कुमार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। एसीबी के डीएसपी ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जमीन के म्यूटेशन के लिए राजस्व कर्मचारियों ने रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने जांच शुरू की। आरोप सही पाए जाने पर टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। एसीबी ने जाल बिछाकर सुशील कुमार को गिरफ्तार किया। दूसरे राजस्व कर्मचारी मनोज बेक से पूछताछ की गई। गिरफ्तारी के बाद एसीबी ने आरोपी के आवास पर छापेमारी की। वहां से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए।

कोरोना के बाद से 70 कैदी गायब

संक्रमण रोकने दिया गया पैरोल, अब तक नहीं लौटे, जेल डीजी ने हाईकोर्ट में दिया जवाब

बिलासपुर, 6 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कोरोना महामारी के दौरान संक्रमण रोकने जेल प्रशासन ने कैदियों को पैरोल पर छोड़ा था। लेकिन, जेल से छूटने के बाद अभी तक 70 कैदी वापस नहीं लौटे हैं। हाईकोर्ट की सख्ती दिखाने के बाद जेल डीजी ने शपथपत्र में यह जानकारी दी है। हालांकि, जेल प्रबंधन ने ऐसे फरार कैदियों के खिलाफ थानों में केस भी दर्ज कराया है। जिनकी तलाश की जा रही है। दरअसल, हाईकोर्ट ने पैरोल पर छोड़े गए कैदियों को लेकर हाईकोर्ट ने जेल डीजी से शपथपत्र के साथ जवाब मांगा था। जिसके बाद जेल डीजी की तरफ से हाईकोर्ट को जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक प्रदेश की पांच सेंट्रल जेलों के 83 कैदी पैरोल से नहीं लौटे थे, जिनमें से 10 को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, 3 की मृत्यु हो गई है। अभी भी प्रदेशभर की जेलों से करीब 70 बंदी पैरोल से छूटने के बाद वापस नहीं लौटे हैं। एक बंदी दिसंबर 2002 से गायब हैं। इनमें अधिकतर बंदी हत्या के प्रकरण में जेल में बंद थे। जेल प्रशासन का दावा है कि पुलिस के साथ मिलकर उन्होंने फरार कैदियों की तलाश की। लेकिन, अब तक उनका कोई पता नहीं चला है। अब जेल प्रशासन इन बंदियों की वापसी की राह ताक रहा है। सूचना के अधिकार के तहत रायपुर जेल के वारंट अधिकारी ने 7 बंदियों के पैरोल पर छोड़े जाने के बाद से नहीं लौटने की जानकारी दी है। बिलासपुर जेल में इस तरह 22 बंदी नहीं लौटे हैं। उनके परिजन को बार-बार सूचना देने के बाद भी जब बंदी नहीं लौटे, तो जेल प्रबंधन ने उनके खिलाफ संबंधित थानों में केस दर्ज कराया है। बता दें कि कोरोना महामारी के दौरान फैलते संक्रमण को देखते हुए जेल प्रशासन ने अच्छे आचरण वाले बंदियों को पैरोल पर भेजा था। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के दौरान पैरोल की अवधि कई बार बढ़ाई गई थी। नहीं लौटने वालों में इनकी ही संख्या अधिक है। छत्तीसगढ़ में कुल पांच सेंट्रल जेल रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर और अंबिकापुर में हैं। इसके अलावा 12 जिला और 16 उपजेल हैं। केंद्रीय जेलों के अलावा इन जेलों में भी बंदियों को राहत दी गई थी। कई बंदियों को अंतरिम जमानत पर छोड़ा गया था। जानकार बताते हैं कि अंतरिम जमानत पर जेल के बाहर गए ज्यादातर बंदियों ने कोर्ट से अपनी जमानत करवा ली है। ऐसे में इन बंदियों की निश्चित संख्या की जानकारी जेल प्रबंधन के पास भी नहीं है।

दो जगह ईडी की रेड

पेंट व्यवसायी महेश नागिया के घर पहुंची टीम, भूमि घोटाले से जुड़ा मामला

बोकारो, 6 मई (एजेंसियां)। बोकारो जिले के चास थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापा मारा है। जमीन घोटाले से जुड़े मामले में दो अलग-अलग ठिकानों पर टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की यह कार्रवाई चास के राणा प्रताप नगर और तेतुलिया मौजा इलाके में की गई है। जहां जमीन खरीद-बिक्री में अनियमितताओं और अवैध लेन-देन की शिकायतें सामने आई थीं। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी की शुरुआत सुबह करीब 6:30 बजे हुई जब ईडी की टीम चास के राणा प्रताप नगर स्थित महेश नागिया के घर पहुंची। महेश नागिया एक पेंट व्यापारी होने के साथ-साथ जमीन कारोबार में भी सक्रिय हैं। उनके आवास पर टीम ने दस्तावेजों की जांच की और पूछताछ शुरू की। ईडी की आठ सदस्यीय टीम ने करीब आठ बजे से छानबीन तेज कर दी और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज एवं डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि महेश नागिया का नाम तेतुलिया क्षेत्र में हुए बहुचर्चित जमीन घोटाले में सामने आया है, जिसमें बड़ी मात्रा में जमीन के फर्जी सौदे और अवैध लेन-देन की आशंका जताई गई है। ईडी टीम अभी तक मिले सामान की जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान ईडी टीम की सुरक्षा के लिए उनके साथ केंद्रीय बल के जवान तैनात रहे और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। फिलहाल छापेमारी की प्रक्रिया जारी है और अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद कई बड़े खुलासे हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक बोकारो के तेतुलिया मौजा में वन विभाग की 103 एकड़ जमीन खरीद-बिक्री के मामले की जांच पहले से चल रही है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ईडी ने धनबाद बंदोबस्त कार्यालय (सर्वे सेटलमेंट ऑफिस) में जांच की थी। यहां ईडी ने कागजात की जांच की थी। विभाग के अफसर और कर्मचारियों से कागजात के संबंध में लंबी पूछताछ की गई थी। बोकारो चास के जिस तेतुलिया मौजा की जमीन की प्रकृति बदल कर गड़बड़झाला किया गया है, उसका रिकॉर्ड धनबाद बंदोबस्त कार्यालय में ही रहता है। दरअसल, धनबाद ऑफिस से ही चास और चंदनकियारी का सर्वे सेटलमेंट होता है।

लेवी के लिए की गई थी मुंशी की हत्या

मर्डर और वाहन जलाने के मामले में 5 गिरफ्तार, 52 हजार रुपए बरामद

लातेहार, 6 मई (एजेंसियां)। लातेहार में पुलिस ने माओवादी संगठन से जुड़े एक बड़े मामले का खुलासा किया है। महुआडांड़ के ओरसापाट में 30 अप्रैल की रात हुई रोड कंस्ट्रक्शन साइट के मुंशी अयूब खान की हत्या और वाहनों में आगजनी के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सत्येंद्र यादव, सूरज नाथ यादव, राजेंद्र यादव, कृष्ण यादव और प्रसाद यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सर्किल इंस्पेक्टर पीर अहमद के अनुसार, यह घटना भाकपा माओवादी नेता कुंदन खरवार के निर्देश पर लेवी वसूली के लिए की गई थी। सत्येंद्र यादव और सूरज नाथ यादव के घर से लेवी के 52 हजार रुपए मिले हैं। पुलिस ने धमकी भरा पर्चा और घटना में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन भी जब्त किया है। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की। सर्किल इंस्पेक्टर ने बताया कि माओवादियों ने इससे पहले भी ठेकेदार को पर्चा देकर लेवी के लिए धमकाया था। घटना के बाद किसी नक्सली संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली थी, लेकिन अब गिरफ्तारी से स्पष्ट हो गया है कि यह भाकपा माओवादियों की करतूत थी।

पाकिस्तानी पत्नी वाले जवान का छत्तीसगढ़ कनेक्शन

बस्तर में भी पोस्टेड रहा मुनीर, सीआरपीएफ ने किया बर्खास्त कहा- जानकारी छिपाई, ये नेशनल सिक्योरिटी के खिलाफ

रायपुर, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद सीआरपीएफ का वह जवान भी चर्चा में आया जिसकी पत्नी पाकिस्तानी है। सरकार की ओर से कहा गया कि जवान ने पत्नी की जानकारी छुपाई, जवान को बर्खास्त कर दिया गया है। खास बात यह है कि इस जवान का छत्तीसगढ़ कनेक्शन भी है। सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद छत्तीसगढ़ में भी पोस्टेड रह चुका है। पाकिस्तानी पत्नी की जानकारी छुपाए जाने की वजह से बर्खास्त किए मुनीर ने खुद बताया कि वह छत्तीसगढ़ में काम कर चुका है। बस्तर के सुकमा, बीजापुर जैसे इलाके में सीआरपीएफ के जवान छत्तीसगढ़ पुलिस के साथ मिलकर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन करते हैं। ऐसे ऑपरेशन में मुनीर भी काम कर चुका है। उसने बताया कि दो से ढाई साल वह छत्तीसगढ़ में रहा, छत्तीसगढ़ में ही पोस्टिंग की वजह से उसे यह चांस मिली थी कि वह अगली पोस्टिंग अपनी पसंद की हासिल कर सकता है। जम्मू कश्मीर के रहने वाले मुनीर ने होम स्टेट की पोस्टिंग ली। मई 2024 में उसने पाकिस्तानी महिला से शादी की इसके बाद पहलगाम अटैक की वजह से तब चर्चा में आया जब सरकार पाकिस्तान से आए लोगों को ढूंढ कर वापस भेजने लगी। सरकार की ओर से कहा गया कि मुनीर की पत्नी का वीजा खत्म हो जाने के बावजूद वह भारत में थी और सीआरपीएफ को भी इसकी जानकारी नहीं थी कि मुनीर ने पाकिस्तानी महिला से शादी की है। हालांकि मुनीर ने इन आरोपों को गलत बताया है।

अब मुनीर अहमद ने अपनी सफाई दी है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में उसने कहा- 2022 में विभाग से शादी की परमिशन मांगी थी, लेकिन देरी हुई। इसके बाद 24 मई 2024 को पाकिस्तानी मीनल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शादी की। मुनीर ने कहा- शादी की बात अधिकारियों को भी बताई थी। उन्हें सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स भी दिए थे। जिसमें शादी का कार्ड, शादी की जगह और पत्नी के वीजा से जुड़ी जानकारी थी। दरअसल, 3 मई 2025 को सीआरपीएफ ने मुनीर अहमद को नौकरी से बर्खास्त कर दिया। सीआरपीएफ ने कहा था- मुनीर ने पाकिस्तानी महिला से शादी की बात छिपाई, गैरकानूनी तरीके से उसे भारत में बिना वीजा के रखा, ये नेशनल सिक्योरिटी के खिलाफ है। पत्नी को वापस भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मुनीर ने बताया कि मीनल उसके मामा की बेटी है। भारत-पाक विभाजन से पहले मेरा और उसका परिवार जम्मू-कश्मीर में ही रहते थे। वर्तमान में मीनल की फैमिली पाकिस्तान के सियालकोट में रहती है। हम दोनों का रिश्ता बचपन में ही तय हो गया था। शादी के पहले और शादी के बाद भी मैंने मीनल और शादी से जुड़ी पूरी जानकारी विभाग दी थी। शादी की तस्वीरें, शादी का कार्ड भी दिया था। समय-समय पर विभाग को इन्फॉर्म भी किया था। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के इन्वॉल्वमेंट को लेकर छत्तीसगढ़ का नाम लेकर बयान दिया था, उन्होंने कहा- पाकिस्तान का इससे कोई ताल्लुक नहीं है। यह सारी होम ग्रोन सिचुएशन है इंडिया के खिलाफ। भारत जो उनकी सोकॉल्ड रियासतें है उनमें बगावतें हो रही हैं। एक दो नहीं दर्जनों के हिसाब से नागालैंड से लेकर कश्मीर तक और साउथ में, छत्तीसगढ़ में, मणिपुर में, इन सारी जगह पर हिंदुस्तान की जो दिल्ली में हुकूमत है उसके खिलाफ बगावत हो रही है।

श्रावणी मेला की तैयारियों की समीक्षा

पर्यटन मंत्री ने देवघर-दुमका के अधिकारियों संग की बैठक, 11 जुलाई से शुरू होगा मेला

देवघर, 6 मई (एजेंसियां)। देवघर में 11 जुलाई से शुरू होने वाले राजकीय श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर पर्यटन एवं नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मंगलवार को स्थानीय सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक की। बैठक में संथाल परगना के आयुक्त लालचंद डाडेल, देवघर और दुमका के डीसी, एसपी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। देवघर के डीसी विशाल ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभागवार की गई तैयारियों की जानकारी दी। मंत्री ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विभागवार कार्य योजना और प्रस्तावित बजट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथधाम और बासुकीनाथधाम पहुंचेंगे। कांवरिया पथ पर महीन बालू बिछाने, विद्युत व्यवस्था, मेडिकल सुविधा, साफ-सफाई और आवासन की उचित व्यवस्था की जाए। रूट लाइन में पंडाल निर्माण, पेयजल, शौचालय, स्नानगृह और साज-सज्जा कार्य को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

रास्ते के विवाद में झड़प

दो पक्षों में लाठी-पत्थर से मारपीट, महिला-बच्चे समेत 12 घायल

गिरिडीह, 6 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के देवरी थाना क्षेत्र के रतोईया गांव में रास्ते के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच लाठी-डंडे और पत्थरबाजी में 12 लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हैं। विवाद एक माह पहले शुरू हुआ था। गांव के कुछ लोग सार्वजनिक रास्ते को अपनी निजी जमीन बताकर उस पर बाउंड्री बनाने का प्रयास कर रहे थे। यह रास्ता सैकड़ों वर्षों से गांव के लोगों के आवागमन के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। घायलों में किशोरी राम (50), अशोक राम (49), चंचल

कुमारी (15), टिंकू देवी (40), डोमन राम (60), किरण देवी (50), सुशीला देवी (55), बबलू राम (26), गणेश राम (45), बच्चू राम (25), सुनीता देवी (40) और राजेश कुमार राम (30) शामिल हैं। एक पक्ष के किशोरी राम ने बताया कि विरोधी पक्ष ने उनके पुश्तैनी रास्ते में घेराबंदी कर दी थी। इससे घर से बाहर निकलने में परेशानी हो रही थी। विरोध करने पर विरोधी पक्ष ने हमला कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों पक्षों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, गणेश राम सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर चार पहिया वाहन के आवागमन करने को लेकर विवाद के बाद मारपीट की घटना हो गई। इसमें गांव के कई लोग घायल हो गए। जिस रास्ते पर घेराबंदी की जा रही है, उस रास्ते का पूरा गांव सैकड़ों वर्षों से प्रयोग करता आ रहा है। एक महीने पहले विवाद शुरू हुआ था, जिसके बाद आज मारपीट की घटना हुई है।

कुएं से मिला युवक का शव

हजारीबाग, 6 मई (एजेंसियां)। हजारीबाग में कुएं से एक युवक का शव मिला है। उसके सिर पर चोट के निशान हैं। आशंका है कि किसी ने युवक के सिर पर पत्थर से हमलाकर हत्या की, फिर उसकी लाश को कुएं में फेंक दिया। मामला सिमरा रेस्ट हाउस के पास का है। मृतक की पहचान खिरगांव टोला निवासी भूटेल पांडे के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वह एक सामाजिक कार्यकर्ता थे। वे धार्मिक और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेते थे। सुबह जब हत्या की खबर मिली, मोहल्ले में शोक का माहौल छा गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। उन्होंने सिमरा रेस्ट हाउस चौक को जाम कर दिया। लोगों ने कहा कि पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही हत्याओं से पुलिस और प्रशासन की कार्यक्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय निवासियों का मानना है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है। स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से शव को कुएं से निकाला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं लोगों को शांत करने का प्रयास कर रही है। हालांकि, लोग अभी भी चौक पर डटे हुए हैं, जिससे हजारीबाग से बड़कागांव मार्ग पर यातायात प्रभावित हो रहा है।

दुर्ग में होगी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल

दुश्मन देश का हवाई हमला हुआ तो कैसे खुद को बचाना है, इसकी होगी प्रैक्टिस

दुर्ग, 6 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सिविल डिफेंस वॉर मॉक ड्रिल होगी। केंद्र सरकार की ओर से जारी लिस्ट में दुर्ग शहर का भी नाम है, जहां यह प्रैक्टिस की जानी है। दुर्ग जिला प्रशासन प्रैक्टिस को लेकर जल्द जानकारी साझा करेगा। पाकिस्तान से तनाव के बीच केंद्र सरकार ने देश के 244 जिलों में 7 मई को मॉक ड्रिल करने के लिए कहा है। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह इसलिए किया जा रहा है, जिससे युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी।

दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। सरकार किसी भी संभावित खतरे से पहले तैयारी करना चाहती है।

डिफेंस मॉकड्रिल का मकसद

एयररेड वॉर्निंग सिस्टम के दौरान अलर्टनेस चेक की जाएगी, इंडियन एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कम्युनिकेशन जोड़ना, कंट्रोल रूम और असिस्टेंट कंट्रोल रूम की वर्किंग सही हो, यह तय करना, हमले की स्थिति में आम लोग, छात्र अपनी रक्षा कैसे करें, ब्लैकआउट की स्थिति में क्या करना है, महत्वपूर्ण संस्थानों, प्लांट्स को कैसे बचाना-छिपाना है।

दिनदहाड़े पेट्रोलपंप कर्मियों से लूट, वीडियो आया सामने

पिस्टल के बल पर 25 हजार रुपए लूटे, बाइक से आए थे तीन बदमाश

जमशेदपुर, 6 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में मंगलवार को दिनदहाड़े पेट्रोलपंप कर्मियों से लूट ने पुलिस को खुली चुनौती दे दी है। बाइक सवार तीन बदमाश पेट्रोल भरवाने के बहाने पंप पर पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो चुकी है। लूट की यह वारदात पोटका थाना क्षेत्र में हाता स्थित एचपी पेट्रोल पंप की है। बदमाशों ने पिस्तौल की नोक पर पेट्रोलपंप कर्मियों से 25 हजार रुपए की लूट की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक बाइक पर तीन युवक पेट्रोल पंप पर पहुंचे और गाड़ी में तेल डलवाने लगे। इसी बीच एक युवक, जो कुछ दूरी पर पेट्रोलपंप कर्मियों के पास पहुंचा। जैसे ही बाइक सवार युवक ने गाड़ी स्टार्ट की, दूसरे युवक ने पिस्टल निकालकर पेट्रोलपंप कर्मियों की ओर तान दिया। युवक ने उनके पास मौजूद कैश लूट और खुलेआम पिस्तौल लहराते हुए फरार हो गए। पूरी वारदात कुछ ही मिनटों में अंजाम दी गई, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। इधर, सूचना मिलने पर पोटका थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

10 लोगों की घर वापसी ईसाई धर्म छोड़ हिंदू बने

आदिवासियों को बीमारी ठीक करने का झांसा दिया, बाइबिल पढ़वा कर ब्रेन वॉश किया

कोंडागांव, 6 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में 10 लोगों ने ईसाई धर्म छोड़कर अपने मूल धर्म आदिवासी समाज में वापसी की है। इनमें 3 बच्चे भी शामिल हैं। ये लोग पिछले 3-4 साल से ईसाई धर्म में फंसे हुए थे। जिन्हें प्रलोभन देकर, बहला फुसलाकर धर्म छोड़ने को मजबूर किया गया था। धर्म में वापसी करने लोगों ने अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से मानसिक बंधन में थे। वे बिमारी के इलाज के लिए गए थे। जहां उनसे प्रार्थना कराई गई। पीने के लिए पानी दिया गया। जिससे उस वक्त तो बीमारी ठीक हो गई लेकिन बाद में फिर से परेशानी बढ़ गई।

प्रेमी से शादी नहीं होने पर गर्लफ्रेंड ने की खुदकुशी

बॉयफ्रेंड के परिजनों ने शादी से कर दिया था इनकार, परिवार ने घेरा थाना

दुर्ग, 6 मई (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में नाबालिग गर्लफ्रेंड ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। ऐसा उसने इसलिए किया, क्योंकि उसके बॉयफ्रेंड के परिजनों ने शादी कराने से मना कर दिया था। घटना के बाद लड़की के परिजनों ने मंगलवार को मोहन नगर थाने का घेराव कर दिया। मामला मोहन नगर के मुताबिक, लड़की और लड़का दोनों नाबालिग हैं। 27 अप्रैल को लड़का लड़की को लेकर कहीं गया था। उसके बाद वो लड़की को रात में उसके घर छोड़ दिया। इसका पता चलने पर लड़की के घरवालों ने उसे काफी डांट लगाई थी। लड़की के परिजनों ने कहा कि, उनकी बेटी एक लड़के से प्यार करती थी। उन्होंने दोनों की शादी के लिए लड़के परिजनों से बात की, लेकिन उन्होंने शादी करने से मना कर दिया। इससे उनकी बेटी काफी दुखी और गुमसुम रह रही थी। सोमवार को उसने अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। यदि दोनों की शादी के लिए हामी हो जाते तो उनकी बेटी जिंदा होती। परिजनों ने बेटी की मौत के लिए लड़के के परिजनों को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग की है। लड़की के घरवालों ने बताया कि, उन्हें पता चला कि लड़का और लड़की दोनों एक दूसरे प्रेम करते हैं। पहले तो उन्होंने लड़की को समझाया, लेकिन जब वो लड़के से शादी करने की जिद पर अड़ी रही तो उन्होंने उसके बालिग होने पर उसके प्रेमी से शादी कराने का वादा किया।

ट्रम्प ने यूएन की 19 हजार करोड़ की मदद रोकी

तीन हजार कर्मियों की छंटनी का प्लान, सिर्फ 5 महीने की सैलरी बची

न्यूयॉर्क, 6 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को मिलने वाले 19 हजार करोड़ का फंड रोक रखा है। इसमें से कुछ पैसा बाइडेन प्रशासन के कार्यकाल का भी है।

ट्रम्प के फंड नहीं देने से यूएन कंगाली के मुहाने पर खड़ा है। बजट संकट इतना गंभीर है कि अगर हालात नहीं बदले, तो 5 महीने के बाद कर्मचारियों को तनख्वाह देने के पैसे भी नहीं होंगे।

बजट संकट के चलते यूएन अपने कई विभागों से 3000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, यूएन नाइजीरिया, पाकिस्तान और लीबिया जैसे देशों में कर्मियों की संख्या 20 फीसदी तक घटाएगा।

बता दें कि यूएन का 2025 का कुल बजट करीब 32 हजार करोड़ का है। अमेरिका अगर इस साल भी अपनी जरूरी वित्तीय मदद नहीं चुकाता तो 2027 तक उसे संयुक्त राष्ट्र महासभा में वोट देने का अधिकार गंवाना पड़ सकता है। यूएन चार्टर के अनुच्छेद 19 के मुताबिक, कोई भी सदस्य देश जो दो साल तक अपनी अनिवार्य सदस्यता शुल्क का भुगतान नहीं करता तो वह महासभा में वोटिंग का अधिकार खो देता है। ईरान, वेनेजुएला, जैसे देशों को अनिवार्य भुगतान न करने के कारण वोटिंग अधिकार गंवाना पड़ा है। हालांकि, ऐसा होने पर यूएन की साख को भी झटका लग सकता है। यूएन के बजट में चीन की हिस्सेदारी 20% है। चीन ने बीते साल हिस्सेदारी देने में देरी की। 2024 में उसका फंड 27 दिसंबर को आया। यूएन उस फंड को खर्च नहीं कर सका। नियमों के तहत पैसा खर्च न होने पर उसे सदस्य देशों को वापस करना पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र को मिलने वाला पैसा सदस्य देशों की आर्थिक क्षमता के अनुसार तय होता है। यह फंडिंग आमतौर पर साल की शुरुआत यानी जनवरी में मिल जानी चाहिए, लेकिन 2024 में करीब 15% भुगतान दिसंबर तक नहीं आया।

2024 में सात हजार करोड़ रुपए की राशि 41 देशों पर बकाया रही। इसमें अमेरिका, अर्जेंटीना, मेक्सिको और वेनेजुएला जैसे देश शामिल हैं। इस साल अब तक केवल 49 देशों ने समय पर भुगतान किया है। बाकी देशों ने फंड को लेकर चुप्पी साध रखी है।

बीते वर्ष 80 साल पुराने संगठन संयुक्त राष्ट्र को बजट और नकदी के स्तर पर कुल 1,660 करोड़ का सीधा घाटा हुआ। यह घाटा तब हुआ जब यूएन ने अपने कुल बजट का 90 फीसदी ही खर्च किया था। यूएन के इंटरनल ऑडिट के मुताबिक अगर एजेंसी ने कटौतियां नहीं कीं तो इस साल के अंत तक घाटा 20 हजार करोड़ रुपए तक जा सकता है।

यमन में हूती विद्रोहियों के बंदरगाह पर इजराइली एयरस्ट्राइक

2000 किमी दूर 20 फाइटर जेट्स से 50 ठिकानों पर बम गिराए, एयरपोर्ट अटैक का बदला

सना, 6 मई (एजेंसियां)। इजराइली सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले बंदरगाह शहर हुदैदाह पर सोमवार रात भीषण बमबारी की। सेना के मुताबिक हमले में 20 इजरायली वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया। इसके लिए विमानों ने 2000 किमी की दूरी तय की। हमले में हुदैदाह पोर्ट और बाजिल कंक्रीट फैक्ट्री को निशाना बनाया गया। इजराइल डिफेंस फोर्स के मुताबिक फाइटर जेट्स ने कम से कम 50 टारगेट पर बम गिराए।

इजराइल का यह हमला एक दिन पहले हूती विद्रोहियों के तेल अवीव में बेन गुरियन एयरपोर्ट हमले के जवाब में किया गया। मिसाइल हमले में कई लोग घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइल ने इसका बदला लेने का ऐलान किया था। हूती विद्रोहियों का कहना है कि इजराइली हमले में कम से कम 21 लोग घायल हो गए हैं। हूती विद्रोहियों के मीडिया विभाग के चीफ नसरुद्दीन आमेर ने कहा कि वे इस हमले का जवाब देंगे। इजराइली हमले उन्हें नहीं रोक पाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह हमला इजराइल और अमेरिका दोनों ने मिलकर किया था। हालांकि, एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन ने इन हमलों में भाग नहीं लिया।

इजरायली सेना ने कहा कि यह हमला हूती शासन की अर्थव्यवस्था और उसके सैन्य निर्माण के लिए एक झटका है। बाजिल कंक्रीट फैक्ट्री उनके लिए एक अहम आर्थिक संसाधन के रूप में काम करती है और इसका उपयोग सुरंगों और सैन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया जाता है। सेना ने कहा कि हुदैदाह बंदरगाह का इस्तेमाल हूती आतंकी "ईरानी हथियारों, सैन्य जरूरतों के लिए उपकरणों और दूसरे आतंकी मकसद के लिए" करते थे।

गाजा में जंग शुरू होने के बाद यमन में इजराइल का यह छठा और इस साल का पहला हमला था। इजराइल ने कहा है कि यमन पर हमला हूतियों के इजराइल के खिलाफ बार-बार किए गए हमलों के जवाब में किया गया है। मार्च में हूती विद्रोहियों के खिलाफ बड़ा अमेरिकी अभियान शुरू होने के बाद से आईडीएफ ने यमन पर हमला करना रोक दिया था।

इजराइल ने यमन के अलावा सोमवार रात सीरिया, लेबनान और गाजा पर भी हमले किए। आईडीएफ ने साउथ लेबनान और बेका घाटी में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर कई हवाई हमले किए। इसके अलावा उन्होंने लेबनान की सीमा से सटे सीरिया पर भी कई हमले किए। अभी तक इन दोनों इलाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इजराइली सेना ने गाजा पर भी हमला किया। इसमें 54 लोगों की मौत हो गई है। इस बीच इजराइल गाजा में सैन्य अभियान को और तेज करने का ऐलान किया है।

तालिबान से मिलकर अफगानिस्तान का पानी रोकने का है प्लान

पाकिस्तानी एक्सपर्ट का दावा, बुरी तरह से फंस गया है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई रिपोर्ट्स में कहा गया कि पाकिस्तान आर्मी चीफ असीम मुनीर के जाल में भारत फंस गया है। लेकिन पाकिस्तान की एक एक्सपर्ट ने दावा किया है कि भारत नहीं, बल्कि पाकिस्तान जाल में फंस गया है। जियो न्यूज पर बात करते हुए पाकिस्तान की एक्सपर्ट ने दावा किया है कि भारत का मकसद जंग कभी था ही नहीं, बल्कि उसका मकसद पाकिस्तान का पानी रोकना है। पाकिस्तान की जियो-पॉलिटिकल मामलों की एक्सपर्ट डॉ. हुमा बकाई ने सीनियर जर्नलिस्ट हामिद मीर से बात करते हुए दावा किया कि अब भारत, अफगानिस्तान से बहकर पाकिस्तान आने वाली नदियों का पानी रोकने वाला है। डॉ. हुमा बकाई ने दावा करते हुए कहा कि भारत के हालिया साहसिक कदम का असली मकसद पाकिस्तान का पानी रोकना है। भारत न सिर्फ चिनाब, झेलम और सिंधु नदियों को रोकना चाहता है, बल्कि अफगानिस्तान से होकर गुजरने वाली काबुल नदी को भी 12 स्थानों पर ब्लॉक करना चाहता है। अगर पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में जाना चाहता है, तो उसे पानी का मुद्दा उठाना चाहिए। डॉ. हुमा बकाई के इस दावे ने पाकिस्तान में हड़कंप मचा दिया है। पाकिस्तान अब एक ऐसे संकट की तरफ बढ़ रहा है, जो उसकी आर्थिक रीढ़ पर सीधे वार करता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के डिप्लोमेट्स ने तालिबान सरकार के उच्च-अधिकारियों से मुलाकात की थी। वहीं बात अगर अफगानिस्तान की नदियों की करें, तो काबुल नदी की उत्पत्ति अफगानिस्तान में होती है और यह पाकिस्तान में प्रवेश कर खैबर पख्तूनख्वा के कई क्षेत्रों के लिए जीवनरेखा बन जाती है। इस नदी का पानी पेशावर, नौशेरा, अटक और सिंधु नदी के संगम तक कृषि और जलापूर्ति का मुख्य स्रोत है। हालांकि काबुल नदी भारत-पाकिस्तान के सिंधु जल समझौते (1960) का हिस्सा नहीं है, लेकिन इसकी रणनीतिक अहमियत पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी है।

एयर इंडिया की टोरंटो-दिल्ली फ्लाइट फ्रैंकफर्ट डायवर्ट

शौचालय जाम होने के चलते लिया गया फैसला

फ्रैंकफर्ट, 6 मई (एजेंसियां)। एयर इंडिया की टोरंटो-दिल्ली फ्लाइट को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट डायवर्ट करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्लाइट के शौचालय जाम होने के चलते यह फैसला लिया गया। घटना 2 मई की है। अब एयर इंडिया के प्रवक्ता से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि तकनीकी दिक्कत के चलते फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट डायवर्ट करना पड़ा था।

गौरतलब है कि बीते दो महीने में यह दूसरी ऐसी घटना है, जिसमें शौचालय जाम होने के चलते एयर इंडिया की फ्लाइट को डायवर्ट करना पड़ा और इससे यात्रियों को भारी परेशानी हुई।

इससे पहले 6 मार्च को भी एयर इंडिया को शिकागो से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई126 को 10 घंटे के सफर के बाद वापस शिकागो लौटना पड़ा था। अब 2 मई को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 188 को भी शौचालय जाम होने के चलते डायवर्ट करना पड़ा। एयर इंडिया ने बताया कि फ्रैंकफर्ट उतरने के कुछ घंटे बाद ही तकनीकी दिक्कत को दूर कर लिया गया और फ्लाइट ने अपने गंतव्य स्थान दिल्ली के लिए उड़ान भरी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एयर इंडिया की उड़ानों में लंबे रूट और पुराने विमानों के साथ ही यात्रियों की गलतियों की वजह से ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कनाडा और अमेरिका के रूट पर उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के अधिकतर विमान पुराने हैं, जिनमें शौचालय जाम होने की समस्या हो रही है। साथ ही कुछ यात्री लापरवाही से शौचालय में कचरा फेंक देते हैं, जिससे भी शौचालय जाम हो जाते हैं।

हम खुद सताए हुए हैं, खूनखराबे की धमकी देने वाले बिलावल भुट्टो के तेवर पड़े ढीले

भारत से मांगने लगे 'मदद'

इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पीपीपी चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि उनका देश खुद आतंक से पीड़ित है लेकिन भारत हम पर ही आरोप लगा रहा है। बिलावल ने कहा कि जिस तरह से भारत बिना सबूत को इल्जाम लगा रहा है, उससे कुछ नहीं होगा। आज जरूरत इस बात की है कि मिलकर आतंक के खिलाफ लड़ें। बिलावल ने मंगलवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) में बोलते हुए ये बातें कही हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के साथ बढ़े तनाव पर चर्चा के लिए पाकिस्तान ने असेंबली का विशेष सत्र बुलाया गया है। बिलावल ने इससे पहले सिंधु में भारतीयों को खून बहाने जैसे बयान दिए थे लेकिन असेंबली में उनका रुख नरम दिखा। हालांकि कश्मीर को लेकर उन्होंने कई आरोप भारत पर लगाए हैं।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, बिलावल ने नेशनल असेंबली में कहा कि पाकिस्तान का इस अपराध (पहलगाम आतंकी हमला) में कोई हाथ नहीं है, जिसके लिए उसे दोष दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान खुद आतंकवाद का शिकार है। पाकिस्तान में विदेशी प्रायोजित आतंकी लगातार खून बहा रहे हैं। पाकिस्तान ने आतंकी हमलों में मारे गए अपने सैनिकों और स्कूली बच्चों को देखा, आतंक को हमसे ज्यादा किसी ने नहीं झेला है। बिलावल ने कहा कि आतंकवाद से केवल हथियारों से नहीं लड़ा जा सकता है। इस खतरे से विचार, शिक्षा, आर्थिक सुधार और एकता से लड़ना होगा। भारत की ओर इशारा करते हुए बिलावल ने कहा कि आतंक को दूसरे देशों को बदनाम करके नहीं हराया जा सकता, बल्कि उन शिकायतों को दूर करके हराया जा सकता है जो इसे जन्म देती हैं।

बिलावल ने भारत और पाकिस्तान से एक साथ मिलकर आतंक के खिलाफ काम करने का आह्वान करते हुए कहा कि पाक पीएम शहबाज शरीफ ने भारत को निष्पक्ष जांच का ऑफर देकर अच्छी शुरुआत की है। भारत को आगे बढ़कर इसे स्वीकारना चाहिए ताकि दोनों देशों के सहयोग से गुनाहगारों को पकड़ कर न्याय के कटघरे में खड़ा किया जा सके।

बांग्लादेश में खालिदा जिया की एंट्री, चार महीने बाद इलाज कराकर लौटीं

ढाका, 6 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया लंदन से ढाका लौट आईं। उनके साथ उनकी दो बहुएं जुबैदा रहमान और सैयदा शामिला रहमान भी थीं। खालिदा जिया 4 महीने पहले इलाज कराने लंदन गई थीं। 79 साल की खालिदा जिया दिल, किडनी और लिवर की समस्या से जूझ रही हैं। खालिदा जिया का स्वागत करने के लिए बांग्लादेश नेशनल पार्टी के हजारों कार्यकर्ता एयरपोर्ट पर मौजूद थे। इनमें से कई फूल, बैनर और पोस्टर लिए हुए थे। कुछ समर्थक खालिदा जिया की तस्वीर वाली टी-शर्ट भी पहने हुए थे। वे 'खालिदा जिया डरी नहीं' के नारे लगा रहे थे।

सऊदी अरब में 40 साल से रह रहे भारतीय की खुली किस्मत

घर लौटने से ठीक पहले हाथ लगा जैकपॉट, रातोंरात बने करोड़पति

रियाद, 6 मई (एजेंसियां)। सऊदी अरब में 40 साल काम कर रहे भारतीय प्रवासी थाजुद्दीन अलियार कुंजू ने अपने ग्रुप के साथ 25 मिलियन दिरहम का बिग टिकट जैकपॉट जीता है। यह जैकपॉट उन्होंने केरल के तिरुवनंतपुरम जिले में अपने घर लौटने से ठीक पहले जीता है। 61 साल के अलियार बीते 40 साल से सऊदी में काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फैसला लिया है कि अब वह अपने घर लौट जाएंगे। घर लौटने से ठीक पहले उन्होंने अबू धाबी में हुए ड्रॉ में यह बड़ा पुरस्कार जीता है। अब वह करीब 57 करोड़ भारतीय रुपए की बड़ी रकम के साथ घर आएंगे।

अलियार ने पांच प्रवासों के बाद ये इनाम जीता है। उन्होंने 16 लोगों के एक समूह के साथ मिलकर टिकट खरीदा था। इस समूह में केरल और तमिलनाडु के लोग शामिल हैं। कुंजू ने जीती हुई राशि का एक हिस्सा दान करने का फैसला किया है। सऊदी अरब के हेल शहर में रहने वाले तीन बेटियों के पिता कुंजू ने इस इनाम के लिए खुदा का शुक्र अदा किया है। कुंजू अब केरल में अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने केरल में ही व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई है।

थाजुद्दीन अलियार कुंजू ने अपनी जिंदगी पर बात करते हुए कहा, "मैं अपनी मां का इकलौता बच्चा था। मेरा मार्गदर्शन करने वाला कोई नहीं था। मेरे अंदर काम करने की ललक थी, जो मुझे साल 1985 में सऊदी अरब ले आई। जब मैं सऊदी अरब आया तो मैं खाली हाथ था। उस वक्त हेल शहर में भी रेगिस्तान के सिवा कुछ नहीं था। मैंने खेत में काम करने से शुरुआत की और मैं वाटरप्रूफिंग और ट्रांसपोर्ट का बिजनेस करता हूं।"

इनाम जीतने पर कुंजू ने कहा कि उनको बिग टिकट रैफल के बारे में हाल ही में पता चला था। उन्होंने 16 लोगों का एक समूह बनाया और पिछले पांच महीनों से अपनी किस्मत आजमा रहे थे। उन्होंने कहा, "मैंने यह समूह इसलिए बनाया ताकि जो लोग अपने दम पर टिकट नहीं खरीद सकते, उन्हें भी मौका मिले। इस समूह में केरल के 15 और तमिलनाडु का एक प्रवासी शामिल है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच भारत ने दिखाई ताकत

28000 किमी प्रतिघंटे की स्पीड पर सैटेलाइट की डॉगफाइट, चीन की भी उड़ेगी नींद

नई दिल्ली/बीजिंग, 6 मई (एजेंसियां)। अंतरिक्ष में भारत का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। चंद्रयान-3 से लेकर आदित्य एल-1 तक भारत की अंतरिक्ष ताकत को बता रहे हैं।

दुनियाभर के देश अपने सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने के लिए भारत का रुख कर रहे हैं, क्योंकि भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने उपग्रह को लॉन्च करने के लिए विश्वसनीय और अन्य देशों की तुलना में सबसे सस्ते विकल्प के रूप में पेश किया है। अब भारत अंतरिक्ष में ऐसा कुछ कर रहा है, जिससे चीन और पाकिस्तान के होश उड़ जाएंगे। भारत पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर ऊपर दो उपग्रहों में डॉगफाइट का संचालन कर रहा है।

इस डॉगफाइट के बारे में जानकारी ऐसे समय में आई है, जब पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ा हुआ है। पिछले साल ही चीन ने अपने रक्षा उपग्रहों के बीच निचली कक्षा में डॉगफाइट कराई थी, जिसके बारे अमेरिका ने हाल ही में चिंता जताई है। अंतरिक्ष में डॉगफाइट दो उपग्रहों में उसी तरह की नजदीकी पैंतरेबाजी है, जिस तरह से दो लड़ाकू विमान डॉगफाइट के दौरान करते हैं।

एनडीटीवी से बातचीत में इसरो के चेयरमैन वी नारायणन ने बताया कि भारत के स्पैडेक्स मिशन ने दो बार सफलतापूर्व डॉकिंग और अनडॉकिंग की प्रक्रिया दिखाई है।

नारायणन के अनुसार, डॉकिंग और अनडॉकिंग अभ्यास के बाद भी दोनों उपग्रहों में 50 फीसदी ईंधन बचा हुआ था। इस बचे ईंधन का उपयोग करते हुए, इसरो ने कक्षा में दो उपग्रहों के बीच करीबी समन्वय से जुड़ा एक नया परीक्षण किया, जो हवा में मॉक डॉगफाइट्स के समान था। इस गतिविधि को तकनीकी रूप से जटिल और अंजाम देने में मुश्किल बताया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिक्ष में लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरने वाले दो भारतीय उपग्रहों ने एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 इस सटीक उड़ान पैटर्न में स्वायत्त रूप से भाग लिया।

हाल ही में दो उपग्रहों के बीच निकट मुठभेड़ हुई, जो उनकी कक्षाओं को समायोजित करने के लिए कई दिनों तक चले अभियान के बाद हुई।

19वें वर्ल्ड ट्विंस फेस्टिवल में भारतीय जुड़वां प्रतिभाओं ने मचाई धूम

भोपाल के ट्विंस क्लब ने बढ़ाया मान

मोजियांग/युन्नान, 6 मई (एजेंसियां)। भारत की संस्कृति, रंग और रचनात्मकता का अद्भुत संगम चीन के युन्नान प्रांत में देखने को मिला, जब भोपाल के प्रतिष्ठित ट्विंस क्लब भोपाल ने 19वें इंटरनेशनल ट्विंस फेस्टिवल-2025,चीन में हिस्सा लेकर भारत का नाम रोशन किया। 30 अप्रैल से 4 मई तक चले इस वैश्विक आयोजन में क्लब के 10 जुड़वां प्रतिभागियों ने अपने अनूठे प्रदर्शन से न सिर्फ सभी का ध्यान खींचा, बल्कि भारतीय संस्कृति की छाप भी पूरे फेस्टिवल में छोड़ दी।

इस वर्ष के फेस्टिवल की थीम 'ट्विंस बिकम द ब्रिज एक्रॉस कलचर' पर आधारित थी। कार्यक्रम में अमेरिका, इंग्लैंड, मलेशिया, नाइजीरिया, घाना,

युगांडा, नेपाल, श्रीलंका सहित 20 देशों के 200 से अधिक विदेशी जुड़वां प्रतिभागी और चीन के 500 ट्विंस शामिल हुए।

ग्रैंड ट्विन्स परेड में भारतीय जुड़वां प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधान पहनकर सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया – अभिषेक-अनुज ने भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषाएं प्रदर्शित कीं।

ऋद्धि-सिद्धि ने नौवारी साड़ी और पगड़ी पहन मराठी संस्कृति को सजीव किया। मंजरी-मयूरी ने राजस्थानी घूमर वेशभूषा में आकर्षण का केंद्र रहीं। ओनी-ओनस ने अन्य देशों से आए ट्विंस के साथ भारत के ट्विंस क्लब और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर संवाद किया।

सबसे कम उम्र के प्रतिभागी नित्य-निश्चय ने भी चीन के स्थानीय ट्विंस से भारत की संस्कृति पर चर्चा की और क्लब की जानकारी दी। ट्विंस क्लब भोपाल, जिसे लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (2003) में स्थान मिला है, वर्ष 2014 से इस अंतरराष्ट्रीय फेस्टिवल में भारत का प्रतिनिधित्व करता आ रहा है। यह देश का सबसे बड़ा, सबसे पुराना और सक्रिय ट्विंस क्लब है। इस आयोजन में भाग लेने वाले भारतीय ट्विंस ने न केवल अपनी कला और संवाद कौशल से दुनिया का दिल जीता, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता और गरिमा को वैश्विक मंच पर स्थापित कर दिया।

अशांत बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के वाहन पर हमला

मेजर सहित छह जवान मारे गए, पांच घायल

इस्लामाबाद, 6 मई (एजेंसियां)। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना के वाहन पर बड़ा हमला हुआ है। इस हमले में पाकिस्तानी सेना की फ्रंटियर कोर (एफसी) के छह जवान मारे गए हैं। जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जानकारी के मुताबिक, आईईडी विस्फोट प्रांत के बोलान इलाके में आमिर पोस्ट और अली खान बेस के बीच हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में पाकिस्तानी सेना के मेजर तारिक इमरान, नायक आसिफ, सुबेदार फारूक, नायक मशकूर, सिपाही वाजिद, सिपाही काशिफ की मौत हुई है।

विक्ट्री डे से पहले रूस में यूक्रेनी हमले से बढ़ी हलचल

मॉस्को के चारों हवाईअड्डे अस्थायी रूप से बंद

मॉस्को, 6 मई (एजेंसियां)। रूस के साथ जारी संघर्ष के बीच यूक्रेन ने रूस पर एक बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यूक्रेन ने रूस के करीब दर्जन भर इलाकों पर 100 से ज्यादा ड्रोन से हमला किया, जिन्हें रूसी सेना ने बीच में ही रोक लिया। वहीं इस हमले के कारण मॉस्को के चारों बड़े हवाईअड्डों को अस्थायी रूप से उड़ानें रोकनी पड़ीं। इसके अलावा रूस के नौ अन्य क्षेत्रीय हवाईअड्डों पर भी कामकाज कुछ समय के लिए ठप हो गया।

बता दें कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब रूस 9 मई को विक्ट्री डे यानी नाजी जर्मनी पर जीत की वर्षगांठ मनाने की तैयारी कर रहा है। इस दिन रूस में बड़ा सार्वजनिक अवकाश होता है और कई विदेशी नेता भी मॉस्को पहुंचते हैं। वहीं राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस मौके पर 8 मई से 72 घंटे के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा भी की थी।

रूस की नागरिक उड्डयन एजेंसी रोसावियात्सिया और रक्षा मंत्रालय के अनुसार यूक्रेनी ड्रोन हमले रूस-यूक्रेन सीमा से लगे क्षेत्रों और रूस के अंदर तक हुए। जहां कुर्स्क क्षेत्र में दो लोग घायल हुए, जबकि वोरोनिज क्षेत्र में कुछ क्षति की जानकारी मिली है। वहीं दूसरी ओर रूस ने भी यूक्रेन के खारकीव शहर पर रातभर में 20 ईरानी-निर्मित शाहिद ड्रोन से हमला किया, जिसमें 4 लोग घायल हुए और शहर के सबसे बड़े बाजार बाराबाशोवा में आग लग गई। खारकीव क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी ड्रोन और ग्लाइड बम से हमलों में 7 नागरिक घायल हुए।

अमेरिका के लगातार प्रयास के बाद भी रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम को लेकर बात नहीं बन पा रही है। कारण है कि एक तरफ जहां यूक्रेन अमेरिका के 30 दिनों के युद्धविराम प्रस्ताव पर सहमति जताई, वहीं रूस ने युद्धविराम को लेकर अपनी शर्तें रख दीं। जिसके बाद बीते दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था कि उन्हें अब संदेह है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में चल रहा युद्ध खत्म करना चाहते हैं।

28 शहरों में आज होगी 'मॉक ड्रिल', 54 साल बाद ब्लैकआउट

बजेंगे सायरन; गाइडलाइन जारी

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच गृह मंत्रालय ने देशभर में 7 मई को चिह्नित 244 'नागरिक सुरक्षा जिलों' में सुरक्षा मॉक ड्रिल किया जाएगा। जिसमें राजस्थान के 28 शहरों को शामिल किया है। इसे लेकर प्रदेश के सभी जिलों में गाइड लाइन जारी कर दी है। गौरतलब है कि इससे देश में विदेशी हमले की स्थिति में आपातकालीन तैयारी को परखा और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

इस मॉक ड्रिल को लेकर मंगलवार को सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक मीटिंग होने जा रही है। जिसमें मॉक ड्रिल को लेकर पूरी रूपरेखा तैयार की जा रही हैं। सभी कलेक्टर और एसपी को जानकारी शेयर की जाएगी।

इन शहरों में होगी मॉक ड्रिल

कोटा, रावतभाटा (चित्तौड़गढ़), अजमेर, अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, गंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, सीकर, नाल (बीकानेर), सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर), आबूरोड (सिरोही), नसीराबाद (अजमेर), भिवाड़ी, फुलेरा (जयपुर), नागौर, जालोर, ब्यावर, लालगढ़ (श्रीगंगानगर), सवाई माधोपुर, पाली और भीलवाड़ा

जगह-जगह लगाए सायरन

बीकानेर शहर में सुरक्षा मॉक ड्रिल को लेकर अलग-अलग 10 जगह पर सायरन लगे है। जोधपुर कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने कहा कि 7 मई को मॉक ड्रिल में एयर सायरन बजाए जाएंगे और उसके बाद आम जनता को यह बताया जाएगा कि एयर सायरन बजने पर उन्हें क्या करना है। यहां 18 जगह सायरन लगाए गए हैं।

चिह्नित जगह पर होगा ब्लैकआउट

मॉक ड्रिल के तहत सिटी कंट्रोल से एक हूटर बजेगा। इसके बाद सभी लोगों को अपने घर की सभी लाइटें, मोबाइल टार्च, रोड लाइट, हाईमास्ट लाइट, एनएचएआई और स्टेट हाईवे पर लगी लाइट, टोल पर लगी लाइट के साथ-साथ कार की लाइट भी बंद करनी होगी।

ऐसे करें बचाव

इस दौरान लोगों को जानकारी देनी होगी की वह कैसे एक दूसरे की मदद कर सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति घायल हो जाता है तो उस समय कैसे उसे उपचार मिल सकें। इस लेकर नागरिकों और छात्रों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाता है। एयरपोर्ट, स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल जैसी संवेदनशील जगहों पर विशेष ध्यान रखा जाता है। सभी इलेक्ट्रिक सोर्स को बंद कर दिया जाता हैं, जिससे कि किसी भी प्रकार की जमीन से लाइट दुश्मन तक नहीं पहुंचे और लोकेशन ट्रेस ना हो।

10 तरह के होंगे अभ्यास

-हवाई हमले की चेतावनी सायरनों का संचालन किया जाएगा।

-विद्यार्थियों को नागरिक सुरक्षा उपायों का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

-तत्काल ब्लैकआउट का अभ्यास।

-महत्त्वपूर्ण ढांचों को छिपाना।

-निकासी योजना का पूर्वाभ्यास।

-वायु सेना के साथ हॉटलाइन/रेडियो संचार लिंक का संचालन।

-वार्डन-अग्निशमन सहित नागरिक सुरक्षा सेवाओं की सक्रियता जांचना।

-नियंत्रण-छाया नियंत्रण कक्षों की कार्यक्षमता का परीक्षण करना।

-बंकरों-खाइयों की सफाई करना।

-नागरिक सुरक्षा योजनाओं को अपडेट करना एवं उनका पूर्वाभ्यास

'हिल स्टेशन या तीर्थ?' माउंट आबू के नाम में बदलाव पर बवाल

23 संगठन कर रहे विरोध

सिरोही, 6 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू का नाम बदलने की सरकारी कोशिशों ने सियासी और सामाजिक तूफान खड़ा कर दिया है। प्रस्तावित नया नाम 'आबू राज तीर्थ' सुनते ही शहर में बवाल मच गया। माउंट आबू में 23 सामाजिक संगठनों ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया और इसे जनता की राय के बगैर थोपा गया फैसला बताया।

नाम बदलने की चर्चा अक्तूबर 2024 में नगर पालिका की बैठक में शुरू हुई थी। लेकिन असल खलबली तब मची, जब 25 अप्रैल को स्थानीय स्वशासन विभाग ने नगर पालिका को एक पत्र भेजकर इस पर राय मांगी। यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय से हुई पिछली बातचीत और 15 अप्रैल को सांख्यिकी उप निदेशक के नोट पर आधारित था।

प्रदर्शनकारी साफ कह रहे हैं कि यह बदलाव माउंट आबू की पहचान मिटा देगा। होटल एसोसिएशन के सचिव सौरभ गंगाडिया ने चेतावनी दी, "नाम बदला, तो टूरिज्म तबाह होगा। बेरोजगारी बढ़ेगी, और अगर मांस-शराब पर प्रतिबंध लगा, तो सैलानी आएंगे ही क्यों?"

नक्की झील संघ के अध्यक्ष विकास सेठ बोले, आबू राज तीर्थ नाम से भ्रम पैदा होगा कि यह सिर्फ धार्मिक स्थल है। आम पर्यटक खींचे चले आने के बजाय दूरी बनाएंगे। टाउन वेंडिंग कमेटी के एक सदस्य ने चिंता जताई कि "तीर्थ स्थल घोषित होने पर सामाजिक और धार्मिक नियम लागू होंगे, जिसे संभालना नगर पालिका के बूते से बाहर है।"

स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं कि माउंट आबू के एक विधायक और एक मंत्री नाम और माहौल दोनों बदलने के पीछे सक्रिय हैं। आरोप है कि ये लोग क्षेत्र में शराब और मांस की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की योजना बना रहे हैं।

खबर यह भी है कि मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते मुख्यमंत्री माउंट आबू के दौरे पर आ सकते हैं और तब इस पर अंतिम मुहर लग सकती है। इतिहास की बात करें तो माउंट आबू का आधुनिक विकास 1830 में शुरू हुआ, जब ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे सिरोही रियासत से लीज पर लिया और 1845 में इसे राजपूताना एजेंसी का ग्रीष्मकालीन मुख्यालय बनाया गया। आज यह हिल स्टेशन लाखों पर्यटकों की पसंद है, लेकिन नाम बदलते ही इसके भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं।

100 साल जी कर भी प्रदेश की सेवा करूंगा

बोले पूर्व सीएम अशोक गहलोत

जयपुर, 6 मई (एजेंसियां)। अशोक गहलोत ने कहा कि पूरा राजस्थान खाली कर दिया गया है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। हत्याएं हो रही हैं, आत्महत्याओं के मामले बढ़ रहे हैं, एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही हैं। ऐसे में जब जनता समस्याओं से जूझ रही है, पूरी सरकार ट्रेनिंग लेने में व्यस्त है। वहीं भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है।

अगर 10 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की जा रही है, तो समझिए कितना बड़ा अवैध खनन हो रहा होगा। सरकार को राजस्व का कितना नुकसान हो रहा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि डेढ़ साल सरकार को हो चुके हैं और अब जाकर प्रशिक्षण लेने की बात की जा रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार अब तक कुछ नहीं कर पाई और अब ट्रेनिंग का सहारा ले रही है।

मेरी आलोचना में सलाह भी होती है

गहलोत ने कहा कि उनकी आलोचना सिर्फ विरोध के लिए नहीं होती। मेरे अनुभव के आधार पर मैं जो कहता हूं, उसमें सलाह भी होती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मैं जब बात करता हूं तो जिम्मेदारी से करता हूं। मुख्यमंत्री की ओर से गहलोत की मानसिक स्थिति पर की गई टिप्पणी पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मेरा मानसिक संतुलन बिल्कुल ठीक है। गांधी जी ने कहा था कि वे 125 साल जीना चाहते हैं देश सेवा के लिए, मैं कहता हूं कि मैं 100 साल जिंदा रहना चाहता हूं ताकि राजस्थान के लोगों की सेवा कर सकूं।

मॉक ड्रिल और सुरक्षा मामलों पर रुख

गृह मंत्रालय की मॉक ड्रिल एडवाइजरी और सरकार की गैरहाजिरी पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और विपक्ष पहले ही कह चुका है कि वह सरकार के साथ है। ऐसे निर्णय जल्दबाजी में नहीं होते, इन्हें सोच-समझ कर लेना चाहिए। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को पूरी छूट होनी चाहिए।

पेयजल संकट को लेकर धरना देंगे भाजपा के वरिष्ठ नेता देवी सिंह भाटी

इससे पहले वसुंधरा राजे ने उठाई थी आवाज

बीकानेर, 6 मई (एजेंसियां)। बीकानेर और ग्रामीण क्षेत्र में नहरबंदी के दौरान पैदा पेयजल संकट और लोगों को टैंकरों का महंगा पानी खरीदने को मजबूर होने की परेशानी को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता देवीसिंह भाटी आगे आए है।

भाटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सिंचाई और जलदाय विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों के जनता के बीच जाकर परेशानी समझकर समाधान नहीं करने के आरोप लगाए। भाटी ने चेताया कि जिला प्रशासन ने हालात को नहीं सुधारा तो 8 मई से वह जिला कलक्टर कार्यालय के सामने धरना शुरू कर देंगे।

देवीसिंह भाटी ने कहा कि नहर बंदी से पहले जलदाय विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को पेयजल आपूर्ति के लिए ठोस व्यवस्थाएं नहीं की। नतीजन अब नहर बंदी के दौरान शहर एवं ग्रामीण इलाकों में पानी के लिए लोग त्राहि-त्राहि कर रहे है। इसके बाद भी अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे है। जनप्रतिनिधि जनता की तकलीफ नहीं सुनते और अधिकारी फील्ड में नहीं जाते हैं। बंद कमरे में बैठ कर केवल निर्देश जारी कर रहे है।

ग्रामीण इलाकों में पेयजल डिग्गियां खाली पड़ी है। पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं होने से नलकूप पूरे समय चल नहीं पाते हैं। खाजूवाला में खारे पानी की आपूर्त हो रही है। जलदाय विभाग केवल कागजों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन नहर बंदी में पेयजल व्यवस्था करने में विफल साबित हो रहा है। शहर की प्यास बुझाने वाले शोभासर एवं बीछवाल जलाशय में बहुत कम पानी बचा है।

भाटी ने आरोप लगाया कि नहर बंदी के दौरान टैंकर वाले भी मनमर्जी के दाम वसूल रहे हैं। लोग मजबूरी में 800 से एक हजार रुपए तक पानी के टैंकर के दे रहे हैं। जबकि बीडीए तथा नगर निगम में पचास-पचास लाख रुपए के पेयजल टैंकर वितरण के ठेके कर रखे हैं। उन्होंने कलक्टर से मांग की है कि टैंकरों की दर तय करें। जिला प्रशासन की लापरवाही से राज्य सरकार की बदनामी हो रही है।

एक के बाद एक 10 दुकानें जलकर राख

तेज धमाके की आवाज सुनकर बाहर निकले लोग

6 दमकलों ने 1 घंटे में पाया भयंकर आग पर काबू

कोटा, 6 मई (एजेंसियां)। महावीर नगर थाना क्षेत्र के केशवपुरा चौराहा स्थित एक कटले में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें केशवपुरा फ्लाईओवर के ऊपर तक दिखाई दे रही थीं। आग की चपेट में आकर कटले की लगभग 10 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इनमें एक ढ़ाबा, हार्डवेयर शॉप, मैकेनिक की दुकान, मोबाइल शॉप, बैंड-बाजा की दुकान समेत अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठान शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शी श्याम पेशवानी ने बताया कि आग इतनी भयानक थी कि ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दुकान के अंदर बारूद रखा हुआ हो। उन्होंने बताया कि रात के समय अचानक तेज धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं और देखते ही देखते आग की लपटें आसमान तक पहुंच गईं। आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार की गई। इसके बावजूद करीब आधे घंटे तक आग की लपटें उठती रहीं। उन्होंने बताया कि कटले के अंदर रखे गए अधिकतर सामान पूरी तरह जल चुके हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस और प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि शॉर्ट सर्किट, गैस सिलेंडर या किसी अन्य कारण से आग लगने की आशंका है, लेकिन सटीक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।

शहर में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे अभियान में अवैध बांग्लादेशी नागरिक दस्तयाब अब तक 26 पकड़े

अजमेर, 6 मई (एजेंसियां)। अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 76 वर्षीय बांग्लादेशी हुसैन सरदार उर्फ हुसैन अली को दस्तयाब किया है। इसके साथ ही अब तक कुल 26 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा चुकी है। राजस्थान पुलिस मुख्यालय, जयपुर के निर्देशानुसार राज्य भर में अवैध घुसपैठियों की पहचान और निष्कासन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अजमेर एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि इसी क्रम में अजमेर जिले की एसपी वंदिता राणा के निर्देशन में शहर अजमेर में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और निष्कासन की प्रक्रिया को गंभीरता से अंजाम दिया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दरगाह सीओ लक्ष्मण राम के नेतृत्व में सीआईडी जोन अजमेर, दरगाह थानाधिकारी दिनेश कुमार जीवनानी के साथ मिलकर एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने शहर के दरगाह क्षेत्र में विशेष छापेमारी कर जालियान कब्रिस्तान, अन्दरकोट, नई सड़क, तारागढ़ की पहाड़ी, बड़े पीर का चिल्ला और लंगर खाना गली जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया। एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि अभियान के दौरान मुखबिरों से मिली सूचनाओं, तकनीकी माध्यमों और स्थानीय जानकारियों के आधार पर 15 से 20 संदिग्ध खानाबदोश व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ की गई। इनमें से एक व्यक्ति हुसैन सरदार उर्फ हुसैन अली ने अपनी बांग्लादेशी नागरिकता को स्वीकार किया है। हुसैन ने पूछताछ में बताया कि वह अवैध रूप से भोमरा बॉर्डर पार कर भारत में घुसा और सियालदह (पश्चिम बंगाल) होते हुए नई दिल्ली पहुंचा। वहां कुछ समय रहने के बाद वह अजमेर आ गया और दरगाह क्षेत्र में खानाबदोश के रूप में रह रहा था। पुलिस ने उसे 5 मई को दरगाह क्षेत्र से गिरफ्तार किया और पूछताछ जारी है।

समाजसेवा प्रभाग और सामाजिक न्याय मंत्रालय के बीच एमओयू

वृद्धों के लिए चलेगा 'एजिंग विद डिग्निटी' कार्यक्रम

सिरोही, 6 मई (एजेंसियां)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के समाजसेवा प्रभाग और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के बीच तीन वर्ष के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस एमओयू के तहत देशभर में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए 'एजिंग विद डिग्निटी' (सम्मान के साथ वृद्धावस्था) कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इस राष्ट्रव्यापी पहल का शुभारंभ राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत वृद्धाश्रमों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों (आरडब्ल्यूए) में वरिष्ठ नागरिकों को ध्यान, योग, आध्यात्मिक सत्र, गोष्ठी और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आनंदमय और गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने किया वृद्धों के सम्मान का आह्वान

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा कि माता-पिता और बड़ों का सम्मान हमारी संस्कृति की विशेषता है। आज की प्रतिस्पर्धात्मक और व्यस्त जीवनशैली में वरिष्ठ नागरिकों का साथ और उनका मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनके अनुभव और ज्ञान युवाओं को जीवन की जटिलताओं से जूझने में सहायता कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था एक ऐसा चरण है जहाँ व्यक्ति आत्मिक रूप से सशक्त होकर अपने जीवन का मूल्यांकन कर सकता है और सार्थकता की दिशा में बढ़ सकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में खुशहाली और सक्रियता लाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम में इन हस्तियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव अमित यादव और ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ओर से ओआरसी निदेशिका तथा मैनेजमेंट कमेटी की सदस्य राजयोगिनी बीके आशा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध प्रेरक वक्ता बीके शिवानी समेत समाजसेवा प्रभाग के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, राज्य मंत्री रामदास अठावले और बीएल वर्मा ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए।

'एजिंग विद डिग्निटी' कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं

सम्मेलन व सेमिनारः राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर सम्मेलन व सेमिनार आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों को एक मंच पर लाया जाएगा। सत्र व गतिविधियाँः ध्यान, योग, प्रेरणादायक भाषण और सामूहिक चर्चाओं के माध्यम से उन्हें आध्यात्मिक व मानसिक मजबूती दी जाएगी। वृद्धाश्रमों में कार्यक्रमः समय-समय पर वृद्धाश्रमों में मनोरंजक, ज्ञानवर्द्धक और आनंददायक गतिविधियाँ चलाई जाएंगी।

खड़े ट्रक में घुसी कार

उड़े परखच्चे, 2 लोगों की मौत

बीकानेर, 6 मई (एजेंसियां)। बीकानेर में नोखा के पांचू थाना इलाके में देर रात बड़ा हादसा हो गया। जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में एक गंभीर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, वहां से घायल को बीकानेर रैफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि पांचू पुलिया के पास देर रात एक खड़े ट्रक में एसयूवी गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में नोखा गांव निवासी धीरज जाट और विकास जाट की मौत हो गई। राकेश घायल है, जिसका पीबीएम में उपचार चल रहा है। कार नागौर की तरफ से नोखा आ रही थी। तब नागौर रोड पर गुरू कृपा रेस्टोरेंट के सामने सड़क किनारे खड़े ट्रक में कार घुस गई।

पारिवारिक विवाद के चलते जीजा ने साले को गोली मारी

अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

कोटा, 6 मई (एजेंसियां)। शहर में आज पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो पक्षों में हुए झगड़े के बाद आरोपी ने एक दुकान में घुसकर साले पर फायरिंग कर दी जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के बाद पूरे शहर में नाकाबंदी करवाई गई है। जवाहर नगर थाना क्षेत्र के एसआई गोपाल लाल ने बताया कि मृतक की पहचान हरिओम वैष्णव के रूप में हुई है। वह राजीव गांधी नगर इलाके में अपने रिश्तेदार के साइबर कैफे में बैठा हुआ था। इसी दौरान दूर के रिश्ते में उसका जीजा लगने वाला शंकर वहां पहुंचा और हरिओम पर अचानक फायरिंग कर दी। आरोपी ने चार से पांच राउंड गोलियां चलाईं। गंभीर रूप से घायल हरिओम को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जिस स्थान पर वारदात हुई वह कोचिंग संस्थानों से घिरा इलाका है और वहां छात्रों की भारी आवाजाही रहती है। वारदात के समय भी कई छात्र आसपास मौजूद थे। कोटा शहर की एसपी अमृता दुहान स्वयं मामले की निगरानी कर रही हैं।

जैसलमेर में सैलानी बन आ रहे पोर्न कलाकार

70 साल के बुजुर्ग को फंसाया

जैसलमेर, 6 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के सरहदी क्षेत्र में सैलानी के भेष में पोर्न कलाकार ने भेड़-बकरी चराने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग को बहला फुसलाकर अश्लील हरकतें की। जिसका शर्मनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पर्यटक स्थलों पर आ रहे ऐसे अश्लील लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि जैसलमेर घूमने आई महिला ने न सिर्फ बुजुर्ग के साथ अश्लील वीडियो वेबसाइट पर अपलोड किया है। साथ ही सोशल मीडिया के विभिन प्लेटफॉर्म पर जैसलमेर के पर्यटन स्थलों पर नग्न तस्वीरें भी खींच कर पोस्ट की है।

मासूम से रेप के विरोध में नवलगढ़ कस्बा बंद

हनुमान बेनीवाल ने भजनलाल सरकार पर साधा निशाना

झुंझुनू, 6 मई (एजेंसियां)। झुंझुनू रेप कांड पर मामला गरमा गया है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल इस पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हनुमान बेनीवाल ने कहा झुंझुनू जिले के नवलगढ़ में 8 वर्ष की दलित मासूम का अपहरण करके दुष्कर्म करने का मामला हृदय को झकझोर करने वाला है। पुलिस स्टेशन से महज 300 मीटर दूर यह घटना हुई है। घंटों व्यतीत होने के बावजूद पुलिस अभी तक आरोपी को पकड़ नहीं पाई। हनुमान बेनीवाल ने आगे कहा कि स्थानीय सर्व समाज के लोग इस घटना के बाद आंदोलित भी है। मैने पुलिस के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करके शीघ्रता से आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। प्रदेश में कानून का कोई भय नहीं रहा है इसलिए ऐसे दरिंदे बेखौफ होकर मानवता को शर्मशार करने वाले अपराध कारित करते है। दलित मासूम से रेप मामले में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। आज इस घटना के विरोध में नवलगढ़ कस्बा पूरी तरह बंद है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की ओर से 10 टीमों का गठन किया गया है। परिजनों की मांग है कि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है।

अवैध पेट्रोलियम पदार्थ का काला कारोबार, पकड़ा गया 2270 लीटर

नागौर, 6 मई (एजेंसियां)। जिला मुख्यालय के आसपास मिश्रित पेट्रोलियम पदार्थ के भंडारण व अवैध बिक्री का काला कारोबार पिछले काफी समय से चल रहा है। 3 अप्रेल को मूण्डवा में बड़ी मात्रा में जब्त किए गए पेट्रोलियम पदार्थ को जब्त करने के बाद जिला रसद विभाग एवं सदर थाना पुलिस ने जोधपुर रोड पर खरनाल के पास एक होटल से बड़ी मात्रा में अवैध रूप से भंडारण करके रखे गए पेट्रोलियम पदार्थ सहित अन्य उपकरण व सामान को जब्त किया है। इस सम्बन्ध में देर रात जिला रसद अधिकारी की रिपोर्ट पर सदर थाने में मामला दर्ज किया गया। सदर थानाधिकारी सुरेश कस्वां ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 62 पर खरनाल गांव की सरहद में बने जय जसनाथ भोजनालय से रसद विभाग की टीम के साथ कार्रवाई कर अवैध रूप से ड्रमों में भंडारण किए गए 2270 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ को जब्त किया गया। इसके साथ मौके से चार मोटर, कीमो, मापक, ड्रम से पेट्रोलियम पदार्थ निकालने के काम आने वाला हस्त चालित पम्प, चार टंकियां आदि जब्त किए गए हैं। साथ ही मौके पर 17 ड्रम मिले, जिनमें से 12 में पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था। खास बात यह है कि मौके पर कोई आदमी नहीं मिला। सूत्रों का कहना है कि कार्रवाई की सूचना मिलने के कारण अवैध कारोबार करने वाले मौके से फरार हो गए। गौरतलब है कि गत 3 अप्रेल को मूण्डवा थाना पुलिस व रसद विभाग की टीम ने मूण्डवा के पास सांवरिया सेठ होटल पर कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ जब्त किया था, जो अवैध रूप से भंडारण व बिक्री किया जा रहा था।

हम आज से कांग्रेस विधायकों और मंत्रियों को घेरेंगे : बंडी संजय कुमार

करीमनगर, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की इस टिप्पणी की कड़ी निंदा की है कि राज्य की वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है और वे ऋण लेने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ने फैसला किया है कि चुनाव में लोगों से किए गए वादे अब लागू नहीं किए जा सकते। उन्होंने कहा, बुजुर्गों को 4,000 रुपये की पेंशन अब नहीं दी जाएगी। महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह और सोना नहीं मिलेगा।

4,000 रुपये का बेरोजगारी भत्ता भी नहीं दिया जाएगा। छात्रों को 5 लाख रुपये का आश्वासन कार्ड नहीं मिलेगा। किसानों से किए गए वादे हवा में उड़ा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना में अपना खेल पहले ही खत्म कर दिया है। उन्होंने सवाल

किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जिन्होंने पहले संविधान की किताब हाथ में लेकर तेलंगाना के लोगों से किए गए सभी वादों को लागू करने का वादा किया था, अब क्या जवाब देंगे? उन्होंने कहा कि सीएम की टिप्पणियों से राज्य के मंत्री और कांग्रेस विधायक डर गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है, जिसने अपना वादा तोड़ दिया है और हाथ खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि वे लोगों के साथ मिलकर आज से मंत्रियों और विधायकों को रोकेंगे। राजन्ना सिरिसिला जिले के एल्लारेड्डीपेटा मंडल मुख्यालय का आज दौरा करने वाले केंद्रीय मंत्री बंडी संजय स्थानीय प्रेस क्लब भी गए। उन्होंने कुछ देर स्थानीय पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सीएम की टिप्पणियों पर कटाक्ष किया।

उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जिन्हें तेलंगाना राज्य के परिवार का मुखिया होना चाहिए, मुखिया की तरह काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, राज्य दिवालिया हो गया है। सीएम का इस तरह की टिप्पणी करना शर्मनाक है। लोग पहले से ही कांग्रेस पार्टी के पूरी तरह खिलाफ हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि सीएम की टिप्पणियों के बाद कांग्रेस विधायक भी अपने भविष्य को लेकर डरे हुए हैं और कहा कि सीएम ने अपनी टिप्पणियों से पूरे तेलंगाना के लोगों के स्वाभिमान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है, जबकि दावा किया कि चार करोड़ तेलंगाना के लोगों का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सीएम का यह कहना सरासर झूठ है कि वह अपने दिल्ली दौरे के दौरान पीएम सहित किसी भी केंद्रीय मंत्री से नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा, वह कई बार प्रधानमंत्री से मिल चुके हैं। वह समय-समय पर केंद्रीय मंत्रियों से मिलते रहते हैं।

सीएम प्रजावाणी की कार्यप्रणाली से बिहार ग्रुप-1 के अधिकारी प्रभावित

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार ग्रुप-1 के अधिकारियों की एक टीम ने मंगलवार को हैदराबाद में महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजाभवन में सीएम प्रजावाणी का दौरा किया। उन्होंने सीएम प्रजावाणी की कार्यान्वयन प्रक्रिया का अवलोकन किया, जिसके बारे में उन्हें राज्य योजना बोर्ड के प्रभारी और उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्ना रेड्डी और राज्य नोडल अधिकारी दिव्या देवराजन ने विस्तार से बताया। वे सीएम प्रजावाणी की कार्यप्रणाली से बहुत प्रभावित हुए और कहा कि यह एक अनूठी पहल है जो किसी अन्य राज्य में नहीं देखी गई। उन्होंने बिहार में कार्यान्वयन के लिए अपनी सरकार को इसी तरह के दृष्टिकोण की सिफारिश करने में रुचि व्यक्त की। इस अवसर पर, डॉ. चिन्ना रेड्डी ने कहा कि सीएम प्रजावाणी में पंजीकृत 687 याचिकाओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में वर्तमान प्रथम श्रेणी के समाधान दर के विशिष्ट स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

सीपी ने पुलिसकर्मियों को यातायात किट वितरित किए

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर सी.वी. आनंद ने हैदराबाद यातायात पुलिसकर्मियों को यातायात किट वितरित किए। वितरण के हिस्से के रूप में, यातायात पुलिस को नई टोपियां भी प्रदान की गईं।

ये नई टोपियां मौजूदा टोपियों की जगह पर पेश की जा रही हैं, जो गर्मियों के मौसम में असुविधाजनक पाई गई थीं। नए डिज़ाइन का उद्देश्य उच्च तापमान में ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों के लिए आराम और उपयोगिता में सुधार करना है। कार्यक्रम के दौरान, सी.वी. आनंद ने यातायात कर्मियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उनसे शहर में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता में सुधार जारी रखने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि यातायात उल्लंघनों की प्रभावी निगरानी और उन्हें पकड़ने के लिए चुनिंदा ऊंची इमारतों पर हाई-राइज़ कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा, आयुक्त ने बताया कि हैदराबाद यातायात शाखा को एक ड्रोन प्रदान किया गया है। इस ड्रोन का उपयोग यातायात विश्लेषण और निगरानी के लिए किया जाएगा, जिसका लक्ष्य शहर में परेशानी मुक्त और कुशल यातायात प्रवाह प्रदान करना है। साथ ही यात्रियों को यातायात का निर्बाध प्रवाह प्रदान करने के लिए बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए गूगल टीम की मदद लेने की भी जानकारी दी। जोएल डेविस, संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, हैदराबाद, राहुल हेगड़े, बी.के., डीसीपी यातायात-I, एन. अशोक कुमार, डीसीपी यातायात-II और हैदराबाद यातायात पुलिस के अन्य अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

पुलिस के नशीले पदार्थों के खिलाफ़ प्रवर्तन प्रयासों को वैश्विक मान्यता मिली

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के सीपी. सी.वी. आनंद और एचएनईडब्लू- हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग को दुबई पुलिस द्वारा आयोजित और 13 मई से 15 मई तक आयोजित होने वाले विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूपीएस) 2025 में "एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता" की श्रेणी में प्रथम स्थान दिया गया है। यह सम्मान तेलंगाना और भारत को अग्रणी एंटी-नारकोटिक्स प्रवर्तन के वैश्विक मानचित्र पर रखता है।

विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन एक प्रमुख वैश्विक मंच है जो 138 से अधिक देशों के अग्रणी कानून प्रवर्तन पेशेवरों को एक साथ लाता है। एफबीआई, एनवाईपीडी, एलएपीडी, मेट्रोपॉलिटन पुलिस (यूके), ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस और जर्मन पुलिस आदि जैसी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध एजेंसियों की भागीदारी के साथ, शिखर सम्मेलन रणनीतिक सहयोग, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, आधुनिक पुलिसिंग की चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रभावशाली समाधान और अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इस वर्ष के पुरस्कार नामांकन में तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा देखी गई। महाद्वीपों भर की पुलिस इकाइयों की विस्तृत श्रृंखला से प्राप्त प्रविष्टियों को कुशल चिकित्सकों और दुबई पुलिस से युक्त जूरी द्वारा आयोजित एक कठोर दो चरणीय मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा।

मूल्यांकन मापदंडों में एंटी-नारकोटिक्स आपूर्ति पर प्रभाव, पदार्थ के उपयोग में गिरावट, सामुदायिक जुड़ाव, अंतर एजेंसी सहयोग आदि शामिल थे। पहले चरण में, प्रत्येक न्यायाधीश ने प्रविष्टियों की समीक्षा की और उन्हें स्कोर किया और प्रत्येक श्रेणी में शीर्ष पांच प्रविष्टियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। सी.वी. आनंद शीर्ष पुरस्कार विजेता के रूप में उभरे, जो न केवल तेलंगाना पुलिस के लिए बल्कि देश के सामूहिक मादक पदार्थ विरोधी प्रयासों के लिए भी एक असाधारण उपलब्धि है। इस मान्यता के केंद्र में एच-न्यू का अग्रणी कार्य है, जिसने नशीली दवाओं पर नियंत्रण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को लागू किया है। यह वैश्विक मान्यता राज्य सरकार और हैदराबाद सिटी पुलिस के दृढ़ संकल्प और मादक पदार्थों के खतरे से निपटने में अटूट प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। यह पुरस्कार निरंतर उत्कृष्टता के लिए एक शक्तिशाली प्रोत्साहन के रूप में भी कार्य करता है, जो राज्य सरकार के नशा मुक्त तेलंगाना के मिशन को आगे बढ़ाने में हैदराबाद सिटी पुलिस के समर्पण को मजबूत करता है। डब्ल्यूपीएस टीम ने आनंद को एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड श्रेणी में उत्कृष्टता के लिए प्रथम स्थान के लिए उनके चयन की औपचारिक रूप से सूचना दी है और उन्हें बधाई दी है। डब्ल्यूपीएस टीम ने कहा, यह सुरक्षा और संरक्षा को आगे बढ़ाने में आपकी उल्लेखनीय उपलब्धियों और समुदायों और राष्ट्रों में जागरूकता और प्रभावशाली बदलाव को बढ़ावा देने में आपके प्रयासों की मान्यता है। श्री आनंद 15 मई, 2025 को दुबई पुलिस ऑफिसर्स क्लब, दुबई, यूएई में आयोजित होने वाले पुरस्कार समारोह में पुरस्कार प्राप्त करेंगे।

पीठ दर्द के कारण 25 वर्षीय महिला ने की आत्महत्या

मंचेरियल, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल केंद्र में मंगलवार सुबह एक विवाहिता ने कथित तौर पर इसलिए फांसी लगा ली क्योंकि वह गंभीर पीठ दर्द सहन नहीं कर पा रही थी। पुलिस ने बताया कि गुरीजाला अनुषा (25) पत्नी राकेश निवासी ओल्ड मनचेरियल अपने मायके में फांसी पर लटकी मिली। अनुषा को दो साल पहले कमर दर्द की शिकायत हुई थी।

उसने डॉक्टर से सलाह ली और बीमारी का इलाज कराया। हालांकि, वह दर्द बर्दाश्त न कर पाने के कारण उदास रहने लगी थी। वह दो महीने से अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। उसने यह कदम तब उठाया जब उसके माता-पिता सुबह 4 बजे सो रहे थे। उसका एक बेटा और एक बेटी थी। उसके पिता अंजय्या ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज किया गया। जांच शुरू की गई।

वाहन चोरी करने वाले 8 अपरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, हैदराबाद शहर के कमिश्नर टास्क फोर्स, नॉर्थ जोन टीम ने बंजारा हिल्स पुलिस के साथ मिलकर हैदराबाद और साइबराबाद कमिश्नरेट की सीमा में ऑटो मोबाइल चोरी करने वाले अपराधियों और रिसीवर को गिरफ्तार किया और चोरी की गई 4 डियो वाहन बरामद किए। पुलिस उपायुक्त, टास्क फोर्स, हैदराबाद सिटी, वाई.वी.एस.सुधींद्र ने बताया कि शेख अजहरुद्दीन निवासी, बंजारा हिल्स, मोहम्मद समीर निवासी बोइनपल्ली, मोहम्मद फिरोज, निवासी, बोइनपल्ली, मोहम्मद शादाब निवासी देवरकोंडा, बंजारा हिल्स को गिरफ्तार किया गया है। रिसीवर सैयद अली मुर्तुजा, निवासी मुशीराबाद और 6 किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपी व्यक्ति शेख अजहरुद्दीन बंजारा हिल्स के सिंगाडीकुंटा का निवासी है, वह मैकेनिक के रूप में काम करता है और आसानी से पैसे कमाने के लिए दो-पहिया वाहन चोरी भी करता है।

उसने अपने दोस्त अयान (फरार) के साथ मिलकर बंजारा हिल्स पीएस की सीमा में होंडा डियो वाहन चोरी की है। अजहरुद्दीन ने चोरी की गई डियो गाड़ी अपने दोस्त किशोर-1 को 10 हजार रुपये में बेच दी और आसानी से कमाए गए पैसे को खूब खर्च किया। गिरफ्तार आरोपी और चोरी की गई गाड़ी बीजे से बरामद की गई। इसी तरह, आरोपी व्यक्ति मोहम्मद फिरोज और मोहम्मद समीर दोनों बचपन के दोस्त हैं। फिरोज कसाई का काम करता है और समीर कार ग्लास फिल्म का काम करता है। वे दोनों दो-पहिया वाहन चोरी करने, उन्हें बेचने और आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाते थे। उन दोनों ने बोराबंडा की सीमा में होंडा डियो वाहन की चोरी की और चोरी के वाहन को बेचने के लिए तैयार थे। दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया और उनके कब्जे से चोरी का वाहन बरामद किया गया। इसके अलावा, आरोपी व्यक्ति मोहम्मद शादाब और रिजवान (फरार) दोनों दोस्त हैं। वे दोनों दो-पहिया वाहन चोरी करने, उन्हें बेचने और आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाते थे। उन दोनों ने पेट-बशीराबाद पीएस की सीमा में होंडा डियो वाहन चोरी की। आरोपी शोएब और सैयद अब्दुल रेहान दोनों बचपन के दोस्त हैं। अपने खर्चे पूरे करने के लिए उन्होंने ऑटोमोबाइल चोरी, बिक्री और आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। उन्होंने सनतनगर पुलिस स्टेशन की सीमा में होंडा डियो वाहन की चोरी की है। उन्होंने दाऊद के कहने पर उसे किशोर को बेच दिया, बदले में उसने उसे दूसरे किशोर लड़के को बेच दिया, फिर तीसरे किशोर ने चोरी की गई गाड़ी को सैयद अली मुर्तुजा को 10 हजार रुपये में बेच दिया। विश्वसनीय जानकारी के आधार पर आरोपी सैयद अब्दुल रेहान का पता लगाने के प्रयास किए गए, पता चला कि वह उप-जेल, कांडी, संगारेड्डी जिले में बंद है, दूसरा आरोपी शोएब फरार पाया गया। ईमानदारी से प्रयास किए गए और सबसे पहले रिसीवर किशोरी में से एक को पकड़ा, उसने कहा सैयद अली मुर्तुजा को गिरफ्तार किया गया और चोरी की डियो गाड़ी बरामद की गई। टास्क फोर्स के पुलिस इंस्पेक्टर पी. राघवेंडर और नॉर्थ जोन टास्क फोर्स के एसआई श्रीनिवासुलु दासू, सी.राघवनेडर रेड्डी, नॉर्थ जोन टास्क फोर्स टीम और बंजारा हिल्स, बोराबंदा, पेट-बशीराबाद और सनतनगर पीएस के क्राइम स्टाफ द्वारा गिरफ्तारी की गई।

तहसीलदार को ज्ञापने सौंपा

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता एवं जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, पार्षद शंकर यादव सहित बडी संख्या में कार्यकर्ताओं ने नामपल्ली तहसीलदार को ज्ञापन सौंप कर मांग की कि हैदराबाद में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानियों के तत्काल निकाला जाए। उन्होंने बताया कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों को पाकिस्तानियों और राष्ट्र विरोधी तत्वों की पहचान करने और उन्हें निर्वासित करने का निर्देश दिया है। लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों में इस गंभीर खतरे से निपटने के लिए इच्छाशक्ति की कमी दिखाई दे रही है।

उनके साथ प्रेमसिंह राठौर, जी शंकर यादव पार्षद बेगमबाजार, सुरेखा पार्षद गनफाउंड्री, कृष्णा अन्ना, राजकुमार, रघु, मयूर, वरिष्ठ भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चिन्हित रेलवे स्टेशनों पर सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आज

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एससीआर द्वारा चिन्हित रेलवे स्टेशनों पर 7 मई को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल की जाएगी गृह मंत्रालय द्वारा युद्ध-पूर्व तैयारी पहल के तहत सिविल डिफेंस कार्यक्रम के तहत गृह मंत्रालय द्वारा युद्ध-पूर्व तैयारी पहल के तहत, 7 मई, 2025 (बुधवार) को दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत निम्नलिखित सिविल डिफेंस (सीडी) श्रेणीबद्ध रेलवे स्टेशनों पर व्यापक सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी। काचीगुडा (हैदराबाद डिवीजन), रायचूर (गुंतकल डिवीजन) और औरंगाबाद (नांदेड़ डिवीजन) स्टेशन पर डिफेंस मॉक ड्रिल होगी। यह ड्रिल सिविल डिफेंस नियंत्रक और उप महाप्रबंधक (जनरल), दक्षिण मध्य रेलवे उदयनाथ कोटला की देखरेख में सिविल डिफेंस वालंटियर्स, प्रशिक्षकों और संबंधित कर्मियों की टीम के साथ आयोजित की जा रही है, जो आपातकालीन तैयारियों और अंतर-एजेंसी समन्वय का मूल्यांकन करने के लिए शत्रुतापूर्ण हमले के परिदृश्य का अनुकरण करेंगे। अभ्यास के मुख्य घटकों में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन को सक्रिय करना, दुर्घटना ब्लैकआउट उपायों को लागू करना, निकासी योजना का पूर्वाभ्यास, अग्निशमन, बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और बचाव कार्यों सहित नागरिक सुरक्षा सेवाओं की तत्परता का परीक्षण आदि शामिल हैं। सभी संबंधित विभाग भाग लेंगे और अपने-अपने स्थानों पर मॉक ड्रिल का सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करेंगे। इसके अतिरिक्त, ड्रिल अवधि के दौरान रेलवे स्टेशनों पर ब्लैकआउट उपायों को लागू किया जाएगा, जिसमें नागरिक सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुरूप गैर-जरूरी प्रकाश व्यवस्था को बंद करना और खिड़कियों को ढंकना शामिल है। इस अभ्यास का उद्देश्य युद्धकालीन आपातकाल की स्थिति में समग्र आपातकालीन प्रतिक्रिया ढांचे और रेलवे कर्मियों और बुनियादी ढांचे की तत्परता को मजबूत करना है।

समतल क्रॉसिंग पर मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करें : जीएम एससीआर

रेल निलयम में सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सभी समतल क्रॉसिंग गेटों पर मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने और ट्रेन संचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने की सलाह दी। मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि ट्रेन परिचालन में सख्त समन्वय बनाए रखा जाना चाहिए और ट्रेनों को चलाते समय सभी सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों/अधिकारियों को ट्रेनों और सड़क यात्रियों की सुरक्षा

सुनिश्चित करने के लिए जोन के लेवल क्रॉसिंग गेटों पर मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अग्नि सुरक्षा उपायों, ट्रैक सुरक्षा, विद्युत और सिग्नलिंग वस्तुओं आदि की भी समीक्षा की और कोहरे सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता पर भी चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेनों में अग्निशामक यंत्रों को ठीक से सुरक्षित करने और यात्रियों को आपातकालीन स्थिति में पालन करने के लिए सुरक्षा निर्देश/दिशानिर्देश बोर्ड/पोस्टर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। अरुण कुमार जैन ने अधिकारियों को आरयूबी (रोड अंडर ब्रिज) पर जलभराव बिंदुओं की पहचान करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार के अधिकारियों के समन्वय से जलभराव की समस्याओं को प्राथमिकता पर सुधारने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए तथा अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए ट्रैक पर गश्त बढ़ाने की सलाह दी। बाद में महाप्रबंधक ने डीआरएम को एबीएसएस के अंतर्गत सभी स्टेशनों के चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण है। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्माण के दौरान सभी सुरक्षा उपायों का सख्ती से पालन करने तथा सुरक्षा मानदंडों के पालन में किसी भी तरह का समझौता नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने 12 मीटर चौड़े एफओबी के निर्माण की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने के निर्देश दिए तथा सुरक्षा बढ़ाने के लिए यदि आवश्यक हो तो डिजाइन पहलू की समीक्षा करने की सलाह दी।

वैश्विक शतरंज में धूम मचा रहे प्रतिभाशाली जुड़वां बच्चे

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के 10 वर्षीय जुड़वां भाई अमाया और अनय अग्रवाल ने एकाग्र शतरंज अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक चैतन्य सिंह के मार्गदर्शन में अल्प समय में ही बड़ी उपलब्धियां हासिल कर ली हैं और इस खेल में उज्ज्वल और उभरते सितारे बन गए हैं। हाल ही में, अमाया अग्रवाल ने प्रतिष्ठित महिला कैंडिडेट मास्टर (डब्ल्यूसीएम) खिताब हासिल किया है, जिससे उन्हें 2004 की एफआईडीई रेटिंग प्राप्त हुई है, जिससे उन्हें अंडर-10 लड़कियों की श्रेणी में विश्व की नंबर 2 रैंकिंग हासिल करने में मदद मिली है।

उनके जुड़वां भाई अनय अग्रवाल ने बोस्निया रैपिड शतरंज टूर्नामेंट जीतकर एक राउंड शेष रहते खिताब अपने नाम कर लिया। अनय ने बुडापेस्ट और बोस्निया में क्लासिकल स्पर्धाओं में 100 रेटिंग अंक हासिल किए, जिससे वैश्विक शतरंज में उनकी स्थिति मजबूत हुई, कोच चैतन्य सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया। उन्होंने कहा कि अमाया की तीव्र प्रगति बुडापेस्ट और बोस्निया में उनके शानदार प्रदर्शन से चिह्नित है, जिसमें बेजिलीना ओपन शतरंज टूर्नामेंट के एफएम वर्ग में 8/8 का त्रुटिहीन स्कोर और यू10 रैपिड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ महिला पुरस्कार जीतना शामिल है। उन्होंने कहा कि दोनों ने असाधारण समर्पण और प्रतिभा दिखाई है। इतनी कम उम्र में उनकी उपलब्धियां हैदराबाद और भारत के लिए गर्व की बात है। जुड़वा बच्चों की माँ, पनाशा अग्रवाल ने विश्व स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एकाग्र शतरंज अकादमी को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि हमें अमाया और अनय पर बहुत गर्व है। उनकी कड़ी मेहनत और कोच चैतन्य के मार्गदर्शन ने इन मील के पत्थरों को संभव बनाया है। वर्तमान में हैदराबाद के इंडस पब्लिक स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ रहे अग्रवाल जुड़वां न केवल शतरंज में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून के साथ पढ़ाई को भी संतुलित कर रहे हैं।

पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अलर्ट पर तेलंगाना पुलिस

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पहलगाम नरसंहार के बाद पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच, राज्य पुलिस को किसी भी आंतरिक सुरक्षा खतरे से निपटने के लिए अलर्ट पर रखा गया है। तेलंगाना पुलिस की सभी सुरक्षा शाखाओं को शामिल करके राज्य में स्थिति पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है।

वर्तमान परिदृश्य में, इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के व्यापक उपयोग के साथ, सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से परेशानी पैदा करने की योजनाओं को विफल करने के लिए गलत सूचनाओं से निपटने के लिए पुलिस की साइबर सुरक्षा शाखाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

युद्ध की स्थिति में देश की सीमा के निकट स्थित राज्य अधिक प्रभावित होते हैं। हालांकि, इस बात की पूरी संभावना है कि दुश्मन अपने स्लीपर सेल और समर्थकों को सक्रिय करके देश के किसी सुदूर कोने में गड़बड़ी फैलाने के लिए अलग-अलग रणनीति अपना सकता है। तेलंगाना पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सैन्य, नौसेना और वायु सेना के प्रतिष्ठानों सहित रक्षा प्रतिष्ठान दुश्मन के लिए मुख्य लक्ष्य हैं। यह जरूरी नहीं है कि दुश्मन देश मिसाइलों के साथ ऐसे प्रतिष्ठानों पर हमला करे, देश में मौजूद स्लीपर सेल, अगर कोई हैं, तो बैकअप संसाधनों को कमजोर करने या लोगों में डर पैदा करने के लिए ऐसे प्रतिष्ठानों को निशाना बना सकते हैं।

अधिकारी ने कहा कि पुलिस के लिए यह जरूरी है कि वह कड़ी निगरानी रखे और अपने नेटवर्क को सक्रिय करे, साथ ही ऐसी संभावनाओं को विफल करने के लिए सशस्त्र बलों और केंद्रीय खुफिया शाखाओं के साथ निकट समन्वय स्थापित करे। राज्य पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यह भी संभावना है कि दुश्मन दंगे भड़का सकता है, अफवाहें फैला सकता है और आंतरिक अशांति पैदा करने के लिए आतंकवादी हमले कर सकता है, ताकि सुरक्षा कर्मियों और उपकरणों को अशांत परिदृश्यों से निपटने में लगाया जा सके।

पुलिस ने कार्ययोजना के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया है, लेकिन पता चला है कि वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले ही शहर में हवाई अड्डों, रक्षा प्रतिष्ठानों और सशस्त्र बलों के प्रतिष्ठानों सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करने में शामिल सेना और रक्षा इकाइयों और एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की है। ऐसा बताया जा रहा है कि राज्य खुफिया विभाग भी सतर्क है और घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है।

एसीबी ने कोत्तागुडेम में एससीसीएल कर्मचारी को किया गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसीबी के अधिकारियों ने एससीसीएल के एक कर्मचारी को कंपनी में नौकरी और तबादले का वादा कर भारी मात्रा में नकदी एकत्र करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। खम्मम एसीबी रेंज के डीएसपी वाई रमेश ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए बताया कि कंपनी में ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले आरोपी अन्नाबोइना राजेश्वर राव को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई है। उसे बुधवार को वारंगल में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए तीसरे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

डीएसपी ने बताया कि आरोपी पिछले तीन सालों से ट्रांसफर और मेडिकल अमान्यता के लिए आवेदन करने वाले भोले-भाले कर्मचारियों से पैसे ऐंठ रहा है। ऐसा करने के लिए वह वरिष्ठ अधिकारियों के नाम का इस्तेमाल करता है और उनसे जान-पहचान होने का दावा करता है। इसके अलावा, जब भी एससीसीएल द्वारा नौकरी के लिए अधिसूचना जारी की जाती थी, तो वह नौकरी के इच्छुक लोगों से पैसे भी वसूलता था। कंपनी के सतर्कता विभाग ने उसके लेन-देन की जांच की थी और उन व्यक्तियों से बातचीत की थी जिनके साथ आरोपी का वित्तीय लेन-देन था।

पता चला कि उसने बैंक ट्रांजेक्शन और मनी एक्सचेंज के दूसरे तरीकों से अब तक 32 लाख रुपए की रकम जुटाई है। जिसके बाद एससीसीएल प्रबंधन ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई, जिसने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एसीबी अधिकारियों ने राजेश्वर राव को पैसे देने वाले व्यक्तियों से भी बात की और उनके पैसे के लेन-देन की पुष्टि की। उनके द्वारा एकत्र की गई राशि में वृद्धि होने की संभावना है। डीएसपी रमेश ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या इस मामले में आरोपियों के सहयोगी के रूप में काम करने वाले कोई अन्य लोग भी थे। यह इस साल अब तक खम्मम में एसीबी द्वारा दर्ज किया गया नौवां मामला है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

इंग्लैंड में टीम इंडिया से पहले सेलेक्टर्स की अग्निपरीक्षा

चयन से लेकर रोहित की कप्तानी तक सुलझाने होंगे कई सवाल

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। पहले घर पर न्यूजीलैंड से 0-3 की शर्मनाक हार और फिर ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर 1-3 से मिली मात, टीम इंडिया का लगातार तीसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने का सपना तोड़ गई। अब मौका नई शुरूआत का है क्योंकि टीम इंडिया के इंग्लैंड दौरे के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप के नए साइकिल का भी आगाज़ हो जाएगा। इंग्लैंड दौरा यूं भी हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है। स्विंग के लिए मददगार कंडीशंस, तेज़ गेंदबाज़ों के लिए अनुकूल परिस्थितियों और बल्लेबाजों पर बना रहने वाला मानसिक दबाव सबका सामना करना टीम इंडिया के लिए आसान नहीं होगा।

टीम चयन: फॉर्म बनाम अनुभव की जंग

सेलेक्शन कमेटी के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि किसे मौका दिया जाए ? आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को इंग्लैंड की सीनियर टीम में शामिल करना जोखिम हो सकता है। वहीं अनुभवी लेकिन हालिया फॉर्म में कमजोर खिलाड़ियों को शामिल करना भी आलोचना का कारण बन सकता है। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और नीतीश रेड्डी जैसे युवा जहां संभावनाएं दिखा रहे हैं। वहीं ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर और सरफराज खान जैसे खिलाड़ी इंग्लैंड की कंडीशंस में चयन के दायरे में नजर नहीं आ रहे।

रोहित शर्मा की कप्तानी पर सवाल

इसमें कोई शक नहीं कि इंग्लैंड में रोहित का पिछला दौरा शानदार रहा था। उनका अनुभव भी टीम इंडिया के लिए अहम है लेकिन रोहित की टेस्ट फॉर्मेट में हालिया फॉर्म और सबसे अहम कप्तानी में खोता आत्मविश्वास इंग्लैंड दौरे से पहले खतरे की घंटी है। न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

पिछली 2 टेस्ट सीरीज की हार में रोहित की कप्तानी और बल्लेबाजी की फॉर्म दोनों आलोचना के घेरे में रही। अटकलें तो उनके संन्यास की भी लगाई गईं लेकिन रोहित ने खुद संन्यास की संभावना को तब टाल दिया था। सेलेक्टर्स को तय करना होगा कि क्या रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया इंग्लैंड दौरे पर जाए या फिर किसी नए विकल्प की तलाश की जाए?

विराट बनेंगे इंग्लैंड में फिर कप्तान?

ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं कि कप्तानी की रेस में विराट कोहली का नाम शामिल हो चुका है। जिसे लेकर कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर भी सहमत हैं। टेस्ट में कोहली की कप्तानी का रिकॉर्ड भी उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए पहली पसंद भी बनाता है। लेकिन ये सिर्फ अपुष्ट खबरें हैं, ऐसे में बड़ा फैसला खुद विराट कोहली को लेना होगा। ज़ाहिर तौर पर सेलेक्टर्स यही चाहेंगे कि कप्तान तो वही बने जो अगले 2 साल तक वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकिल में इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हो।

इन फॉर्म सीनियर्स और ऑलराउंडर्स

इंग्लैंड की पिचों पर बॉलिंग ऑलराउंडर्स का रोल बेहद अहम होता है। रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के अलावा हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी इंग्लैंड में बैलेंस बना सकते हैं। साथ ही विराट कोहली के अलावा केएल राहुल और श्रेयस अय्यर का भी इंग्लैंड में विकल्प नहीं होगा। स्पेशलिस्ट विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत भी प्लेइंग-11 का हिस्सा रहेंगे। हालांकि आईपीएल में अपने ऑलराउंड खेल से सभी का दिल जीतने वाले साई सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे पर आजमाया जा सकता है।

4-4 तेज गेंदबाजों को मौका मुमकिन

ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाज़ी का तुरुप का इक्का जसप्रीत बुमराह ही रहे थे। इंग्लैंड में बुमराह के साथ तेज़ गेंदबाज़ी के मोर्चे पर मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज का जाना तय है। चौथे गेंदबाज़ के तौर पर आकाशदीप टीम का हिस्सा हो सकते हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड में भी टीम इंडिया के वही 70-80 फीसदी खिलाड़ी खेलते दिखेंगे जो ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर गए थे। लेकिन उससे पहले बड़ा चैलेंज टीम के कप्तान का चयन होगा, जिसके बाद बारी मुकाबलों के लिए प्लेइंग-11 चुनने की आएगी।

इंग्लैंड दौरे के लिए संभावित टीम इंडिया- विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शुभमन गिल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप।

पंकज आडवाणी ने लगातार तीसरी बार सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक जीता

ध्रुव सितवाला को 5-2 से हराया

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। दिग्गज क्यू खिलाड़ी (बिलियर्ड्स और पूल) पंकज आडवाणी ने फाइनल में धीमी शुरुआत से उबरते हुए ध्रुव सितवाला को 5-2 से हराकर अपना तीसरा सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक खिताब जीता। आडवाणी ने सितवाला के खिलाफ 10-150, 150-148, 81- 150, 150-96, 150-136, 150-147, 150-137 से हराया। आडवाणी ने इससे पहले 2023 और 2024 में भी यह खिताब जीता था

रविवार को देर रात खेले गए फाइनल के शुरुआती तीन फ्रेम में आडवाणी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी दूर थे लेकिन उन्होंने दूसरे फ्रेम में सितवाला द्वारा दिए गए अवसरों का पूरा फायदा उठाते हुए जीत दर्ज की। आडवाणी ने चौथा फ्रेम जीतकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया और लय हासिल करने के बाद खेल पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने अगले तीन फ्रेम जीतकर जीत सुनिश्चित की और ढाई लाख रुपये की पुरस्कार राशि हासिल की। उप विजेता सितवाला को डेढ़ लाख रुपये की इनामी राशि मिली। आडवाणी ने इससे पहले 2023 और 2024 में भी यह खिताब जीता।

आईपीएल 2025 के बीच आरसीबी को दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया बड़ा झटका

ट्रेविस हेड का सिरदर्द भी खत्म!

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। रजत पाटीदार की अगुवाई में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन कर रही है और प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। टीम को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा, जहां कोर्ट ने उबर मोटो को अपना विज्ञापन हटाने का आदेश देने से इनकार कर दिया, जिसमें कथित तौर पर टीम का अपमान किया गया था।

जस्टिस ने क्या कहा?

जस्टिस सौरभ बनर्जी ने फैसला सुनाया कि इस लेवल पर अदालत का हस्तक्षेप उचित नहीं है। इस विज्ञापन में ऑस्ट्रेलिया और सनराइजर्स हैदराबाद के क्रिकेटर ट्रेविस हेड को 'हैदराबादी' के रूप में दिखाया गया है, जो बाइक टैक्सी सर्विस उबर मोटो का प्रचार कर रहे हैं। वो एक काल्पनिक मैच से पहले स्टेडियम के साइनबोर्ड पर बेंगलुरु की जगह 'रॉयली चैलेंज्ड बेंगलुरु' लिख देते हैं।

बता दें कि पिछली सुनवाई के दौरान जस्टिस ने सुझाव दिया था कि एड में कुछ संशोधन की जरूरत हो सकती है। कोर्ट के फैसले में कहा गया, 'यह एड क्रिकेट के खेल के संदर्भ में है जो खेल भावना का खेल है। कोर्ट इस लेवल पर किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप की मांग नहीं करता है।'

आईपीएल 2025 से बाहर हुई सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। ऐसा होते ही हैदराबाद आधिकारिक रूप से आईपीएल के प्लेऑफ की दावेदारी से दूर हो गई। टीम के इस समय 11 मैचों में सिर्फ सात पॉइंट्स हैं और वह पॉइंट्स टेबल में आठवें नंबर पर है। हैदराबाद के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें भी प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी हैं।

यानिक सिनर को मिली राहत

तीन महीने बाद प्रतिबंध समाप्त हुआ इटालियन ओपन में करेंगे वापसी

नई दिल्ली, 6 मई (एजेंसियां)। विश्व के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग के लिए लगा तीन महीने का प्रतिबंध खत्म हो गया और वह अपने घरेलू टूर्नामेंट इटालियन ओपन से कोर्ट पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। सिनर ने इस साल के शुरू में लगातार दूसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीतने के बाद कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। इसके बाद उन्हें विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ हुए समझौते के तहत तीन महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था।

इटालियन ओपन में यह पहला अवसर होगा जब कोई स्थानीय खिलाड़ी विश्व के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में अपनी चुनौती पेश करेगा। इटालियन ओपन 25 मई से शुरू होने वाले साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन से पहले आखिरी बड़ा क्लेकोर्ट टूर्नामेंट है। सिनर को पहले दौर में बाई मिली है। वह शुक्रवार या शनिवार को अपना पहला मैच खेलेंगे।

वैभव सूर्यवंशी बिहार छोड़कर जा रहे हैं?

बंगाल से खेलने का क्या होगा फायदा, सीएबी ने बताया

कोलकाता, 6 मई (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी बिहार छोड़कर जा रहे हैं? क्या ये बात सही है? बिहार से पहले भी कई बड़े क्रिकेटर हुए, मगर टीम इंडिया से खेलने के लिए उन्हें बिहार छोड़ना पड़ा. तो क्या अब वैभव सूर्यवंशी भी उसी ढर्रे पर चलने जा रहे हैं. और यही वजह है कि वो बिहार छोड़ेंगे? अब आप सोच रहे होंगे कि ये बात उठी कहां से. तो इसके तार क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के रखे प्रपोजल से जाकर जुड़ते हैं. सीएबी ने वैभव सूर्यवंशी में अपना इंटरेस्ट दिखाया है, जिसके बाद उनके बिहार छोड़ने की कवायद तेज हो गई है.

बिहार के वैभव सूर्यवंशी को लेकर सीएबी की बड़ी प्लानिंग

हालांकि, वैभव सूर्यवंशी के बिहार छोड़ने और ना छोड़ने को लेकर अभी कुछ भी आधिकारिक नहीं है. रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी बस इतनी खबर है कि क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल इस बारे में सोच रहा है. वैभव सूर्यवंशी के शानदार खेल को देखते हुए उसकी मंशा उन्हें खुद से यानी बंगाल की टीम से जोड़ने की है.

अब सवाल है कि वैभव सूर्यवंशी बंगाल से क्यों जुड़ें? और, सबसे बड़ी बात क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल इस बारे में सोच क्यों रहा है? सीएबी ने इन सवालों का जवाब देते हुए कहा है कि वैभव सूर्यवंशी अगर बिहार से ना खेलकर बंगाल से खेलते हैं तो भारतीय सेलेक्टर्स की नजरें उन पर ज्यादा होंगी. और फिर टीम इंडिया तक उनका पहुंचना आसान हो सकता है.

वैभव सूर्यवंशी बिहार छोड़ेंगे या नहीं? बंगाल की टीम से जुड़ेंगे या नहीं? फिलहाल तो ये बातें कयासों में हैं. लेकिन, अगर इसने अमलीजामा पहन लिया तो फिर वैभव भी बिहार छोड़कर किसी दूसरे स्टेट से खेलने वाले खिलाड़ियों की कतार में खड़े हो जाएंगे. ठीक वैसे ही जैसे ईशान किशन झारखंड से खेलने चले गए. आकाशदीप और मुकेश कुमार ने बंगाल का रुख कर लिया. इनसे पहले भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सबा करीम भी बंगाल से ही खेलकर टीम इंडिया तक पहुंचे थे.

आईपीएल 2025 में खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने तब सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, जब उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में ही शतक जड़ा और वो ऐसा करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए.

धोनी के लिए बदला गया आईपीएल का नियम?

भड़के सुनील गावस्कर, कहा- भारतीय क्रिकेट को नुकसान

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है. इसने युवा खिलाड़ियों को अपने टैलेंट का प्रदर्शन करने के लिए एक बड़ा मंच दिया है. इसकी लोकप्रियता साल दर साल बढ़ती जा रही है, जिससे खिलाड़ियों की कमाई में भी इजाफा हुआ है. सिर्फ अनुभवी या इंटरनेशनल प्लेयर्स ही नहीं युवा और घरेलू क्रिकेट खेल रहे खिलाड़ी भी अब करोड़ों की कमाई करने लगे हैं. लेकिन इसे लेकर भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने चिंता जताई है. उनका मानना है कि अनकैप्ड खिलाड़ियों को बहुत ज्यादा पैसे नहीं दिए जाने चाहिए. गावस्कर ने आईपीएल 2025 में अनकैप्ड खिलाड़ियों के नियमों में बदलाव करने के लिए बीसीसीआई से नाराजगी जताई, जिसके तहत एमएस धोनी को 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया था. सुनील

गावस्कर का मानना है कि ज्यादा पैसे देने पर खिलाड़ियों के अंदर क्रिकेट के प्रति जुनून और भारत के लिए खेलने की भूख खत्म हो सकती है. उनके मुताबिक इससे किसी भी फ्रेंचाइजी को कोई फर्क नहीं पड़ता है. उनके लिए ये अच्छा हो सकता है, लेकिन इससे भारतीय क्रिकेट बर्बाद हो सकता है.

गावस्कर का ये भी मानना है कि धोनी को लीग में बने रहने देने के लिए अनकैप्ड प्लेयर के नियमों में बदलाव हुआ. इसकी सीमा बढ़ाकर 4 करोड़ कर दी गई. गावस्कर ने हाल ही में अपने कॉलम में लिखा, "बड़ी रकम में खरीदे जाने के बाद कई खिलाड़ियों की भूख और जोश गायब हो जाते हैं. फ्रेंचाइजी के लिए शायद यह कोई मायने नहीं रखता क्योंकि उन्हें लगता है कि यह अच्छा है. लेकिन भारतीय क्रिकेट का इससे काफी नुकसान होता है. कोई खिलाड़ी सफल हो या नहीं लेकिन उनके जाने से भारतीय क्रिकेट को फर्क पड़ता है. महेंद्र सिंह धोनी पिछले साल मेगा ऑक्शन से पहले अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए थे. उन्हें लीग में शामिल करने के लिए ही सीमा को बढ़ाकर 4 करोड़ कर दिया गया." गावस्कर के मुताबिक अभी तक कोई भी ऐसा अनकैप्ड खिलाड़ी नहीं दिखा है, जिसे बड़ी रकम में देकर खरीदा गया हो और उसने बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो. उन्होंने कहा, "पिछले कुछ सालों में किसी ऐसे अनकैप्ड खिलाड़ी को याद करना मुश्किल है। जिसे बड़ी रकम में खरीदा गया हो और उसने टीम में शामिल होने को सही साबित किया हो. हो सकता है कि अगले कुछ सालों में वह अनुभव के साथ थोड़ा बेहतर हो जाए. लेकिन अगर वह उसी लोकल लीग में खेल रहा है तो सुधार की संभावना बहुत ज्यादा नहीं होगी." बता दें आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में रसिख डार सलाम सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने थे. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में खरीदा था.

हेटमायर आयरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ ओडीआई टीम से बाहर

राजस्थान टीम से खेल रहे

खेल डेस्क, 6 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में खेल रहे शिमरोन हेटमायर को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर वनडे सीरीज लिए वेस्टइंडीज टीम में जगह नहीं मिली है। हेटमायर की जगह 15 सदस्यीय स्क्वॉड में ज्वेल एंड्रयू को टीम में शामिल किया गया है। हेटमायर दिसंबर में बांग्लादेश दौरे पर 3-0 से वनडे सीरीज जीतने वाली टीम के सदस्य नहीं थे।

शाई होप करेंगे कप्तानी

वनडे सीरीज के लिए घोषित हुई वेस्टइंडीज टीम में शाई होप कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में फिटनेस की वजह से टीम से बाहर रहने वाले शामार जोसेफ और मैथ्यू फोर्डे की वनडे सीरीज में वापसी हुई है। इसके अलावा आमिर जंगू को भी इस वनडे सीरीज के लिए स्क्वॉड में शामिल किया गया है।

हेटमायर आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स से खेल रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है। हालांकि, राजस्थान रॉयल्स का आखिरी लीग मैच 16 मई को जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। आईपीएल फाइनल 25 मई को कोलकाता में खेला जाना है। जबकि उससे पहले 20 मई को क्वालिफायर-1 और 21 मई को एलिमिनेटर और 23 मई को क्वालिफायर-2 खेला जाना है।

वेस्टइंडीज को मई-जून में आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा करना है। वेस्टइंडीज की टीम को मई-जून में आयरलैंड और इंग्लैंड का दौरा करना है। आयरलैंड दौरे पर वेस्टइंडीज 21 मई से 25 मई के बीच तीन वनडे मैच खेलेगी। तीनों मैच मैलाहाइड में होगा। वहीं उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 29 मई को हेडिंग्ली में पहला वनडे मुकाबला खेलेगा, जबकि दूसरा मैच 1 जून को कैरिफ में और तीसरा मुकाबला 3 जून को द ओवल में खेला जाएगा। उसके बाद 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगा। फिर आयरलैंड के खिलाफ भी 12 जून से तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

आईपीएल बीच आंद्रे रसेल को खरीदने की कोशिश

जीएमआर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप से आया ऑफर

मुंबई, 6 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने 11 में से 5 मुकाबले जीते हैं. फिलहाल वो 11 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है. अब उसे अपना अगला मुकाबला 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने होमग्राउंड कोलकाता में खेलना है. इस बीच शाहरुख खान के एक खिलाड़ी को खरीदने की कोशिश की गई है. दरअसल, 4 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ केकेआर के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फॉर्म में वापसी की. उन्होंने इस मैच 25 गेंद ताबड़तोड़ 57 रन ठोककर जीत में अहम भूमिका निभाई. इसके बाद सौरव गांगुली ने उनसे मुलाकात की है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,उन्होंने इस दौरान एक डील भी पेश की. सौरव गांगुली ने 37 साल के आंद्रे रसेल से मुलाकात के दौरान अगले सीजन में अपनी टीम बदलने का ऑफर दिया. दरअसल, गांगुली ने एसए20 के 2026 सीजन में प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए खेलने का प्रस्ताव दिया है. बता दें प्रिटोरिया कैपिटल्स आईपीएल की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स की सिस्टर टीम है. दोनों टीमों के मालिक एक (जीएमआर और जेएसडब्ल्यू ग्रुप) हैं. वहीं गांगुली डीसी फ्रेंचाइजी में डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका में हैं. इससे पहले 2023 और 2024 के सीजन में वो दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर की भूमिका में रह चुके हैं.

एनसी क्लासिक भाला फेंक टूर्नामेंट: नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू, दिग्गजों का लगेगा मेला

बंगलूरू, 6 मई (एजेंसियां)। नीरज चोपड़ा क्लासिक के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। आयोजकों ने इसकी घोषणा की। इस प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और एंडरसन पीटर्स सहित कई ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी भाग लेंगे। यह भारत में होने वाली भाला फेंक की पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है। 24 मई से बेंगलुरु में एनसी क्लासिक टूर्नामेंट की शुरुआत होगी।

आयोजकों की विज्ञप्ति के मुताबिक टिकट 199 रुपये से 9,999 रुपये की रेंज में उपलब्ध है। जोमैटो इस प्रतियोगिता का आधिकारिक टिकट भागीदार है। विज्ञप्ति के मुताबिक, 44,999 रुपये की कीमत वाले पांच कॉर्पोरेट बॉक्स भी उपलब्ध हैं। कर्नाटक ओलंपिक संघ (केओए) और युवा सशक्तिकरण और खेल विभाग (डीवाईईएस) सहित राज्य संघ और सरकारी निकाय विश्व स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए कर्नाटक सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

बंगलूरू में ही क्यों हो रही प्रतियोगिता?

नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को बंगलूरू के कांतिरावा स्टेडियम में होगा। विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है यानी यह प्रतियोगिता विश्व में एथलेटिक्स की सर्वोच्च संस्था वर्ल्ड एथलेटिक्स से मान्यता प्राप्त है जिसने इसे गोल्ड लेवल का दर्जा दिया है। नीरज ने कहा, "मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकूला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स 600 लक्स चाहती थी, लेकिन पंचकूला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए, हमने प्रतियोगिता को बंगलूरू के कांतिरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। हमारे पास वहां एक टीम है और वहां इसका आयोजन करना बहुत आसान होगा।'

कई दिग्गज लेंगे हिस्सा

इस कार्यक्रम का आयोजन नीरज और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और विश्व एथलेटिक्स के सहयोग से संयुक्त रूप से किया जाएगा। इसमें शीर्ष

वैश्विक और भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी भाग लेंगे। पीटर्स ने 2024 पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और रोहलर के अलावा केन्या के जूलियस येगो (2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता और 2015 विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भी हैं) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने भी भागीदारी की पुष्टि की है। इसके अलावा एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन और उभरते श्रीलंकाई रुमेश पथिरेज भी विदेशी सितारों में शामिल होंगे।

अरशद को न्योता भेजने के लिए हुआ था विवाद

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकियों ने 26 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। इस हमले से दो दिन पहले नीरज चोपड़ा ने एनसी क्लासिक प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम को भी न्योता भेजा था, जिसे नदीम ने ठुकरा दिया था। इसके बाद इसको लेकर बवाल भी हुआ। उन्होंने कहा कि न्योता भेजने की वजह से देश के प्रति उनकी ईमानदारी पर सवाल उठे और यहां तक कि उनके परिवार को अपशब्द कहे गए। इसको वह बर्दाश्त नहीं करेंगे। नीरज ने कहा था, 'पहलगाम में आतंकवादी हमलों से दो दिन पहले सभी एथलीटों को निमंत्रण दिया गया था। पिछले 48 घंटों में जो कुछ भी हुआ है, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद के होने का सवाल ही नहीं उठता।'

उन्होंने कहा, "मैं आमतौर पर कम बोलने वाला व्यक्ति हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं जो गलत समझता हूं उसके खिलाफ नहीं बोलूंगा। खासकर जब बात इस देश के प्रति मेरे प्यार और सम्मान और मेरे परिवार के सम्मान पर सवाल उठाने की आती है। मेरा देश और उसका हित हमेशा पहले आएगा।'

नीरज भारत के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक और 2024 पेरिस खेलों में रजत पदक जीता था। पेरिस 2024 में अरशद नदीम ने स्वर्ण पर कब्जा जमाया था। नीरज ने कहा, "मैं यह सुनिश्चित करने के लिए और भी अधिक मेहनत करूंगा कि दुनिया भारत को याद रखे और सभी उचित कारणों से इसे ईर्ष्या और सम्मान की नजर से देखे। जय हिंद।'

कांग्रेस ने संविधान बचाओ बाइक रैली निकाली

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और कांग्रेस पार्टी के राज्य नेता कुना श्रीशैलम के साथ मेडचल मलकाजगिरी जिला पार्टी अध्यक्ष सिंगरेड्डी हरिवर्धन रेड्डी, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, टीपीसीसी सचिव, पर्यवेक्षक, समन्वयक, मंडल, ब्लॉक अध्यक्ष और पार्टी नेताओं ने मेडचल मलकाजगिरी जिले के मलकाजगिरी निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक मैनमपल्ली हनुमंत राव के तत्वावधान में अलवाल शहर में राजीव गांधी प्रतिमा से वीबीआर तक आयोजित बाइक रैली में भाग लिया। संविधान रैली के एक भाग के रूप में, उन्होंने आगे बढ़ने से पहले बाबासाहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में, उन्होंने वीबीआर फंक्शन हॉल में आयोजित मेडचल मलकाजगिरी जिला कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव विश्वनाथ उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, कुना श्रीशैलम गौड़ कहा कि जय बापू..जय भीम.. जय संविधान कार्यक्रम के तहत संविधान बचाओ मेडचल मलकाजगिरी जिला कार्यकारी समिति की बैठक में मैनमपल्ली हनुमंत राव के तत्वावधान में बाइक रैली और बैठक आयोजित करके उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि देश में जाति जनगणना कराने के राहुल गांधी के सपने को साकार करने की शुरुआत तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री से हुई। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे हमारे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार द्वारा शुरू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक ले जाएं। इस कार्यक्रम में मेडचल प्रभारी थोटाकुरा वज्रेश यादव, उप्पल प्रभारी परमेश्वर रेड्डी, कुकटपल्ली प्रभारी बंदी रमेश, पूर्व विधायक सुधीर रेड्डी, कुतुबुल्लापुर प्रभारी कोलन हनमंत रेड्डी, शोभारानी गारू, युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिवचरण रेड्डी, टीपीसीसी महासचिव भूपति रेड्डी, पुसरेड्डी समन्वयक उस्मा शाकिर, पर्यवेक्षक दुर्गम भास्कर, पारिजात नरसिम्हा रेड्डी, जिला पुस्तकालय अध्यक्ष, जिला महिला अध्यक्ष आर. लक्ष्मी, बीसी सेल अध्यक्ष, एससी सेल, एसटी सेल मंडल अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष, नगरपालिका और शहर अध्यक्ष, पूर्व नगरसेवक, पूर्व सरपंच, युवा कांग्रेस नेता, एनएसयूआई नेता, जिला स्तरीय पार्टी नेता, कार्यकर्ता और अन्य लोगों ने भाग लिया।

सरस्वती पुष्करालु के लिए व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

मंत्री कोंडा सुरेखा और डी श्रीधर बाबू ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार कालेश्वरम के पास त्रिवेणी संगमम में आगामी सरस्वती पुष्करालु के लिए सुचारू और भव्य समारोह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां कर रही है। लाखों भक्तों के पवित्र स्थल पर आने की उम्मीद है, इसलिए राज्य प्रशासन एक सुरक्षित, स्वच्छ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए हर संभव उपाय कर रहा है। मंत्री कोंडा सुरेखा (बंदोबस्ती, पर्यावरण और वन) और श्रीधर बाबू (आईटी और उद्योग, कपड़ा और एलए) ने जयशंकर भूपलपल्ली जिला प्रशासन को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही पूरी करने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, डीजीपी जितेंद्र, बंदोबस्ती प्रमुख सचिव शैलजा रामैयार और आरएंडबी, परिवहन प्रमुख सचिव विकास राज सहित वरिष्ठ अधिकारी विभागों में समन्वय प्रयासों की देखरेख कर रहे थे। मंगलवार को तेलंगाना सचिवालय में बंदोबस्ती मंत्री पेशी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। सम्माक्का-सरक्का जतरा, कोमुरवेली जतरा और भद्राचलम उत्सव जैसे अन्य प्रमुख धार्मिक समारोहों के सफल आयोजन से प्रेरणा लेते हुए, सरकार सरस्वती पुष्करालु को उसी स्तर की श्रद्धा और संगठन तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। दैनिक अनुष्ठान सम्मानित धार्मिक नेताओं द्वारा आयोजित औपचारिक स्नान के साथ शुरू होंगे। 15 और 16 मई को आधिकारिक उद्घाटन रंगमपेट के श्री गुरु मदनानंद सरस्वती और मेदक के माधवानंद सरस्वती द्वारा किया जाएगा, जो इस आयोजन की गहरी आध्यात्मिक जड़ों का प्रतीक है। एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने जोर देकर कहा, किसी भी भक्त को कोई कठिनाई नहीं होनी चाहिए। सभी व्यवस्थाएं उच्चतम मानक की होंगी, जो सांस्कृतिक परंपराओं और जन कल्याण के प्रति हमारे सम्मान को दर्शाती हैं। कांग्रेस सरकार के चौतरफा प्रयासों का उद्देश्य सरस्वती पुष्करालु को न केवल धार्मिक उत्सव बनाना है, बल्कि हर तीर्थयात्री के लिए एक यादगार और सहज अनुभव बनाना है। समीक्षा बैठक में डीजी इंटेलिजेंस शिवधर रेड्डी, संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष अलेख्या पुंजाला, एसईआरपी सीईओ दिव्या देवराजन, बंदोबस्ती आयुक्त वेंकट राव, अतिरिक्त आयुक्त कृष्णवेनी, भूपालपल्ली जिला कलेक्टर राहुल शर्मा, अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, मंदिर ईओ महेश और अन्य ने हिस्सा लिया।

कालेश्वरम पुष्करालु के लिए मुख्य व्यवस्थाएं

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कालेश्वरम पुष्करालु के लिए मुख्य व्यवस्थाएं की गई है। कार्यक्रम समयरेखा : 12 दिवसीय पुष्करालु उत्सव 14 मई को रात 10:35 बजे शुरू होगा, जो बृहस्पति के मिथुन राशि में प्रवेश के साथ मेल खाता है, जो गोदावरी नदी की सहायक नदी सरस्वती में पवित्र स्नान के लिए एक दुर्लभ और शुभ अवधि को चिह्नित करता है।

परिवहन और सुविधाएं : स्नान घाटों का विस्तार किया जा रहा है और नए घाट जोड़े जा रहे हैं। स्थायी शौचालय, पेयजल स्टेशन और अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जा रही हैं। तीर्थयात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए मुफ्त यात्रा योजना के तहत अतिरिक्त टीएसआरटीसी बसें तैनात की जाएंगी।

सुरक्षा और चिकित्सा सेवाएं : भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन तत्परता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। असुविधा से बचने के लिए प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, ऑन-साइट मेडिकल टीमें और बच्चों, गर्भवती महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष देखभाल क्षेत्रों की व्यवस्था की जा रही है।

डिजिटल आउटरीच : मंत्रियों द्वारा लॉन्च किया गया एक समर्पित पुष्करालु पोर्टल और मोबाइल ऐप तीर्थयात्रियों को लाइव अपडेट, घाटों के नक्शे, आपातकालीन संपर्क विवरण और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा। सार्वजनिक सहायता के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन भी चालू है।

मधुमक्खियों के डंक मारने से दिहाड़ी मजदूर की मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेबेना मंडल के गोलेटी गांव में मंगलवार को एक भूमिगत कोयला खदान के परिसर में काम कर रहे चार दिहाड़ी मजदूरों में से एक की मधुमक्खियों के झुंड के काटने से मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि मधुमक्खियों ने उस पर और तीन अन्य पर हमला किया, जिसमें चार दिहाड़ी मजदूर घायल हो गए। उन्हें तुरंत बेलमपल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनमें से एक, पुप्पाला नरसैया (50) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। नरसैया के सहकर्मी उसके नियोक्ता से उसके परिवार के सदस्यों के लिए मुआवज़ा चाहते थे। उन्होंने उसके परिजनों के लिए 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता की मांग की।

हवाई अड्डे पर मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों के स्वागत की तैयारियों का निरीक्षण

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन और संस्कृति मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए आने वाले अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के स्वागत की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए मंगलवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, शमशाबाद का दौरा किया। मंत्री ने अधिकारियों को एक भव्य और पारंपरिक स्वागत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जो तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और गर्मजोशी भरे आतिथ्य को दर्शाता हो। उन्होंने कहा, हवाई अड्डे को तेलंगाना की पहचान के लिए एक जीवंत प्रवेश द्वार के रूप में काम करना चाहिए, जो हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित करता हो। जीएमआर पैसेंजर एक्सपीरियंस, पर्यटन विभाग, सीमा शुल्क, आव्रजन और सीआईएसएफ के अधिकारियों के साथ, मंत्री ने स्वागत व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने उत्सव और सांस्कृतिक रूप से डूबे हुए माहौल को बनाने के लिए आगमन क्षेत्र को फूलों की सजावट और पारंपरिक आम और केले के पत्तों के तोरण से सजाने की सिफारिश की। मेहमानों के लिए सुगम और कुशल प्रवेश की सुविधा के लिए, मंत्री ने सुव्यवस्थित आव्रजन और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया और स्वागत कर्मियों की संख्या बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने दोहराया कि हवाई अड्डे पर हर टचपॉइंट को तेलंगाना के कलात्मक और सांस्कृतिक सार का स्पष्ट रूप से जश्न मनाना चाहिए। यात्रा के दौरान, मंत्री जुपल्ली ने मिस इंडिया नंदिनी गुप्ता और मिस मैक्सिको मार्ले लेल सर्वेंट्स का उनके आगमन पर व्यक्तिगत रूप से स्वागत किया। उन्होंने उन्हें तेलंगाना के ऐतिहासिक और विरासत स्थलों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया और मिस वर्ल्ड कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कुकटपल्ली क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उन क्षेत्रों में नाले का काम शुरू करें जहां भूमि अधिग्रहण संभव नहीं है क्योंकि मानसून का मौसम नजदीक आ रहा है। मंगलवार को आयुक्त ने कुकटपल्ली अंचल के मूसापेट, गजुलारामरम और कुकटपल्ली हलकों में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त ने मूसापेट मेट्रो स्टेशन पर जल ठहराव बिंदु का निरीक्षण किया। इसी प्रकार, आईडीपीएल चेरुवु सरप्लस नाला से आरटीसी डिपो तक एसएनडीपी निधि से किए गए बॉक्स ड्रेन कार्यों का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के कारण कार्य शुरू नहीं हो सका है, तथा उन्होंने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बरसात के मौसम के आने पर लोगों को बाढ़ के पानी के कारण किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। कैथलपुर सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करने के बाद जब इंजीनियर से देरी का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोर्ट केस के कारण कार्य शुरू नहीं हो पाया है, जिस पर कमिश्नर ने जवाबी तर्क देने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि जोनल कमिश्नर को इस मामले पर विशेष ध्यान देना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि अंबेडकर नगर कोर्ट परिसर के लाइनिंग क्षेत्र में जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए 90 एमएम व्यास की पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव बनाया गया है। चूंकि वहां पहले से ही जलमंडल पाइपलाइन है, इसलिए यह काम जलमंडल द्वारा ही किया जाना चाहिए और बाढ़ को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए, और जोनल कमिश्नर को जलमंडल एमडी के साथ समन्वय करके इसे पूरा करने का निर्देश दिया गया। हिंदू कब्रिस्तान के प्रबंधन के बारे में पूछताछ की। इसके बगल में स्थित पशु देखभाल केंद्र का निरीक्षण किया गया। कुत्ता ऑपरेशन केंद्र कक्ष का निरीक्षण किया गया। जब कमिश्नर ने सर्जरी के बाद सर्जरी करवा चुके कुत्तों की पहचान करने के बारे में स्पष्टीकरण मांगा तो उन्होंने कहा कि कुत्तों के कान कटे हुए होते हैं। यह सुझाव दिया गया कि जेएनटीयू जाने के लिए निःशुल्क अवकाश उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जाएं। वहां से उन्होंने टीएसआईआई (शापुर) में बहुउद्देश्यीय समारोह के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूरा कर सुविधा उपलब्ध करायी जाए। ई.ई. ने भवन के क्षेत्रफल और विवरण के बारे में बताया। आयुक्त को बताया गया कि भूतल पर खाना बनाने का कमरा, भोजन कक्ष, प्रथम तल और द्वितीय तल का निर्माण भी पूरा हो चुका है। यह सुझाव दिया गया है कि भोजन कक्ष और खाना पकाने वाले कमरे में शबद पत्थर रखे जाएं। सुराराम में जल ठहराव की जांच की गई। गजुलारामरम में खेल परिसर का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने पूछा कि कौन से खेल आयोजित किये जायेंगे? आयुक्त ने अधिकारियों को क्रिकेट, बैडमिंटन तथा वॉलीबॉल के लिए उपयुक्त खेल का मैदान बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने शहरी वन पार्क का दौरा किया।आयुक्त के साथ जोनल कमिश्नर अपूर्व चौहान, जोनल एस.ई. चिन्ना रेड्डी, ई.ई. रमेश, श्रीनाथ रेड्डी, उपायुक्त, नगर नियोजन अधिकारी आदि रहे।

नागोल के पास अलकापुरी कॉलोनी में झोपड़ियों में लगी आग

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागोल के पास अलकापुरी कॉलोनी में साईं नगर कॉलोनी में मंगलवार को आग लगने से कम से कम 10 झोपड़ियां जलकर खाक हो गईं। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन आशंका है कि शॉर्ट सर्किट और उसके बाद एलपीजी लीकेज की वजह से आग लगी होगी। जानकारी के अनुसार, यह घटना तब हुई जब गैस रिसाव के कारण एक झोपड़ी में आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही, झोपड़ियों के आस-पास रहने वाले लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। घटना के बाद आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कुछ ही मिनटों में आग पड़ोस की दूसरी झोपड़ियों तक फैल गई। आस-पास के रिहायशी इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों ने झोपड़ियों से आग और घना धुआं निकलता देखा और दमकल विभाग और पुलिस को सूचना दी। पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और दमकल की गाड़ियों और अग्निशमन विभाग और पुलिस के कर्मियों के साथ आग पर काबू पाया। झोपड़ियों में पुआल और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आस-पास के क्षेत्र में अप्रिय गंध के अलावा घना धुआं भी हो सकता है। क्षतिग्रस्त संपत्ति का कुल मूल्य अभी तक अनुमानित नहीं किया गया है। अभी तक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। पुलिस जांच कर रही है।

एससीआर विजलेंस ने विजयवाड़ा स्टेशन पर अनधिकृत विक्रेताओं के खिलाफ जांच की

रेलवे ने लगभग 4,65,000 का जुर्माना वसूला

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सतर्कता दल और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त रूप से विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर अनधिकृत विक्रेताओं के खिलाफ विशेष जांच की। इस अभियान का उद्देश्य अनियमित वेंडिंग गतिविधियों पर अंकुश लगाना था, जो अक्सर भीड़भाड़, स्वच्छता संबंधी चिंताओं और सुरक्षा जोखिमों में योगदान करती हैं। इस जांच का प्राथमिक उद्देश्य अनधिकृत वाणिज्यिक गतिविधियों को खत्म करना था जो यात्रियों के अनुभव और स्टेशन की परिचालन दक्षता दोनों से समझौता करती हैं। उचित प्राधिकरण के बिना काम करने वाले विक्रेता अक्सर प्लेटफ़ॉर्म तक पहुंच में बाधा डालते हैं, सेवा प्रभावशीलता को कम करते हैं और कुछ मामलों में सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। अधिकतम दृश्यता और प्रभाव के लिए शाम के व्यस्त घंटों के दौरान रणनीतिक रूप से किए गए इस अभियान में पहचान पत्र और वेंडिंग परमिट सहित विक्रेता क्रेडेंशियल्स का गहन सत्यापन शामिल था। बिना उचित प्राधिकरण के लाइसेंसधारी स्टॉलधारकों के अधीन काम करते पाए गए विक्रेताओं को मौजूदा नियमों के अनुसार दंड का सामना करना पड़ा, जबकि बिना किसी प्राधिकरण के वेंडिंग करने वालों पर प्रवर्तन कार्रवाई की गई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए और उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्यवाही चल रही है। इस पहल के परिणामस्वरूप, रेलवे ने लगभग 4,65,000 का जुर्माना वसूला। पहल के हिस्से के रूप में, अधिकारियों ने अधिकृत लाइसेंसधारियों और विक्रेताओं के लिए एक परामर्श सत्र भी आयोजित किया। अधिकारियों ने लाइसेंस और परमिट को नियंत्रित करने वाले नियमों और शर्तों को दोहराया, अनधिकृत वेंडिंग गतिविधियों के खिलाफ चेतावनी दी। अनुशासित स्टेशन वातावरण के लिए नियमों के पालन को मजबूत करते हुए जिम्मेदारी और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने के लिए बातचीत की गई थी।

डेंटल काउंसिल से 'डेंटिस्ट डॉक्टर नहीं थे' टिप्पणी के खिलाफ कार्रवाई का किया आग्रह

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय दंत चिकित्सा छात्र एवं शल्य चिकित्सक संघ (एआईडीएसए) के सदस्यों ने मंगलवार को तेलंगाना राज्य दंत चिकित्सा परिषद से त्वचा विशेषज्ञ डॉ. राजीता धर्मशेट्टी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का आग्रह किया, जिन्होंने कथित तौर पर एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि दंत चिकित्सक डॉक्टर नहीं होते।

टीएस डेंटल काउंसिल को लिखे एक पत्र में एड्सा ने कहा कि एड्सा ने हाल ही में फिटनेस प्रशिक्षक पूर्णिमा और त्वचा विशेषज्ञ डॉ. राजीता द्वारा एक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित साक्षात्कार के दौरान की गई अपमानजनक और अपमानजनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। उक्त वीडियो में, व्यक्तियों ने नकली डॉक्टरों को बुलाकर और यह दावा करके दंत चिकित्सक को डॉक्टर नहीं बताकर दंत चिकित्सा पेशे का गैर-जिम्मेदाराना मजाक उड़ाया है।

कार्यवाहक डीडीजी एनसीसी निदेशालय ने तेलंगाना के राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नल समीर शर्मा, कार्यवाहक उपमहानिदेशक, राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) ने मंगलवार को राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल महामहिम जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और महानिदेशक की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा एनसीसी निदेशालय द्वारा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी। उन्होंने एनसीसी कैडेटों को प्रशिक्षित, तैयार और जिम्मेदार और अनुशासित नागरिकों के रूप में परिवर्तित किया, जो भविष्य में नेतृत्व की भूमिका में राष्ट्र की सेवा करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार एनसीसी के विस्तार के बारे में भी बताया। कार्यवाहक डीडीजी ने राज्यपाल से तेलंगाना सरकार से एनसीसी के लिए वित्तीय और प्रशासनिक सहायता का अनुरोध किया, जिसका आश्वासन दिया गया।

युवक द्वारा परेशान किए जाने से तंग आकर नाबालिग लड़की ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 6 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके हयातनगर के रंगनायकुलागुट्टा में अपने घर में एक युवक द्वारा कथित रूप से परेशान किये जाने के कारण कक्षा नौ की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। हयातनगर स्थित सरकारी स्कूल की 14 वर्षीय छात्रा को उसी मोहल्ले का रहने वाला पी.रोहित पिछले छह महीने से कथित तौर पर परेशान कर रहा था। पुलिस के अनुसार, रोहित प्यार के नाम पर उसका पीछा कर रहा था, व्यक्तिगत रूप से और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर। पीड़िता द्वारा उससे बचने और लड़की के परिवार द्वारा चेतावनी दिए जाने के बावजूद, युवक वीडियो, ऑडियो कॉल और टेक्स्ट मैसेज भेजकर उसे परेशान करता रहा। सोमवार को भी रोहित ने अपने भाई के सोशल मीडिया अकाउंट से पीड़िता को मैसेज भेजकर उसे परेशान किया। इसके अलावा, उसके माता-पिता की अनुपस्थिति में वह उसके घर आया और उसी रात उसे अपने प्रेम प्रस्ताव को स्वीकार करने की धमकी दी। उत्पीड़न सहन न कर पाने के कारण लड़की ने तड़के अपने घर में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.